page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/16/2025 1:33 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 गोवंश तस्करी प्रयास विफल, 18 गोवंशों को मुक्त करवाया

5 ऋषभ पंत ने तोड़ा सहवाग का रिकार्ड, टेस्ट क्रिकेट में लगाए सबसे ज्यादा छक्के

8 आधुनिक कृषि प्रणाली

मौसम जम्मू — न्यूनतम 11 — अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-281 | जम्मू तवी, रविवार 16 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

नौगाम पुलिस स्टेशन में 'आकस्मिक' विस्फोट में 9 लोगों की मौत, डीजीपी ने आतंकी पहलू से किया इनकार

श्रीनगर, 15 नवंबर । जम्मू-कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए भीषण विस्फोट में मारे गए नौ लोगों में राज्य जाँच एजेंसी के इंस्पेक्टर इसरार अहमद शाह भी शामिल थे। इसरार अहमद शाह 2011 में पुलिस बल में शामिल हुए थे के परिवार में पत्नी, दो छोटे बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता हैं। कुपवाड़ा जिले के द्रुगमुल्ला इलाके के रहने वाले शाह एक मृदुभाषी व्यक्ति थे और अपने काम पर ज्यादा ध्यान देते थे, ऐसा उनके पड़ोसी गुलाम मोहम्मद ने बताया। पुलिस अधिकारी की एक मददगार व्यक्ति के रूप में भी प्रतिष्ठा थे, जो उनके निधन की खबर गाँव में पहुँचते ही उनके घर पर उमड़े पड़ोसियों की भीड़ से स्पष्ट था। मृतकों में चयन श्रेणी कांस्टेबल जावेद मंसूर राथर और अर्शीद अहमद शाह (दोनों क्राइम ब्रांच के फोटोग्राफर), चयन श्रेणी कांस्टेबल

ऐजाज़ अफ़ज़ल मीर और कांस्टेबल मोहम्मद अमीन मीर और शौकत अहमद भट (तीनों फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी में कार्यरत) शामिल थे। नायब तहसीलदार मुजफ्फर अहमद खान, इलाके के चौकीदार सुहैल अहमद राथर और दर्जी मोहम्मद शफी पार्रे भी इस आकस्मिक विस्फोट में मारे गए। पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने बताया कि विस्फोट उस समय हुआ जब अधिकारियों की एक टीम सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल मामले की जाँच के दौरान ज़ब्त किए गए विस्फोटकों के

उपराज्यपाल सिन्हा ने नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट में मारे गए नौ लोगों को दी श्रद्धांजलि

श्रीनगर, 15 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए आकस्मिक विस्फोट में मारे गए नौ लोगों को पुष्पांजलि अर्पित की। इस विस्फोट में 32 लोग घायल भी हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिन्हा ने पुलिस नियंत्रण कक्ष में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लू, एनआईए के महानिदेशक सदानंद दाते, डीजीपी नलिन प्रभात, सेना की 15वीं कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव और नागरिक प्रशासन, पुलिस तथा अन्य सुरक्षा बलों और एजेंसियों के अन्य अधिकारियों ने भी शहीद पुलिसकर्मियों को पुष्पांजलि अर्पित की मृतकों में छह पुलिसकर्मी शामिल हैं - राज्य जांच एजेंसी के इंस्पेक्टर इसरार अहमद शाह, चयन ग्रेड कांस्टेबल जावेद मंसूर राथर और अर्शीद अहमद शाह (दोनों अपराध शाखा के फोटोग्राफर), चयन ग्रेड कांस्टेबल ऐजाज अफजल मीर और कांस्टेबल मोहम्मद अमीन मीर और शौकत अहमद भट (तीनों फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में कार्यरत)। नायब तहसीलदार मुजफ्फर अहमद खान, इलाके के चौकीदार सुहैल अहमद राथर और दर्जी मोहम्मद शफी पार्रे भी इस आकस्मिक विस्फोट में मारे गए।इससे पहले उपराज्यपाल ने विस्फोट में घायल हुए लोगों का हालचाल जानने के लिए उजाला सिग्नस अस्पताल और एसएमएचएस अस्पताल का दौरा किया।

सरकार आदिवासी समाज को राष्ट्र के सर्वोच्च पदों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री

नर्मदा, 15 नवंबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जोर देकर कहा कि राजनीतिक सशक्तीकरण के बिना विकास अधूरा है और इसी उद्देश्य से केंद्र सरकार आदिवासी समाज को राष्ट्र के सर्वोच्च पदों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज या समुदाय के संपूर्ण विकास के लिए राजनीतिक नेतृत्व और लोकतंत्र में उसकी समान भागीदारी अत्यंत आवश्यक होती है। प्रधानमंत्री गुजरात के नर्मदा जिले के डेढ़ियापाड़ा में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर लगभग 9,700 करोड़ रुपये की सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी और कनेक्टिविटी से संबंधित परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि यह निवेश आदिवासी क्षेत्रों की जीवन गुणवत्ता में बड़ा बदलाव लाएगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज ने भारतीय सभ्यता, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम में जो योगदान दिया है, वह अतुलनीय है, लेकिन दशकों तक इस योगदान को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आदिवासी समाज के सम्मान, स्वाभिमान और विकास को प्राथमिकता देकर इस ऐतिहासिक उपेक्षा को दूर करने का काम किया है। उन्होंने कहा, आज देश की राष्ट्रपति एक आदिवासी महिला हैं। यह केवल सम्मान नहीं, बल्कि वह प्रेरणा है जो बताती है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था हर नागरिक को उच्चतम पद तक पहुंचने का अवसर देती है। मोदी ने कहा कि

"प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व केवल प्रतीकात्मक नहीं होना चाहिए, बल्कि वास्तविक शक्ति-हस्तांतरण का माध्यम होना चाहिए

भाजपा और राजग सरकारों ने हमेशा सक्षम, प्रतिभाशाली और जनसेवा के प्रति समर्पित आदिवासी नेताओं को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, सभी उस परिवर्तनशील राजनीतिक यात्रा के प्रतीक हैं जिसमें आदिवासी समाज नेतृत्व की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि केंद्र में सर्बानंद सोनोवाल, जो आदिवासी समुदाय से आते हैं, पूरे शिपिंग मंत्रालय का नेतृत्व कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

तलाशी अभियान के दौरान एक आईईडी बरामद, सुरक्षित रूप से किया नष्ट

राजौरी, 15 नवंबर। सुरक्षाबलों ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के थानामंडी इलाके में तलाशी अभियान के दौरान एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किया।

अधिकारियों ने बताया कि नियमित जाँच के दौरान इस उपकरण का पता चला जिसके बाद बम निरोधक दल को बुलाया गया। विशेषज्ञों ने आईईडी को मौके पर ही सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया।

उन्होंने बताया कि किसी और विस्फोटक उपकरण की मौजूदगी की संभावना से इनकार करने के लिए इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

सांबा में नाले की खुदाई के दौरान मिला जंग लगा मोर्टार का एक गोला

जम्मू, 15 नवंबर । जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में शनिवार को एक नाले की खुदाई के दौरान जंग लगा मोर्टार का एक गोला मिला।

अधिकारियों ने बताया कि यह गोला सुबह 10 बजे कस्बे के एक शैक्षणिक संस्थान के पास कुछ मजदूरों ने देखा। अधिकारियों के अनुसार सूचना मिलते ही संबंधित पुलिस थाने की एक टीम मौके पर पहुँची और इलाके को सील कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया है और उच्च श्रेणी के विस्फोटक पदार्थ को निष्क्रिय करने के प्रयास जारी हैं।

घाटी के अधिकतम जिलों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज, श्रीनगर में बीती रात रही इस मौसम की सबसे ठंडी रात

श्रीनगर, 15 नवंबर । कश्मीर घाटी के अधिकतम जिलों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आई है। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में इस मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई जहाँ तापमान शून्य से नीचे 2.4 डिग्री सेल्सियस रहा। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 3.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कश्मीर के प्रवेश द्वार काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 2.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि कुपवाड़ा में पारा शून्य से नीचे 2.4 डिग्री सेल्सियस रहा। विवरण के अनुसार प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। हालांकि कोकरनाग में रात का तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सांबा में जंग लगा मोर्टार का खोल मिला; निष्क्रिय करने के प्रयास जारी

जम्मू,15 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में शनिवार को एक नाले की खुदाई के दौरान जंग लगा मोर्टार का खोल मिला ,अधिकारियों ने बताया कि यह खोल सुबह 10 बजे कस्बे के एक शैक्षणिक संस्थान के पास कुछ मजदूरों ने देखा।

अधिकारियों के अनुसार, सूचना मिलते ही संबंधित पुलिस थाने की एक टीम मौके पर पहुँची और इलाके को सील कर दिया।बम निरोधक दस्ते की एक टीम को बुलाया गया है और उच्च श्रेणी के विस्फोटक पदार्थ को निष्क्रिय करने के प्रयास जारी हैं।

आकस्मिक विस्फोट से आस-पास की इमारतों को हुए नुकसान की भरपाई करेगी सरकार : मुख्यमंत्री

श्रीनगर, 15 नवंबर । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि सरकार नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए आकस्मिक विस्फोट से आस-पास की इमारतों को हुए नुकसान की भरपाई करेगी। अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि सरकार नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए दुखद विस्फोट में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री सकीना इटू को घायलों के सर्वोत्तम उपचार सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है और आश्वासन दिया है कि क्षतिग्रस्त इमारतों को उचित मुआवजा दिया जाएगा। शुक्रवार देर रात एक भीषण विस्फोट हुआ जब अधिकारी सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल मामले में जब्त किए गए विस्फोटकों के एक बड़े जखीरे से नमूने निकाल रहे थे और श्रीनगर के बाहरी इलाके में नौगाम पुलिस

स्टेशन परिसर में संग्रहीत थे। विस्फोट में नौ लोग मारे गए और 32 अन्य घायल हो गए जिससे पुलिस स्टेशन की इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और आस-पास की इमारतें भी प्रभावित हुईं।*जम्मू-कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए भीषण विस्फोट में मारे गए नौ लोगों में राज्य जाँच एजेंसी के इंस्पेक्टर इसरार अहमद शाह भी शामिल थे। शाह, जो 2011 में पुलिस बल में शामिल हुए थे, के परिवार में पत्नी, दो छोटे बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता हैं।

दिल्ली धमाके से जुड़े तीन डॉक्टरों का लाइसेंस रद्द, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, 15 नवंबर। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने दिल्ली ब्लास्ट मामले से जुड़े तीन डॉक्टरों का लाइसेंस तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया है। यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर मेडिकल काउंसिल की सिफारिश और जांच एजेंसियों द्वारा जुटाए गए ठोस साक्ष्यों के आधार पर की गई है। एनएमसी की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि नौगाम, श्रीनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 162/2025 में कई संदिग्धों की भूमिका सामने आई थी। इसी मामले की जांच में तीन डॉक्टरों की संलिप्तता भी उजागर हुई। आदेश के अनुसार डॉक्टर मुजफ्फर अहमद (पंजीकरण संख्या 14680/2017), डॉक्टर अदील अहमद राठर (पंजीकरण संख्या 15892/2019) और डॉक्टर मुजमिल शकील (पंजीकरण संख्या 15130/2018), जो जम्मू-कश्मीर मेडिकल काउंसिल में पंजीकृत थे, उन्हें जांच एजेंसियों द्वारा एकत्रित प्रमाणों के आधार पर इस गंभीर केस में शामिल पाया गया। एनएमसी ने कहा कि यह आचरण चिकित्सकीय पेशे की नैतिक मान्यताओं, ईमानदारी और जनता के भरोसे के पूरी तरह प्रतिकूल है। भारतीय चिकित्सा परिषद विनियम 2002 के अध्याय 1 के क्लॉज 1.1.1 और 1.1.2 के तहत ऐसे कृत्य को गंभीर उल्लंघन माना जाता है। जम्मू-कश्मीर मेडिकल काउंसिल ने अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए इन तीनों डॉक्टरों का पंजीकरण रद्द करने का आदेश जारी कर दिया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि तीनों डॉक्टरों के नाम तुरंत प्रभाव से मेडिकल प्रैक्टिशनर रजिस्टर से हटा दिए जाएं।

उधमपुर में मादक पदार्थ तस्कर की संपत्तियाँ ध्वस्त

श्रीनगर, 15 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर ज़िले में शनिवार को एक हिरासत में लिए गए मादक पदार्थ तस्कर के एक घर और पाँच व्यावसायिक संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया। यह जानकारी एक पुलिस प्रवक्ता ने दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने ज़िला प्रशासन के सहयोग से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चेनानी के नरसू गाँव में यह कार्रवाई की। आरोपी की पहचान माखन दीन के रूप में हुई है। प्रवक्ता ने इस कदम को मादक पदार्थ अपराधियों के खिलाफ एक निर्णायक कार्रवाई बताया। उन्होंने बताया कि आदतन अपराधी दीन पिछले साल रहमबल पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में शामिल था। उन्होंने कहा, नशीले पदार्थों की तस्करी में लगातार शामिल रहने के कारण, उसे पीआईटी एनडीपीएस के तहत भी हिरासत में लिया गया था और वह वर्तमान में जम्मू के कोट भलवाल केंद्रीय कारागार में बंद है।

उपराज्यपाल ने श्रीनगर में उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की

श्रीनगर, 15 नवंबर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए आकस्मिक विस्फोट के बाद शनिवार को पुलिस और नागरिक प्रशासन के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई और 32 घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राजभवन में आयोजित बैठक में सिन्हा को कश्मीर में आतंकी तंत्र को नष्ट करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लो, गृह सचिव चंद्राकर भारती, पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, विशेष पुलिस महानिदेशक एस जे एम गिलानी, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सीआईडी नीतीश कुमार सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए।

सिन्हा ने जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया है और विस्फोट के सही कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए हैं। यह विस्फोट शुक्रवार रात करीब 11-20 बजे हुआ जब एक विशेष टीम एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल की चल रही जाँच के सिलसिले में जब्त किए गए विस्फोटकों के एक बड़े और अस्थिर जखीरे से नमूने निकाल रही थी। विस्फोटकों का एक बड़ा हिस्सा नौगाम पुलिस स्टेशन के एक खुले क्षेत्र में सुरक्षित रूप से रखा गया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक नलिन प्रभात और गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (कश्मीर) प्रशांत लोखंडे ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब अधिकारी हरियाणा के फरीदाबाद में जैश-ए-मोहम्मद के सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल मामले में जब्त किए गए विस्फोटकों के बड़े जखीरे के नमूनों की जाँच कर रहे थे।

देश के हर मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल में अमृत फार्मेसी स्थापित की जाएगी : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 15 नवंबर । केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को देशभर में अमृत नेटवर्क के व्यापक विस्तार की घोषणा करते हुए कहा कि अब लक्ष्य है कि देश के हर मेडिकल कॉलेज और हर जिला अस्पताल में अमृत फार्मेसी उपलब्ध कराई जाए, ताकि सस्ती दवाओं की पहुंच हर नागरिक तक सुनिश्चित हो सके।

नड्डा यहां भारत मंडपम में अमृत (उपचार के लिए किफायती दवाएं और विश्वसनीय प्रत्यारोपण) फार्मेसी के 10वें स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि वर्ष 2014 में मोदी सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ, सस्ती और सर्वसुलभ बनाने का संकल्प लिया था। इसी दृष्टि से जन औषधि और अमृत जैसी योजनाओं की परिकल्पना की गई, जिनका उद्देश्य नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण दवाएं रियायती दरों पर उपलब्ध कराना है।

उन्होंने बताया कि 2015 में शुरू हुए अमृत फार्मेसी कार्यक्रम ने आज एक दशक में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्तमान में देशभर में 255 अमृत आउटलेट कार्यरत हैं और निकट भविष्य में इन्हें बढ़ाकर 500 तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह नेटवर्क न केवल बढ़ रहा है बल्कि ज्यादा कुशल और मजबूत भी हो रहा है।

नड्डा ने कहा कि अमृत फार्मेसी द्वारा 50 से 90 प्रतिशत तक की छूट पर दवाएं और इम्प्लांट उपलब्ध कराना बड़ी उपलब्धि है। अब तक 6.85 करोड़ से अधिक मरीज अमृत की सेवाओं से लाभान्वित हुए हैं। इसके अतिरिक्त 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक की एमआरपी कीमत वाली दवाएं छूट पर प्रदान की गईं, जिससे मरीजों को कुल मिलाकर 8,500 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। अमृत फार्मेसी के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठा सकें। समारोह में नड्डा ने कहा, हम सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अमृत फार्मेसी नेटवर्क इसका सशक्त माध्यम है। एचएलएल पिछले 60 वर्षों से उत्कृष्ट सेवाएं दे रहा है और नया ईको-ग्रीन सिस्टम पूरी सप्लाई चेन को और अधिक स्मार्ट, तेज़ और कुशल बनाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन और स्वास्थ्य मंत्री नड्डा के मार्गदर्शन में अमृत पहल की शुरुआत हुई थी, जिसका उद्देश्य था- हर नागरिक के लिए गुणवत्तापूर्ण दवाओं की सस्ती और समान पहुंच सुनिश्चित करना।

रुहुल्लाह नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रति जवाबदेह हैं, वह हल की बदौलत सांसद हैं : फारूक

श्रीनगर, 15 नवंबर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि श्रीनगर संसदीय क्षेत्र से सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी अपने किए के लिए पार्टी के प्रति जवाबदेह हैं। समाचार एजेंसी के अनुसार, अब्दुल्ला ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, रुहुल्लाह हल (एनसी) की बदौलत सांसद हैं। उन्हें इस हल से प्यार करना चाहिए और इसे मजबूत करना चाहिए। हमारे कार्यकर्ताओं ने अच्छा काम किया है, हमें अच्छी संख्या में वोट मिले हैं, लेकिन हार-जीत तो जीवन का हिस्सा है। बड़गाम विधानसभा उपचुनाव में पार्टी की हार पर प्रतिक्रिया देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि इस नतीजे को एक झटके के बजाय एक सबक के रूप में लिया जाना चाहिए और पार्टी अपनी कमियों पर

बड़गाम की हार को सबक बताते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा, आत्मचिंतन की जरूरत

काम करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी को हार के कारणों पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें खुश होना चाहिए; इससे हमें सबक मिलता है। हमें घबराना नहीं चाहिए। हार हमें सबक सिखाती है और जहाँ भी कमियाँ हैं, हम उन्हें सुधारने की कोशिश करेंगे। गौरतलब है कि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने पहली बार बड़गाम में ऐतिहासिक जीत दर्ज की और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार को 4,478 मतों के अंतर से हराया। लंबे समय से नेशनल कॉन्फ्रेंस का गढ़ मानी जाने वाली बड़गाम सीट, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा गंदेरबल सीट बरकरार रखने के लिए इस सीट को छोड़ने के बाद हुए उपचुनाव में पार्टी के हाथ से निकल गई। इस बीच, नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए भीषण विस्फोट के बारे में बोलते हुए, अब्दुल्ला ने कहा यह हमारी गलती है; जो लोग इस विस्फोटक को बेहतर समझते हैं, उन्हें पहले इस बारे में सलाह लेनी चाहिए थी कि इससे कैसे निपटा जाए, बजाय इसके कि हम खुद इससे निपटने की कोशिश करें।

सीसीआई अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर लंबित मुद्दों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया

जम्मू,15 नवंबर। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (सीसीआई) के अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री से मुलाकात कर विकास और व्यावसायिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। शुरुआत में, गुप्ता ने इस मुद्दे को सुलझाने और वार्षिक दरबार मूव को फिर से शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह निर्णय न केवल सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने में मदद करेगा, बल्कि दोनों क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को भी काफ़ी बढ़ावा देगा। हालाँकि, गुप्ता ने मुख्यमंत्री को बताया कि बार-बार चर्चा के बावजूद, कई महत्वपूर्ण मुद्दे और माँगें अभी भी लंबित हैं और सरकार को तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने तवी रिवर फ्रंट के सौंदर्यीकरण, कृत्रिम झील परियोजना, मुबारक मंडी हेरिटेज कॉम्प्लेक्स सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के पूरा होने में हो रही देरी पर विशेष रूप से चिंता व्यक्त की। उन्होंने बिक्रम चौक से गुज्जर नगर तक तवी रिवर फ्रंट के सौंदर्यीकरण के दूसरे चरण को जल्द से जल्द शुरू करने की तत्काल आवश्यकता पर भी बल दिया। बैठक में भूमि उपयोग, बाज़ार और नीति से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। भूखंडों का विभाजन: गांधी नगर और चन्नी हिम्मत में भूखंडों के विभाजन का मुद्दा उठाया गया, साथ ही जम्मू में नई आवासीय कॉलोनियों और वाणिज्यिक बाजारों के विकास की मांग भी की गई।

मुख्य सचिव ने केंद्र शासित प्रदेश में युवा सहभागिता एवं सशक्तिकरण कार्यक्रम की योजनाओं और तैयारियों का मूल्यांकन किया

जम्मू ,15 नवंबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने शनिवार को आगामी युवा सहभागिता एवं सशक्तिकरण कार्यक्रम की विभागीय तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। यह कार्यक्रम केंद्र शासित प्रदेश में एक पहल है जिसका उद्देश्य जम्मू और कश्मीर के सभी जिलों में सांस्कृतिक, शैक्षिक, उद्यमशीलता और समुदाय-उन्मुख गतिविधियों में युवाओं की सार्थक भागीदारी को बढ़ावा देना है। बैठक में कई वरिष्ठ प्रशासनिक प्रमुखों ने भाग लिया, जिनमें कृषि उत्पादन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव; संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव; सूचना, युवा सेवा एवं खेल, उद्योग एवं वाणिज्य, पुष्प कृषि और ग्रामीण विकास

विभागों के आयुक्त सचिव; जम्मू और कश्मीर के संभागीय आयुक्त; आईटी सचिव; कौशल विकास विभाग के सचिव; आर्थिक एवं सांख्यिकी महानिदेशक; युवा सेवा एवं खेल महानिदेशक; एनआईसी के उप महानिदेशक; कॉलेज निदेशक; और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। सभी जिलों के उपायुक्तों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने प्रत्येक विभाग से उनके प्रस्तावित गतिविधि कैलेंडर और मेगा युवा जुड़ाव अभियान की रणनीतियों पर विस्तृत जानकारी मांगी। उन्होंने सभी विभागों को कार्यक्रम के लिए बनाए गए समर्पित पोर्टल पर अपनी व्यापक कार्ययोजनाएँ, नोडल अधिकारियों का विवरण और आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की तिथिवार रिपोर्ट अपलोड करने का निर्देश दिया। सांस्कृतिक समृद्धि की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए, मुख्य सचिव ने संस्कृति विभाग से युवा सेवा एवं खेल विभाग की पहलों की तर्ज पर एक जीवंत और समावेशी कार्यक्रम तैयार करने का आग्रह किया।

लॉ में किया है ग्रेजुएशन तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

करियर के रूप में लॉ देश में विस्तृत रूप से फैला हुआ एक प्रोफेशन है जो सोसाइटी के लिए कार्य करता है। लॉ प्रोफेशनल विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सामंजस्य का कार्य करता है। लॉ की पढ़ाई करने के बाद युवाओं के लिए करियर के कई रास्ते खुल जाते हैं जिसकी मदद से स्किल्स का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। केवल करियर ही नहीं बल्कि इस प्रोफेशन में सम्मान भी बहुत मिलता है। अगर आप भी लॉ की पढ़ाई करने का विचार कर रहे हैं तो जान लें किन क्षेत्रों में आप करियर बना सकते हैं।

क्रिमिनल लॉयर

आपराधिक मामलों के लिए अदालत में अपने मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व क्रिमिनल लॉयर ही करता है। वे स्थानीय अदालत, उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय में अपने मुवक्किल के लिए अदालत में मामले पेश करते हैं। भारत में एक क्रिमिनल लॉयर को औसतन 7 लाख प्रतिवर्ष सैलरी मिलती है। जहां फ्रेशर को प्रतिवर्ष औसतन 2 लाख रुपये और अनुभवी लॉयर को प्रतिवर्ष औसतन 30 लाख रुपये तक सैलरी तक मिल सकती है।

कॉरपोरेट लॉयर

कॉरपोरेट लॉयर कंपनियों को उनके इंडस्ट्री के नियमों का पालन करने में मदद करते हैं। वे कंपनी के गठन और मैनेजमेंट से संबंधित सभी कानूनी प्रक्रियाओं में अपने क्लाइंट की सहायता करने के लिए जिम्मेदार हैं। कॉर्पोरेट लॉयर को प्रतिवर्ष औसतन 6.9 लाख रुपये मिलते हैं।

ज्यूडिशियल सर्विस

लॉ करने के बाद सरकारी नौकरी के भी उतने ही अवसर हैं। अगर आपने लॉ में ग्रेजुएशन किया है और आप सरकारी नौकरी में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए ज्यूडिशियल सर्विस के रास्ते खुले हैं। इसके लिए आपको राज्यों द्वारा आयोजित होने वाले प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होना होगा। परीक्षा में चयनित होने के बाद 2.2 लाख प्रतिमाह सैलरी दी जाएगी और साथ ही अन्य सुविधाएं भी दिए जाएंगे।

लीगल पत्रकार

अगर आप लीगल मुद्दों पर लिखने का शौक रखते हैं और पत्रकारिता को करियर के रूप में चुनना चाहते हैं तो आपके लिए लीगल पत्रकार के रूप में करियर का बेहतर ऑप्शन मौजूद है। इस क्षेत्र में करियर के लिए आपके पास बेहतर कम्यूनिकेशन और राइटिंग स्किल्स होनी चाहिए। बेहतर अवसरों के साथ यह करियर का बेहतर और बेहद अलग ऑप्शन हो सकता है। एक लीगल पत्रकार भारत में प्रतिवर्ष 3.7 लाख रुपये की सैलरी के शुरुआत कर सकते हैं।

इंटीरियर डिजाइनिंग उन युवाओं के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शन है, जो कुछ क्रिएटिव करना चाहते हैं। इंटीरियर डिजाइनिंग उन युवाओं के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शन है, जो कुछ क्रिएटिव करना चाहते हैं।

बेहतरीन करियर ऑप्शन है इंटीरियर डिजाइनिंग

सीमित स्थान में घर, दफ्तर, मॉल या किसी भी प्रॉपर्टी के लिए ऐसा डिजाइन तैयार करना, जिससे वह सुंदर और व्यवस्थित दिखे, यह काम इंटीरियर डिजाइनर का होता है। इंटीरियर डिजाइनिंग एक विज्ञान है, जिसमें आपको जगह के बारे में अच्छी जानकारी होना जरूरी है, ताकि छोटे-से-छोटे एरिया को आकर्षक बनाया जा सके। आज छोटे शहरों और गांवों से लोग बड़े शहरों का रुख कर रहे हैं और कम जगह में ज्यादा लोगों को घर देने के लिए जो फ्लैट कल्चर पैदा हुआ है, उसने भी इंटीरियर डिजाइनर की भूमिका बहुत खास बना दी है। छोटे-छोटे घरों में पूरे परिवार के हिसाब से सामान व्यवस्थित करना, ताकि कम जगह में भी घर खूबसूरत लगे, यह काम इंटीरियर डिजाइनर ही कर सकता है। वैसे तो इंटीरियर डिजाइनिंग अपने आप में स्पेशलाइजेशन वाला कोर्स है, लेकिन इसके अंतर्गत ऑफिस डिजाइनिंग, किचन डिजाइनिंग, रूम्स डिजाइनिंग, बिजनेस डिजाइनिंग और होम डेकोर में एक्सपर्टीज हासिल कर सकते हैं। इंटीरियर डिजाइनर का काम काफी चुनौतीपूर्ण होता है। प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए पूरी टीम से सहयोग बिठाना होता है। साथ ही, कस्टमर के बजट और पसंद के मुताबिक घर को सजाना होता है। कई बार जो डिजाइन तैयार किया जाता है, वह ग्राहक को पसंद नहीं आता या वह उसमें कुछ बदलाव चाहता है। इसलिए बीच-बीच में उसको अपना काम दिखाते रहना होता है। इंटीरियर डिजाइनर की भूमिका इसलिए भी अहम होती है कि वह अपनी ट्रेनिंग, क्रिएटिविटी और अनुभव के आधार पर ऐसे काम करता है, जिससे किसी भी स्पेस का सही और सुंदर रूप सामने आता है। वही तय करता है कि किसी भी घर को आकर्षक बनाने में किस तरह के रंगों का चयन किया जाए, सोफा, टेबल, डाइनिंग टेबल, बेड समेत पूरे फर्नीचर का लुक और डिजाइन कैसा हो। फैंसी लाइट्स और डेकोरेटिव सामान से घर को सजाना भी इंटीरियर डिजाइनर के जिम्मे होता है।

कहां-कहां मौके

अपना घर सजाना किसे अच्छा नहीं लगता? खासकर सेलिब्रिटी और हाई प्रोफाइल लोगों के बीच तो इंटीरियर डिजाइनर से अपने बंगले को खूबसूरत बनवाने का खूब चलन है। इंटीरियर डिजाइनिंग के प्रति लोगों का रुझान इस हद तक बढ़ चुका है कि वे खुद किसी स्पेस को डिजाइन करने की अपेक्षा प्रशिक्षित इंटीरियर डिजाइनर की मदद लेना पसंद करने लगे हैं। शादी, बर्थडे, एनिवर्सरी जैसे कई आयोजनों में सजावट के लिए इनकी सेवा लेने का चलन भी आजकल जोर पकड़ रहा है। इसलिए इनकी मांग खूब बढ़ रही है।घर और कमर्शियल प्रॉपर्टी में कम स्पेस में भी ज्यादा सामान को अच्छी तरह रखने के लिए इंटीरियर डिजाइनर की जरूरत होती है। शुरुआत में किसी आर्किटेक्चर फर्म, बिल्डर फर्म, पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट, टाउन प्लानिंग ब्यूरो, होटल, रिसोर्ट, रेस्तरां, स्टूडियो वर्क प्लानर या कंसल्टेंसी में सहयोगी के तौर पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा, अपना काम शुरू करने का ऑप्शन भी इस फील्ड में काफी लोकप्रिय है।

क्वॉलिफिकेशन और कोर्स

इंटीरियर डिजाइनिंग में आप बारहवीं के बाद डिप्लोमा, डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। ग्रेजुएशन के बाद भी इस क्षेत्र में आना चाहें, तो पीजी डिप्लोमा, डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप इस फील्ड में बैचलर इन इंटीरियर डिजाइन, बीए इन इंटीरियर आर्किटेक्चर एंड डिजाइन, डिप्लोमा इन इंटीरियर स्पेस एंड फर्नीचर डिजाइन, पीजी डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन जैसे कोर्स कर सकते हैं।

सैलरी

इंटीरियर डिजाइनर के रूप में शुरुआत में 15 से 20 हजार रुपए महीना तक सैलरी मिल जाती है। शुरुआत में किसी फर्म में नौकरी करना उचित रहता है क्योंकि इससे काम करने का तरीका पता चलता है और प्रेक्टिकल नॉलेज के साथ-साथ अनुभव भी बढ़ता है।

पर्सनैलिटी में इस तरह लाएं निखार

हम सभी अपने जीवन में तरक्की करना चाहते हैं और इसके लिए एक अच्छी जॉब पाने की हसरत हम सभी के मन में होती है। लेकिन एक अच्छी जॉब पाने के लिए सिर्फ आपकी एजुकेशनल क्वालिफिकेशन या फिर वर्क एक्सपीरियंस ही महत्वपूर्ण नहीं है। बल्कि आपकी पर्सनैलिटी का भी एक गहरा प्रभाव पड़ता है। आप खुद को किस तरह कैरी करते हैं, उसका इंप्रेशन आपकी जॉब अपॉइंटमेंट से लेकर ग्रोथ तक पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी अपनी पर्सनैलिटी में निखार लाना चाहते हैं तो आप इन आसान टिप्स की मदद ले सकते हैं-

कपड़ों पर दें ध्यान – कपड़े बिना बोले ही हमारी पर्सनैलिटी के बारे में काफी कुछ कह जाते हैं। इसलिए, जब भी आप तैयार होते हैं तो ओकेजन को ध्यान में रखकर रेडी हो। हमेशा सही तरह से ड्रेसअप होने से एक कॉन्फिडेंस आता है, जो आपके व्यक्तित्व में निखार लाता है। बॉडी पर बहुत अधिक टैटू, पियर्सिंग या भड़कीले कलर आपको अनप्रोफेशनल दिखा सकते हैं।

अपनी बॉडी लैंग्वेज पर काम करें – बॉडी लैंग्वेज आपके व्यक्तित्व के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी आपके ओरल कॉम्युनिकेशन स्किल्स। यह आपके बारे में बहुत कुछ बताता है और लोगों को आपके बारे में सटीक अनुमान लगाने में मदद करता है। आपके चलने, बैठने, बात करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस-पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। सही बॉडी लैंग्वेज होने से आपके व्यक्तित्व में निखार आता है। हमेशा सीधा चलने की कोशिश करें और बोलते समय हमेशा आंखों का संपर्क बनाएं।

विनम्र रहें – जब बात पर्सनैलिटी की होती है, तो आपका व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण बिन्दु है, जिस पर आपको ध्यान देना चाहिए। मसलन, हमेशा विनम्र रहें और सभी का मुस्कान के साथ अभिवादन करें। अपने साथियों की मदद करने में कभी भी संकोच न करें। इससे आपकी पर्सनालिटी में भी आत्मविश्वास आएगा। अपने जूनियर्स और सीनियर्स के लिए समान रूप से विनम्र और जमीन से जुड़े रहें।

एक अच्छे श्रोता बनें – जब कोई आपसे बात करे तो दिलचस्पी से सुनें और उन्हें पूरा ध्यान और महत्व दें। इस दौरान आई कॉन्टैक्ट बनाए रखें, ताकि सामने वाले व्यक्ति को यह महसूस हो कि आप उसे ध्यान से सुन रहे हैं। साथ ही, लोगों के बारे में बेहतर तरीके से जानने और उनसे बेहतर तरीके से जुड़ने में आपकी मदद करेगा।

करियर बना सकती है फोटोग्राफी

आपको फोटोग्राफी पसंद है और आप किसी सीन को बड़ी खूबसूरती से कैप्चर कर सकते हैं, तो इस कला को करियर बना सकते हैं।

फोटोग्राफी के लिए इनोवेटिव होना जरूरी है ताकि किसी विजुअल को अलग ढंग से देख सकें और उसका महत्व समझ सकें। तस्वीरें खींचने का अपना मजा है लेकिन एक सफल फोटोग्राफर बनने के लिए पैशन भी चाहिए। आपके अंदर तस्वीरों के जरिये कहानी बयां करने की चाहत होनी चाहिए। सही पल को कैमरे में कैद करने की कला आएगी, तभी इस फील्ड में काम के साथ कमाई हो पाएगी। फोटोग्राफी एक टेक्निकल लाइन भी है। ऐसे में खुद को अपडेट रखना और कैमरे की टेक्नोलॉजी से परिचित रहना जरूरी है। जिन युवाओं का मन नौ से पांच की नौकरी करने के बजाय कैमरे से देश-दुनिया को एक्सप्लोर करने का करता है, उनके लिए यह एक परफेक्ट फील्ड हो सकता है।

जॉब का स्कोप

फोटोग्राफी में ट्रेनिंग लेने के बाद प्रेस फोटोग्राफर, फैशन फोटोग्राफर, पोट्रेट फोटोग्राफर, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर, फीचर फोटोग्राफर, फोरेंसिक फोटोग्राफर, साइंटिफिक फोटोग्राफर बन सकते हैं और फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं। यह एक ऐसा फील्ड है, जहां आपको अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर भी मिल सकता है। हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैग्जीन, विज्ञापन ब्रोशर आदि प्रकाशित करती हैं, जिनमें आकर्षक और स्टाइलिश तस्वीर के लिए फोटोग्राफर की खास भूमिका होती है। मीडिया, ट्रैवल, फिल्म और फैशन इंडस्ट्री बूम करने से यहां फोटोग्राफी का भविष्य काफी उज्जवल है। रेगुलर जॉब में आप 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह कमा सकते हैं। बाद में प्रोफाइल के मुताबिक सैलरी बढ़ती जाती है।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

फोटोग्राफी में बारहवीं और ग्रेजुएशन के बाद सर्टिफिकेट, डिप्लोमा कोर्स और डिग्री ले सकते हैं। मीडिया के सब्जेक्ट में भी कैमरा पढ़ाया जाता है, जिसके बाद कैमरे की एडवांस ट्रेनिंग और पढ़ाई की जा सकती है।

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में करियर बनाना आसान

अगर आप टेक्सटाइल डिजाइनिंग या प्रोडक्शन में दिलचस्पी रखते हैं, तो टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में अपना करियर बना सकते हैं।

सभी देश के विकास में टेक्सटाइल इंडस्ट्री का बहुत बड़ा योगदान है। भारत में भी इस इंडस्ट्री का देश की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे देश के सबसे पुराने इंडस्ट्री में से एक माना जाता है। टेक्सटाइल डिजाइनिंग व इंजीनियरिंग के सुनहरे भविष्य के मद्देनजर अगर इसे दुनिया की एक बड़ी उभरती हुई इंडस्ट्री कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए सरकार की संशोधित टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन फंड स्कीम से टेक्सटाइल सेक्टर में करीब 1 लाख करोड़ रुपए का निवेश होने और 30 लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। भारत में यह इंडस्ट्री रिसर्च, डेवलपमेंट, मेन्युफैक्चरिंग और मर्कैंडाइजिंग जैसी कई श्रेणियों में काम कर रही है। जिसके कारण इसमें जॉब के अवसर भी पहले की अपेक्षा अब तेजी से बढ़ रहे हैं।

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग क्या है

अगर टेक्सटाइल सेक्टर की बात करें तो इसमें रंग, वस्त्र फाइबर, मशीनरी और उत्पाद, कपड़ा और परिधान प्रक्रियाओं को डिजाइन और नियंत्रित करने की प्रक्रिया शामिल है। इसमें फैशनेबल कपड़ों की मांग को ध्यान में रखते हुए बहुत ज्यादा रिसर्च, क्रिएटिविटी और इनोवेशन की जरूरत होती है। इसमें टेक्सटाइल इंजीनियरिंग की यह शाखा उन सिद्धांतों का भी अध्ययन करती है जो कपड़ा फाइबर के प्रकार के यार्न और टेक्सटाइल कपड़ों के निर्माण में किया जाता है। कपड़ा इंजीनियरिंग में, कपड़े को आकर्षक और फैशनेबल बनाने पर जोर दिया जाता है। इसके लिए टेक्सटाइल इंजीनियर को काफी रिसर्च और एक्सपेरिमेंट करना पड़ता है। टेक्सटाइल इंजीनियर को नवाचार, अनुसंधान और रचनात्मकता जैसे कौशल की आवश्यकता होती है।

किस तरह का कोर्स करें

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स या बायोलॉजी जैसे विषय में पढ़ाई करनी होगी। इसके बाद टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में बीई या बीटेक, टेक्सटाइल डिजाइनिंग में बीए, टेक्सटाइल डिजाइन में बीएससी, बैचलर ऑफ डिजाइन, डिप्लोमा इन टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग या टेक्सटाइल केमिस्ट्री में बीटेक कर सकते हैं। वहीं आप इन कोर्सेज में एडवांस्ड डिप्लोमा, एमईए एमटेक और उसके बाद पीएचडी भी कर सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल क्या है

इस इंडस्ट्री में आप मुख्य रूप से प्रोडक्शन कंट्रोल, प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इंजीनियरिंग प्रोसेस, सेल्स, कॉर्पोरेट मैनेजमेंट, सुपरविजन आदि डिपार्टमेंट्स में काम कर सकते हैं। एक टेक्सटाइल इंजीनियर आम तौर पर इंजीनियरिंग प्रोसेस से जुड़ा होता है, जबकि अपैरल और गारमेंट्स की डिजाइनिंग और मेन्युफैक्चरिंग के लिए काम करने वाले प्रोफेशनल्स प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट में काम करते हैं।

इन स्किल की जरूरत

अगर आप इस फील्ड में जाना चाहते हैं तो आपके अंदर कई स्किल का होना जरूरी है। जिसमें मुख्य रूप से कम्युनिकेशन स्किल्स, कम्प्यूटर स्किल्स, एनालिटिकल स्किल्स और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स होनी जरूरी हैं। इसके अलावा उनमें चीजों की बारीकियों पर ध्यान देने की क्षमता, लॉजिकल थिंकिंग और क्रिएटिविटी होनी भी जरूरी है।

करियर की संभावनाएं

कोर्स पूरा होने के बाद आप आप इस फील्ड में टेक्सटाइल मिल्स, एक्सपोर्ट हाउसेज, निटवेयर मेन्युफैकचरिंग यूनिट्स, टेक्सटाइल डाइंग एंड प्रिंटिंग यूनिट्स में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप सरकार द्वारा प्रायोजित अथवा निजी सिल्क, हैंडलूम, जूट, खादी, क्राफ्ट डेवलपमेंट संस्थानों में काम कर सकते हैं। आप फैशन रीटेलर्स डिजाइन स्टूडियोज और बड़ी टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज जैसे में भी काम कर सकते हैं।

सैलरी

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा व डिग्री के बाद आप फ्रेशर के तौर पर अगर आप नौकरी करना चाहते हैं तो 30 से 45 हजार रुपये का शुरुआती वेतन आसानी से मिल जाता है। अनुभव के बाद, आप आईआईटी से टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है, तो आपको शुरुआती वेतन काफी आकर्षक लग सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

कठुआ जिला प्रशासन ने जनजातीय गौरव दिवस मनाया, भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की

कठुआ, 15 नवंबर (हि.स.)। कठुआ जिला प्रशासन ने जनजातीय गौरव दिवस पर जनप्रतिनिधियों, जिला अधिकारियों, जनजातीय समुदाय के विशिष्ट व्यक्तियों और लाभार्थियों ने भगवान बिरसा मुंडा की विरासत का सम्मान किया और राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समुदायों के योगदान को स्वीकार किया।

इस कार्यक्रम में कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण, डीडीसी सदस्य नगरी संदीप मजोत्रा, एडीडीसी कठुआ सुरिंदर मोहन शर्मा, डीपीओ आईसीडीएस कठुआ मोहम्मद सैयद खान, सीपीओ रंजीत ठाकुर, जिला अधिकारी, गणमान्य नागरिक और जनजातीय विशिष्ट व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई जिसमें उनके संघर्ष, बलिदान और जनजातीय आंदोलन में उनकी भूमिका के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया गया। सभा को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. भारत भूषण ने आदिवासी अधिकारों और पहचान की रक्षा में बिरसा मुंडा के उल्लेखनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने और उन्हें विकास में समान अवसर प्रदान करने के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का एक अवसर है। उन्होंने जनजातीय परिवारों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। इसी बीच जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण भी किया गया जिसमें प्रधानमंत्री ने देश भर के जनजातीय समुदायों के उत्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका सहायता के लिए सरकार की पहलों के बारे में बताया।

गोवंश तस्करी प्रयास विफल, 18 गोवंशों को मुक्त करवाया

कठुआ, 15 नवंबर (हि.स.)। जिले में गोवंश तस्करों पर शिकंजा कसते हुए एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा की देखरेख में कठुआ पुलिस ने थाना राजबाग क्षेत्र से कुल 18 गोवंशों को बचाया। वहीं तस्करी में शामिल 02 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर 02 वाहनों को जब्त किया।

जानकारी के अनुसार एसएचओ थाना राजबाग अजय सिंह चिब के नेतृत्व में राजबाग की एक पुलिस टीम ने एनएचडब्ल्यू राजबाग क्षेत्र में नाका/जांच के दौरान दो संदिग्ध वाहनों जेके06सी-1973 और जेके02एबी-8677 को शक के आधार पर जांच के लिए रोका जो कठुआ से जम्मू की ओर जा रहे थे। जांच के दौरान दोनों वाहनों में कुल 18 गोवंश बेरहमी से लदे पाए गए। जिसके बाद पुलिस ने ट्रकों से गोवंश को मुक्त करवाया और दोनों चालकों को गिरफ्तार कर 02 ट्रकों को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। चालकों की पहचान मोहम्मद यूनुस पुत्र बशीर अहमद निवासी मंजीन लोअर दवारा और तोफिम निसार पुत्र निसार हुसैन निवासी गांव सैमसमात राजौरी के रूप में हुई है। इस संबंध में थाना राजबाग में एफआईआर संख्या 222/2025 धारा 223 बीएनएस 11 पीसीए और एफआईआर 223/2025 धारा 223 बीएनएस 11 पीसीए अधिनियम के तहत दो तत्काल मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि इस मामले में आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

केवीआईबी कठुआ द्वारा हीरानगर की बागोचक पंचायत में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 15 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ने हीरानगर की बागोचक पंचायत में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

जिसका उद्देश्य क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को जम्मू-कश्मीर केवीआईबी द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं के बारे में जागरूक/संवेदनशील बनाना था।इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों/बैंकों के प्रतिनिधियों जैसे कि एसबीआई के अग्रणी जिला प्रबंधक, स्वरोजगार के लिए एफपीओ प्रतिनिधि, हस्त कला केंद्र हीरानगर के प्रभारी, क्षेत्र के पूर्व सरपंच/पंचों और बड़ी संख्या में बेरोजगार युवाओं ने भाग लिया।

सभी विभागों ने युवाओं और प्रतिभागियों को अपनी योजनाओं के बारे में जागरूक किया और स्वरोजगार उद्यम स्थापित करके सरकारी योजनाओं द्वारा प्रदान किए जा रहे अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। जेके केवीआईबी कठुआ के जिला अधिकारी सुरिंदर पॉल शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और केवीआईबी की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने नवोदित उद्यमियों को पीएमईजीपी और जेकेआरईजीपी के तहत वित्तीय सहायता के लिए आवेदन करने और इस प्रक्रिया में आवश्यक अन्य प्रक्रियाओं की जानकारी दी। जिन नए उद्यमियों को बैंकों द्वारा वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई है, उन्हें स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए।

जम्मू नगर निगम ने जम्मू में पारंपरिक जल निकायों के जीर्णोद्धार हेतु पहल की शुरू

जम्मू, 15 नवंबर (हि.स.)। जम्मू नगर निगम ने अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी जल निकायों के जीर्णोद्धार और पुनरुद्धार हेतु एक व्यापक पहल शुरू की है। शहरीकरण और बढ़ती शुष्कता के कारण तालाबों, कुओं और पारंपरिक जल स्रोतों के तेज़ी से लुप्त होने के साथ, नगर निगम प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और उनके महत्व के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पारंपरिक जल तालाबों के संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए जम्मू नगर निगम अपने प्रयासों को और मज़बूत कर रहा है। आज संग्रामपुर के दुर्गोचक क्षेत्र के वार्ड संख्या 75 में विधायक सुरेंद्र कुमार ने नगर आयुक्त डॉ. देवांश यादव के साथ एक ऐतिहासिक तालाब के संरक्षण और पूर्ण पुनर्निर्माण की आधारशिला रखी।

इस परियोजना के लिए कुल 23.36 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। पुनरुद्धार योजना में तालाब की सफाई, रेलिंग लगाना, तालाब के चारों ओर पैदल मार्ग का निर्माण, सजावटी पौधे लगाना और उच्च गुणवत्ता वाले हरित तट विकसित करना शामिल है। इसका उद्देश्य जलाशय के पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करना और इसे स्थानीय समुदाय के लिए एक स्वच्छ, हरित और आकर्षक मनोरंजन स्थल में बदलना है।

पुलिस ने कनाचक इलाके में हत्या का मामला सुलझाया, आरोपी को किया गिरफ्तार

जम्मू, 15 नवंबर (हि.स.)। जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने कनाचक इलाके में दर्ज एक हत्या के मामले को तेज़ी से सुलझाते हुए घटना के कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

गुरहा सिंघू, तहसील मढ़ में 14 नवंबर 2025 को एक हिंसक पारिवारिक ज़मीन विवाद ने दुखद रूप ले लिया जिसके परिणामस्वरूप एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार विक्रम सिंह पुत्र झंडार सिंह अपनी पत्नी के साथ अपने खेत में काम कर रहे थे, तभी ज़मीन के मालिकाना हक़ को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच बहस छिड़ गई। इस झड़प के दौरान आरोपी रणजीत सिंह कथित तौर पर एक ट्रैक्टर पर खेत में घुस गया और जानबूझकर विक्रम सिंह और उसकी पत्नी दोनों पर गाड़ी चढ़ा दी और फिर मौके से फरार हो गया।

दोनों पीड़ितों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। दुर्भाग्य से विक्रम सिंह की मौत हो गई जबकि उनकी पत्नी वैष्णो देवी का इलाज जारी है।

घटना के संबंध में कनाचक पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 165/2025 दर्ज की गई। जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और अपराध में शामिल ट्रैक्टर भी जब्त कर लिया। घटना के पूरे क्रम और उसके पीछे छिपे मकसद का पता लगाने के लिए आगे की जाँच जारी

राजेश गुप्ता ने नौगाम पुलिस स्टेशन विस्फोट की कड़ी निंदा की

श्रीनगर, 15 नवंबर (हि.स.)। राज्य अध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद् (विहिप) जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख ने श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में 4 नवंबर 2025 की रात हुए भयावह विस्फोट की घोर निंदा की है। इसमें कई बहादुर पुलिसकर्मी शहीद हुए और कई घायल हुए जिसने पूरे समुदाय को स्तब्ध एवं शोकाकुल कर दिया है।

राजेश गुप्ता ने शहीदों के परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट की और घायल अधिकारियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने नौगाम पुलिस स्टेशन की बहादुरी एवं समर्पण की भी प्रशंसा की जिसने हाल ही में कश्मीर के डॉक्टरों के नाम पर छुपे एक बड़े अंतरराज्यीय आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था।

उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने पुलिस स्टेशन के अंदर हुए विस्फोट पर व्यक्त किया गहरा दुख

लेह, 15 नवंबर (हि.स.)। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने शनिवार को श्रीनगर के एक पुलिस स्टेशन के अंदर हुए विस्फोट पर दुख व्यक्त किया जिसमें 9 लोग मारे गए और 29 अन्य घायल हो गए।

उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने एक्स पर कहा कि श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए दुखद विस्फोट से गहरा दुख हुआ है। अपनी जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।शुक्रवार देर रात श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में एक आकस्मिक विस्फोट हुआ जिसमें 9 लोग मारे गए और 29 अन्य घायल हो गए।

ह्द्ध1यह विस्फोट उस समय हुआ जब अधिकारी सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल मामले में जब्त किए गए विस्फोटकों के एक बड़े जखीरे से नमूने निकाल रहे थे।

लैंड बैंक विस्तार के लिए प्लग एंड प्ले मॉडल लागू करें, एमएसएमई इकाइयों के लिए होगा उपयोगी : मुख्यमंत्री

लखनऊ, 15 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए लैंड बैंक के विस्तार और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को त्वरित सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु प्लग एंड प्ले मॉडल को लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। शनिवार को आयोजित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक परियोजनाओं के लिए पर्याप्त और सतत उपलब्ध भूमि सुनिश्चित करने के लिए लीज़ रेंटल मॉडल को रेवेन्यू शेयरिंग के आधार पर आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि यह मॉडल उत्तर प्रदेश के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकता है और इसी आधार पर विस्तृत नीति तैयार की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इस नीति का मुख्य फोकस एमएसएमई क्षेत्र पर हो, ताकि छोटे और मध्यम उद्योग बिना अतिरिक्त जटिलताओं के तुरंत उत्पादन शुरू कर सकें

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में औद्योगिक भूमि की दरें अपेक्षाकृत अधिक हैं और खासकर एनसीआर से जुड़े जिलों में यह दबाव अधिक महसूस होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि की लागत उद्योगों के विस्तार, तकनीकी उन्नयन और नई इकाइयों की स्थापना के मार्ग में प्रमुख बाधा है। इसी कारण एमएसएमई के लिए किफायती आकार के भूखंडों और तैयार औद्योगिक शेड उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नए मॉडल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होगा है कि उद्योग भूमि खरीद और निर्माण संबंधी प्रक्रियाओं में समय और संसाधन खर्च करने के बजाय सीधे उत्पादन, मशीनरी स्थापना और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्लग एंड प्ले मॉडल के अंतर्गत औद्योगिक विकास प्राधिकरण अपनी भूमि का स्वामित्व बरकरार रखते हुए उस पर तैयार औद्योगिक शेड विकसित करेंगे या सार्वजनिक निजी सहभागिता के माध्यम से निर्माण कराया जाएगा। इन शेडों को उद्योगों को पूर्वनिर्मित उपयोग योग्य परिसर के रूप में किराये पर उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मॉडल को पीपीपी की डीबीएफओटी संरचना के तहत लागू किया जा सकता है जिसमें निजी क्षेत्र डिज़ाइन, निर्माण, वित्त और संचालन की जिम्मेदारी संभालेगा जबकि भूमि स्वामित्व और नियामकीय नियंत्रण प्राधिकरण के पास रहेगा। उन्होंने कहा कि रेवेन्यू शेयरिंग आधारित लीज़ रेंटल व्यवस्था से प्राधिकरण को स्थायी आय सुनिश्चित होगी और उद्यमियों को बिना भूमि खरीद के चरणबद्ध तरीके से उद्योग विस्तार का अवसर मिलेगा।

कश्मीर संभागीय आयुक्त, श्रीनगर उपायुक्त ने एसएमएचएस और उजाला अस्पतालों का दौरा किया

श्रीनगर, 15 नवंबर। संभागीय आयुक्त कश्मीर अंशुल गर्ग ने श्रीनगर के उपायुक्त अक्षय लाबरू के साथ आज एसएमएचएस अस्पताल और उजाला अस्पताल का दौरा किया और नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए आकस्मिक विस्फोट में घायल हुए लोगों का हालचाल जाना।

इस दौरान, संभागीय आयुक्त को घायलों की स्थिति, उन्हें दिए जा रहे उपचार और उनके स्वास्थ्य लाभ की प्रगति के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने संबंधित चिकित्सा अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी घायलों को गुणवत्तापूर्ण उपचार, समय पर दवा और सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सुविधाएँ मिलें। संभागीय आयुक्त ने घायलों से बातचीत की, उनका हालचाल पूछा और आश्वासन दिया कि प्रशासन उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करेगा। अधिकारियों ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की। इस बीच, मंडलायुक्त ने नौगान पुलिस स्टेशन में हुए दुर्भाग्यपूर्ण आकस्मिक विस्फोट में हुई बहुमूल्य जानें जाने पर शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की।

बागवानी तकनीकों पर एक दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन

कठुआ, 15 नवंबर (हि.स.)। संस्थागत नवाचार परिषद के तत्वावधान में राजकीय जीएलडीएम डिग्री कॉलेज हीरानगर में बागवानी तकनीकों पर एक दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना के मार्गदर्शन और नेतृत्व में किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों में व्यावहारिक ज्ञान और रोजगारपरक कौशल को सुदृढ़ करना था।

प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और आधुनिक कृषि एवं पर्यावरण क्षेत्र में कौशल-आधारित शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बागवानी एक उभरता हुआ करियर क्षेत्र है जो नर्सरी प्रबंधन, भू-दृश्यांकन, बाग विकास और कृषि-उद्यमिता में अवसर प्रदान करता है। तकनीकी सत्र का नेतृत्व संसाधन व्यक्ति देओशीष अत्री, बागवानी विकास अधिकारी हीरानगर ने किया जिन्होंने आधुनिक बागवानी विधियों और जलवायु-लचीले कृषि में उनकी प्रासंगिकता पर एक व्यावहारिक व्याख्यान दिया। इसके बाद एक व्यावहारिक प्रदर्शन हुआ जहां छात्रों ने बीज बोने, ग्राफ्टिंग परीक्षण, मिट्टी मिश्रण और नर्सरी बिस्तर तैयार करने में सक्रिय रूप से भाग लिया। बागवानी विभाग हीरानगर के बागवानी तकनीशियन अतुल शर्मा, सहायक अंशुमान और माली मूर्ति की एक टीम ने इच्छुक छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। आईआईसी की अध्यक्ष डॉ. अनुपमा अरोड़ा ने अपने स्वागत भाषण में बागवानी कौशल को नवाचार और उद्यमिता के साथ एकीकृत करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों से आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों के अनुरूप पौध नर्सरी, सजावटी बागवानी और कृषि-स्टार्टअप में अवसरों का पता लगाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के बाद आने वाले समय में तीन और चरण होंगे।

नगरोटा पुलिस स्टेशन ने बहु-राज्यीय साइबर धोखाधड़ी का भंडाफोड़ किया, 2.27 करोड़ बरामद

जम्मू, 15 नवंबर (हि.स.)। जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने ऑनलाइन धोखेबाजों द्वारा धोखाधड़ी से निकाले गए 2,27,45,264/- बरामद करके एक बड़ी सफलता हासिल की है। यह मामला 10.04.2025 को शुरू हुआ जब खालिद हसन पुत्र गुलाम हसन निवासी दलपतियां मोहल्ला जम्मू द्वारा पुलिस स्टेशन नगरोटा में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। उन्होंने बताया कि 08.04.2025 को जब वे सिधरा में थे तो उन्हें उनके भाई साजिद हसन का फोन आया जिसमें उन्होंने 54,00,000/- की तत्काल राशि मांगी थी।

अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ता ने अपने भाई के पक्ष में जम्मू-कश्मीर बैंक से 54 लाख का ऋण प्राप्त किया। हालाँकि 10.04.2025 को उसके भाई ने उसे सूचित किया कि आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज एप्लिकेशन के माध्यम से निवेश की गई उक्त ऋण राशि सहित 2 करोड़ से अधिक की राशि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा धोखाधड़ी से निकाल ली गई है।

शिकायत के बाद पीड़ित को राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के माध्यम से ऑनलाइन धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराने की सलाह दी गई। एनसीसीआरपी पोर्टल के माध्यम से पावती संख्या 31404250002762 के तहत दर्ज की गई शिकायत में आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज प्लेटफॉर्म पर धोखाधड़ीपूर्ण व्यापारिक गतिविधियों के माध्यम से 2,27,45,264/- की साइबर धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था।

जांच के दौरान पीड़ित और संदिग्ध धोखेबाजों के बैंक स्टेटमेंट प्राप्त किए गए और उनका विश्लेषण किया गया। यह पाया गया कि गबन की गई राशि संदिग्धों द्वारा संचालित कई बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी गई थी।

तेज धार वाले हथियारों के साथ गुंडे गिरफ्तार

जम्मू, 15 नवंबर (हि.स.)। आईसी पीपी सरवाल एसआई सुनील सिंह के नेतृत्व में पुलिस पोस्ट सरवाल की एक टीम ने राजीव टिकू सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है जो तेज धार वाले हथियारों के साथ इलाके में घूमते पाए गए थे।

विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम हरकत में आई और आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया उनके पास से तेज धार वाले हथियार बरामद किए।

गिरफ्तार आरोपी पुलिस स्टेशन बख्शी नगर में दर्ज मामले एफआईआर संख्या 148/2025 यू/एस 4/25 ए.एक्ट के संबंध में वांछित थे। पुलिस टीम ने आरोपी व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया है और मामले की आगे की जांच कर रही है।

वेयर हाउस क्षेत्र में 50 लाख रुपये की लागत से बिजली की तारबंदी का काम किया शुरू

जम्मू, 15 नवंबर (हि.स.)। वरिष्ठ भाजपा नेता और जम्मू पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक युद्धवीर सेठी ने आज जम्मू के वेयर हाउस और आसपास के इलाकों में 50 लाख रुपये की लागत से बहुप्रतीक्षित बिजली की तारबंदी परियोजना का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर बोलते हुए सेठी ने कहा कि बुनियादी ढाँचे का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस पहल का उद्देश्य उन निवासियों और व्यापारियों को लंबे समय से लंबित राहत प्रदान करना है जो वर्षों से सड़कों के उन्नयन की मांग कर रहे हैं।

युद्धवीर सेठी ने कहा कि जम्मू के सबसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों में से एक में व्यापार को बढ़ावा देने और लोगों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए सड़क संपर्क में सुधार आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह परियोजना क्षेत्र के समग्र बुनियादी ढाँचे को मजबूत करेगी और सुगम परिवहन सुविधाओं पर निर्भर व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास पूर्ण पारदर्शिता के साथ गुणवत्तापूर्ण विकास सुनिश्चित करना है ताकि लोगों को दीर्घकालिक लाभ मिल सके। कार्य का औपचारिक उद्घाटन एईई पीडब्ल्यूडी विकेश कुमार चडगल और जेईई संजय कोटवाल की उपस्थिति में हुआ जिन्होंने स्थानीय लोगों को तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी और गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए समय पर पूरा होने का आश्वासन दिया

उन्होंने लंबे समय से चली आ रही नागरिक चिंता को दूर करने के लिए युद्धवीर सेठी का आभार व्यक्त किया और व्यापारिक समुदाय तक उनकी निरंतर पहुँच की सराहना की। उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में करुणेश गुप्ता, अतुल खन्ना, चरणजीत सिंह रैना (निदेशक नागरिक सहकारी बैंक), कंचन सिंह रैना और गुरमीत सिंह शामिल थे जिन्होंने विकास पहल का स्वागत किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि बेहतर बुनियादी ढाँचे से व्यापारियों, श्रमिकों और क्षेत्र में प्रतिदिन आने वाले आगंतुकों को सीधा लाभ

बिहार के लोगों ने एक बार फिर विकास के लिए मोदी विजन का समर्थन किया-जसरोटिया

कठुआ, 15 नवंबर (हि.स.)। जसरोटिया ने कहा कि बिहार के लोगों ने एनडीए को भारी जनादेश देकर प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत और विकसित बिहार के विजन पर भरोसा करके बड़ी समझदारी दिखाई है। यह फैसला उन लोगों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है जो झूठे वादों और बड़े-बड़े दावों से लोगों को गुमराह करते हैं। यह बाते विधायक राजीव जसरोटिया ने मंगलूर से गढ़ रोड पर बिजली की तारबंदी के उद्घाटन समारोह में कही।

जसरोटिया ने विकास और प्रगति के प्रति अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि भाजपा खोखली बयानबाजी और झूठे वादों में विश्वास नहीं करती। भाजपा केवल बड़े-बड़े दावे करने पर नहीं, बल्कि परिणाम देने पर केंद्रित है। हमारा ट्रैक रिकॉर्ड खुद बोलता है और बिहार के लोगों ने एक बार फिर विकास के लिए हमारे विजन का समर्थन किया है, जैसा कि हाल के चुनावों में एनडीए की भारी जीत से स्पष्ट है। यह फैसला उन लोगों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है जो झूठे वादों और बड़े-बड़े दावों से लोगों को गुमराह करते हैं। उससे पहले जसरोटिया विधायक राजीव जसरोटिया ने मंगलूर से गढ़ वाया बलोट रोड पर बिजली की तारबंदी का उद्घाटन किया। यह एक बहुप्रतीक्षित परियोजना है जिससे स्थानीय निवासियों के लिए कनेक्टिविटी में सुधार और बाजारों व आवश्यक सेवाओं तक आसान पहुँच की उम्मीद है। 30 लाख रुपये की यह परियोजना क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। जसरोटिया ने टांडा पंचायत बन्न गाँव में 9 लाख रुपये की लागत से दो हैंडपंप का भी उद्घाटन किया।

भाजपा ने डोडा और कठुआ में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया

जम्मू, 15 नवंबर (हि.स.)। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम में भाजपा जिला डोडा ने पुराने बस स्टैंड पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का हिस्सा था और इसमें डोडा भर के नागरिकों की भारी भागीदारी देखी गई।

भाजपा जम्मू-कश्मीर के राज्य सचिव पवन शर्मा ने डोडा जिले की एक संघर्षग्रस्त क्षेत्र से शांति और एकता के प्रतीक के रूप में परिवर्तन के लिए प्रशंसा की।

उन्होंने वंदे मातरम के देशभक्तिपूर्ण उत्साह को प्रतिध्वनित करने में डोडा की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने स्वदेशी आंदोलन और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस गीत के गहरे ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित किया और बताया कि कैसे इसने स्वतंत्रता संग्राम में राष्ट्र को एकजुट किया।

शर्मा ने राष्ट्रीय प्रतीकों और एकता को कमज़ोर करने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस नेतृत्व की भी आलोचना की। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग अब पहले से कहीं ज़्यादा समझदार हो गए हैं और ऐसी टिप्पणियों के पीछे के असली मकसद को पूरी तरह समझते हैं।

भाजपा ज़िला अध्यक्ष बाबू राम शर्मा ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह आयोजन भारत की राष्ट्रीय पहचान और उसकी अटूट देशभक्ति की भावना के प्रति डोडा की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि डोडा के लोग भारत की समृद्ध विरासत के गौरवशाली संरक्षक हैं और हमेशा एकता और राष्ट्रीय गौरव के स्तंभ रहे हैं।

संपादकीय

माँग जायज़

उधमपुर में दूषित कफ सिरप पीने से विकलांग हुए बच्चों के अभिभावकों द्वारा उठाई गई मुआवज़े की माँग पूरी तरह जायज़ है क्योंकि प्रभावित लोगों की इस तकलीफ़ के लिए कहीं न कहीं सरकार ज़िम्मेदार है क्योंकि बाज़ार में दवाओं की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी केंद्र शासित प्रदेश सरकार के कंधों पर है। गौरतलब है कि 2019 के अंत और 2020 की शुरुआत के बीच, उधमपुर के रामनगर इलाके में कम से कम 12 बच्चों की कथित तौर पर सिरप पीने से मौत हो गई, जबकि कई अन्य स्थायी रूप से विकलांग हो गए। सामने आ रही रिपोर्टों से आश्चर्यजनक रूप से पता चला है कि ऐसे दो स्थायी रूप से विकलांग बच्चों के अभिभावकों को अभी तक सरकार से कोई मुआवज़ा नहीं मिला है। यह चौंकाने वाला है क्योंकि एक कल्याणकारी राज्य होने के नाते सरकार को कम से कम प्रभावित परिवारों को पर्याप्त मुआवज़ा देकर न्याय सुनिश्चित करना चाहिए था क्योंकि वे जिस पीड़ा से गुज़र रहे हैं, वह केवल संबंधित सरकारी एजेंसियों के उदासीन रवैये के कारण है, जो यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं कि कोई भी नकली दवा उपभोक्ताओं तक न पहुँचे। दुर्भाग्य से, प्रभावित माता-पिता ने कथित तौर पर कहा है कि उनके बच्चे देखने, सुनने और बोलने की क्षमता खो चुके हैं, लेकिन सरकार उनके दर्द को भूल गई है क्योंकि कोई मुआवज़ा नहीं दिया गया है, जो सत्ता में बैठे लोगों की उदासीनता की पराकाष्ठा को दर्शाता है। हितधारकों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से इस मामले में हस्तक्षेप करने और उचित न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया है, इसलिए यह ज़रूरी हो जाता है कि इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाए क्योंकि माता-पिता का दुख असहनीय है। इसलिए यह ज़रूरी है कि सरकार विकलांग बच्चों के परिवारों को उचित मुआवज़ा प्रदान करे क्योंकि मृतक बच्चों के परिवारों को मुआवज़ा पहले ही मिल चुका है। यह बताना ज़रूरी है कि कथित तौर पर विकलांग हुए छह बच्चों में से चार को विकलांगता प्रमाण पत्र मिल गए हैं, जबकि दो परिवारों ने आवेदन ही नहीं किया था। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि इस तरह के ज़हरीले उत्पाद को बाज़ार में आने देना आपराधिक लापरवाही है और इसलिए संबंधित सरकारी एजेंसी की इस चूक को देखते हुए, प्रभावित बच्चों के गरीब माता-पिता को न्याय दिलाना और उनकी जायज़ माँग पूरी करना और बिना किसी देरी के पर्याप्त मुआवज़ा प्रदान करना, यह ज़िम्मेदारी सत्ता में बैठे लोगों की है।

बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत और लालूराज का स्याह अतीत

राजनीतिक विश्लेषक भले ही जीत-हार के अलग-अलग कारण गिना रहे हों लेकिन नीतीश कुमार के प्रति विश्वास से कोई बड़ा कारण नहीं हो सकता है। उस पर से भाजपा का केंद्र की सत्ता में रहना, सोने पर सुहागे की तरह काम कर रहा है। मोदी और नीतीश ने मिलकर बिहार का ऐसा एकजुट समाज बनाया है, जिसमें सभी वर्ग के लोग सुरक्षित महसूस करते हैं, यहां तक कि मुस्लिम आबादी भी। भले आर्थिक आंकड़ों में यह बिहार किसी शीर्ष राज्य की श्रेणी में नहीं आता है लेकिन चैन से सोने और मनमाफिक काम करने की आजादी की कोई गणना हो तो बिहार पहले पांच राज्यों में जरूर आ सकता है।

विक्रम उपाध्याय

साल 1990 में भारतीय राजनीति में दो बड़ी घटनाएं हुईं। विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने उस साल सत्ताईस प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान के साथ मंडल आयोग की सिफारिशें लागू की और उसी साल तमाम तिकड़मों के साथ लालू प्रसाद यादव बिहार के मुख्यमंत्री बन गए। यूं तो मंडल आयोग को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए लेकिन बिहार में इसके कारण वर्ग संघर्ष शुरू हुआ। अगड़े-पिछड़े के बीच कभी न खत्म होने वाली नफरत की खाई खोद दी गई। मुख्यमंत्री के नाते लालू प्रसाद यादव ने इसे खत्म करने के बजाय इसको हवा दी और पूरे दस साल जातीय नरसंहार का सिलसिला चलने दिया। उस दौरान राह चलते लोगों की जातियां पूछकर ठुकाई की जाती रही और सत्ता में बैठे लालू इस संघर्ष का राजनीतिक लाभ लेते रहे। चारा घोटाले में नाम आने के बाद लालू प्रसाद यादव को कुर्सी छोड़नी पड़ी और साल 2005 आते-आते बिहार ने लालू परिवार के शासन से जो एक बार तौबा की तो फिर उस तरफ़ नहीं देखा। साल 2025 के ताजा चुनाव परिणाम में राजद के सफाए के पीछे प्रारंभिक कारण सिर्फ और सिर्फ लालू राज के अत्याचार से बचे रहने का फैसला ही है।

राजनीतिक विश्लेषक भले ही जीत-हार के अलग-अलग कारण गिना रहे हों लेकिन नीतीश कुमार के प्रति विश्वास से कोई बड़ा कारण नहीं हो सकता है। उस पर से भाजपा का केंद्र की सत्ता में रहना, सोने पर सुहागे की तरह काम कर रहा है। मोदी और नीतीश ने मिलकर बिहार का ऐसा एकजुट समाज बनाया है, जिसमें सभी वर्ग के लोग सुरक्षित महसूस करते हैं, यहां तक कि मुस्लिम आबादी भी। भले आर्थिक आंकड़ों में यह बिहार किसी शीर्ष राज्य की श्रेणी में नहीं आता है लेकिन चैन से सोने और मनमाफिक काम करने की आजादी की कोई गणना हो तो बिहार पहले पांच राज्यों में जरूर आ सकता है।

नीतीश कुमार ने बीस वर्षों के अपने कार्यकाल में जो सबसे बड़ी मिसाल कायम की है, वह है, तठस्थता के साथ सरकार का संचालन और बिना राग-द्वेष का राजनीतिक व्यवहार। दूसरी तरफ लालू परिवार ने अपने पंद्रह साल के शासन में राज्य को न सिर्फ अशांत क्षेत्र में बदल दिया बल्कि खुद के लिए भ्रष्टाचार का स्वर्ग स्थापित कर लिया। ना तो उन्होंने सामाजिक मर्यादा का ख्याल रखा और ना किसी कानून की परवाह की। सत्ता के अपने सहयोगियों से भी वसूली करने में नहीं हिचके। कांति सिंह और रघुनाथ झा जैसे वरिष्ठ सहयोगियों से भी सांसद, मंत्री बनाने के एवज में जमीन लिखवा ली। कहा तो यह भी गया कि लालू प्रसाद यादव ने बिहार के समर्थ लोगों के खिलाफ अपहरण और फिरौती के कारोबार को अपनी देखरेख में चलवाया।

हालात तो यहां तक पहुंच गई थी कि अपराधियों ने लोगों की अवकाश निधि और पेंशन को हड़पने के लिए भी अपहरण का रास्ता अपनाया। क्या उस बिहार की कोई दोबारा कल्पना करना चाहेगा? कभी नहीं। बिहार के लोगों के मन में हमेशा के लिए यह भाव घर कर गया है कि राजद को सत्ता में लाने के लिए वोट करने का मतलब फिर से साल 1990 के बाद के काल खंड में बिहार को पहुंचाना है।

ऐसा नहीं है कि बिहार, नीतीश के शासन काल में कोई आदर्श राज्य बन गया है। ना ही आर्थिक क्षेत्र में कोई बड़ी प्रगति की है। बड़े उद्योग-धंधे भी नहीं लगे। स्थाई रोजगार का भी टोटा है। पर नीतीश कुमार ने बिहार को बिखरने नहीं दिया है। समाज के निचले तबके के जीवन में आसानी पैदा करने की लगातार कोशिश की है। एक से दूसरी जातियों के बीच टकराव पैदा कर राजनीतिक फायदे की कोशिश के बजाय नीतीश के शासन ने सबके लिए अवसर का सृजन किया है। जिस नौकरी का लालच देकर सत्ता परिवर्तन का सपना तेजस्वी यादव देख रहे थे, उसी नौकरी के विकल्प को सफलता पूर्वक नीतीश सरकार लागू करती रही है। निविदा पर ही सही हजारों लोगों को शिक्षक की नौकरी नीतीश ने 20 साल पहले देनी शुरू कर दी थी। अब तो लोग सेवानिवृत हो रहे हैं। वे निविदा के कर्मचारी नीतीश कुमार के लिए साधुवाद का भाव रखते हैं।

लालू के शासन वाले और नीतीश के शासन वाले बिहार में किसी को अंतर देखना है तो बिहार की सड़कों पर निकल जाए। लालू की सरकार के दौरान व्यापारी, अधिकारी, पेशेवर लोग, खास कर के डॉक्टर पलायन के लिए मजबूर किए गए थे। नीतीश के शासन ने ये सब लोग बिना किसी डर के अपना कारोबार और पेशा बढ़ा रहे हैं। कोई ऐसा जिला नहीं होगा, जहां मॉल न खुल गया हो। जहां तनिष्क, टाटा और रिलायंस के शोरूम न हों। किसी भी हाईवे से निकल कर देखिए, नए और बड़े निर्माण होते दिखाई पड़ जाएंगे। किसी चौराहे पर खड़े हो जाइए, महिला पुलिस बहुतायत में दिखाई पड़ जाएंगी। अधिकतर थानेदार, आपको उस जाति वर्ग के मिलेंगे, जिनको राजद अपनी बपौती बताती रहती थी। यह विकास के साथ सामाजिक विश्वास का आगाज है।

नीतीश कुमार और भाजपा के बीच के प्रगाढ़ संबंध की उम्र अब तीस साल से अधिक हो गई है। बीच के दो छोटे-छोटे समयावधि को निकाल दे तो यह संबंध लगातार मजबूती की ओर ही बढ़ता गया है। स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने जो नीतीश कुमार के साथ सद्भाव और विश्वास का संबंध स्थापित किया था, उसे लगातार प्रधानमंत्री मोदी आगे बढ़ा रहे हैं। सामाजिक न्याय के सभी प्रयोगों से लेकर बिहार के आर्थिक विकास के लिए पीएम मोदी ने नीतीश कुमार और बिहार के लिए संसाधनों की कमी नहीं होने दी है। आवास, इलाज और भूख की कमी से निबटने के उपायों में स्वयं प्रधानमंत्री मोदी अपनी और से पहल करते रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बिहार जिस रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, उसे देखकर कोई भी अंदाज लगा सकता है कि अगले दस साल में कनेक्टिविटी के मामले में बिहार किसी भी राज्य को मात दे सकता है। बिहार के लगभग सभी बड़े शहर हवाई मार्ग से जुड़ने जा रहे हैं। एक साथ दस नए एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है। बिहार को गरीब राज्य कह कर चिढ़ाने वाले लोग एक बार यह जानकारी जरूर कर लें कि बिहार में कितनी ऐसी कंपनियां काम कर रही है, जिनका प्रबंधन किसी और राज्य से होता है।

एनडीए को 200 सीटें यदि बिहार की जनता ने दी है, तो उसके पीछे सिर्फ महिलाओं को दी गई दस हजार की आर्थिक मदद नहीं है। राजद ने तो अपने घोषणा पत्र में तीन गुना राशि 14 जनवरी को देने का ऐलान कर दिया था। हर परिवार को एक नौकरी देने का प्रस्ताव रख दिया था। बिहार की जनता पैसे पर बिक कर वोट करने नहीं गई थी। इतना भारी जनमत वह मोदी और नीतीश में विश्वास जताने के लिए देने गई थी। बिहार के इस चुनाव परिणाम का विश्लेषण इस डायलॉग के साथ पूरा होना चाहिए कि यह लालू परिवार के डर के आगे एनडीए पर विश्वास की जीत है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नए भारत के विराट नेतृत्व के पक्ष में बिहार का जनादेश

-आचार्य संजय तिवार

बिहार के चुनाव परिणाम आ चुके। जनादेश की आंधी में भारत विरोधी जुमलों का नामोनिशान मिट गया। बिहार की जनता ने साफ संदेश दे दिया कि ज्ञान और संस्कृति की धरती पर अपशब्दों, गलियों, संस्कृति पर आघात और सनातन विरोधी साजिशकर्ताओं के लिए अब कोई जगह नहीं है। बिहार ने नए भारत के विराट नेतृत्व में गजब की आस्था व्यक्त किया है। नरेन्द्र मोदी पर भरोसा, अमित शाह की रणनीति और एनडीए के सभी दलों में अद्भुत सामंजस्य ने भारत की राष्ट्रीय राजनीति को भी स्थायित्व प्रदान किया है। पूरे चुनाव प्रबंधन की रणनीति के शिल्पी अमित शाह की दूरगामी दृष्टि है जिसने इस एक चुनाव के माध्यम से ही केंद्र की सरकार को भी बहुत सलीके से और मजबूत बना दिया है। गाहे-बगाहे केंद्र सरकार की अस्थिरता के सपने देखने वालों की अब नींद जरूर टूट जाएगी। चुनाव आयोग समेत देश की लगभग सभी संवैधानिक संस्थाओं को बार बार कठघरे में खड़ा कर लोगों को भटकाने की राहुल गांधी की योजना को भी इस परिणाम ने ध्वस्त कर दिया है। इस चुनाव में मोदी और नीतीश को लेकर महिलाओं ने जो उत्साह दिखाया वह अभूतपूर्व कहा जाएगा।

वास्तव में बिहार चुनाव की अवधि और इसके परिणाम की गहराई को देखने से कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ रहे हैं। यह चुनाव वास्तव में एक लिटमस परीक्षण ही था जिसकी वास्तविकताओं को भी सामने लाने में डर लग रहा था। विपक्षी इंडी गठबंधन की धमकी और भाषा ने अनेक सर्वे एजेंसियों को वास्तविकता परोसने नहीं दिया। सब डरे हुए थे। जब बिहार में चुनाव प्रचार शुरू हुआ था तब वोट चोरी के आरोपों के साथ अत्यंत उपद्रवी अंदाज में कांग्रेस और राजद ने अभियान चलाया। राहुल गांधी की आक्रामकता से अब सभी परिचित हैं। उन लोगों को यह लग रहा था कि बिहार के नौजवान उनकी आक्रामकता और शैली के प्रभाव में जरूर आएंगे और नेपाल की जेन जेड क्रांति जैसा कुछ हो जाएगा। बिहार में दक्षिण के उन नेताओं के साथ मंच सजाए गए जो बाकायदा अपने राज्य में हिंदुत्व उन्मूलन अभियान चला रहे हैं।

यहां एक और महत्वपूर्ण घटना हुई। बिहार का बेटा बनकर प्रशांत किशोर का चुनावी शंखनाद और जन जागरण। उनकी घोषणा थी कि इस बार नीतीश कुमार की पार्टी जदयू 25 से भी कम सीटों में सिमट जाएगी। यदि 25 से ज्यादा सीटें जद यू को मिलीं तो वे राजनीति छोड़ देंगे। बिहार चुनाव से पहले तक तक अलग -अलग राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीति की दुकान चलाने वाले प्रशांत किशोर को लगा था कि बिहार के वास्तविक मुद्दों को उभार कर, जंगलराज को दोहराने का डर दिखा कर जनता को वह अपने पक्ष में कर लेंगे। इसी सपने के साथ उन्होंने सभी 243 सीटों पर जनसुराज के प्रत्याशी खड़े कर दिए। प्रशांत किशोर की बातों और उनके मुद्दों से जनता आकर्षित तो हुई लेकिन जनता को इसके लिए प्रशांत किशोर की पार्टी पर भरोसा नहीं हुआ। उभरे हुए ये मुद्दे लहलहाती फसल बन कर एनडीए की खलिहान की फसल बन गए। 20 वर्ष पुराने जंगलराज की कहानियों ने बिहार के युवाओं और महिलाओं को विकल्प तलाशने पर विवश कर दिया। परिणाम यह हुआ कि जनता के सामने सबसे विश्वसनीय चेहरे के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही नजर आए। रणनीति के साथ मगध की धरती पर गृहमंत्री अमित शाह ने मैदान में अपनी संतुलित और सुदृढ़ सेना उतार दी। भाजपा, जदयू के अलावा चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और भूपेंद्र कुशवाहा जैसे बिहारी नेतृत्व को साझा सेना देकर सामने रखा। प्रबंधन में सीआर पाटिल के साथ केशव मौर्य की टीम लगा दी।

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने बिहार को सांस्कृतिक धरातल पर मथा। लोक पर्व छठ को वैश्विक सम्मान देते और दिलाते हुए बिहार में विकास के नए आयाम दिखाए। महिलाओं के लिए अलग से भी नई योजनाएं लाई गईं। नीतीश कुमार के नेतृत्व पर भरोसा जताया। बिहार के परिणाम ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को बहुत मजबूत कर दिया है। भाजपा के बिहार प्रभारी और केंद्रीय शिक्षांत्री धर्मेंद्र प्रधान कहते हैं कि जनता ने पिछले 20 साल के काम, पिछले साढ़े 11 साल की प्रधानमंत्री की नीतियों और जंगलराज तथा कुशासन के इतिहास को परखा और तुलना करने के बाद हम पर फिर से भरोसा जताया है।यहां यह लिखना बहुत समीचीन लगता है कि बिहार के विकास मॉडल के ब्रांड एंबेसडर स्वयं तेजस्वी यादव उसी रात बन गए थे जिस रात पटना में लोकनायक ब्रिज या कहें कि मरीन ड्राइव पर डांस करते नजर आए। दरअसल, तेजस्वी यह समझ ही नहीं सके कि उनके पिता के कार्यकाल वाले दौर से निकल चुके बिहार के 20 वर्षों के विकास का ही परिणाम है कि वे आधी रात को बिल्कुल निडर होकर यह डांस कर रहे हैं।

समाज को राह दिखाता है मीडिया

राष्ट्रीय प्रेस दिवस (16 नवम्बर) पर विशेषरमेश सर्राफ धमोरा

देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पत्रकारिता आजादी के बाद भी अलग-अलग परिदृश्यों में अपनी सार्थक जिम्मदारियों को निभा रही है लेकिन मौजूदा दौर में पत्रकारिता दिनों-दिन मुश्किल बनती जा रही है। जैसे-जैसे समाज में अत्याचार, भ्रष्टाचार, दुराचार और अपराध बढ़ रहा है। पत्रकारों पर हमले की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। मीडिया और पत्रकारों पर हमला वही करते या करवाते हैं जो इन बुराइयों में डूबे हुए हैं। ऐसे लोग दोहरा चरित्र जीते हैं। मीडिया जब इनके काले कारनामों की पोल खोलने लगता है तो ये बौखला जाते हैं और उन पर हमले करवाते हैं। पुलिस और शासन तंत्र भी इन्हीं का साथ देते हैं। दिखावे के तौर पर मामला दर्ज कर लिया जाता है लेकिन होता कुछ नहीं। ये हालात चिन्ताजनक है।

भारत में हर वर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की मौजूदगी का प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस, प्रेस की स्वतंत्रता एवं जिम्मेदारियों की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करता है। प्रथम प्रेस आयोग ने भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा एंव पत्रकारिता में उच्च आदर्श कायम करने के उद्देश्य से एक प्रेस परिषद की कल्पना की थी। परिणाम स्वरूप 4 जुलाई 1966 को भारत में प्रेस परिषद की स्थापना की गई जिसने 16 नवम्बर 1966 से अपना विधिवत कार्य शुरू किया। तब से लेकर आज तक प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पत्रकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयं को फिर से समर्पित करने का अवसर प्रदान करता है।

मीडिया को समाज का दर्पण एवं दीपक दोनों माना जाता है। चाहे वे समाचार पत्र हों या समाचार चैनल, उन्हें मूलतः समाज का दर्पण माना जाता है। दर्पण का काम है वह समाज की हू-ब-हू तस्वीर समाज के सामने पेश कर सकें।

परन्तु कभी-कभी निहित स्वार्थों के कारण ये समाचार मीडिया समतल दर्पण की जगह उत्तल या अवतल दर्पण की तरह काम करने लग जाते हैं। इससे समाज की उल्टी, अवास्तविक, काल्पनिक एवं विकृत तस्वीर भी सामने आ जाती है। तात्पर्य यह है कि खोजी पत्रकारिता के नाम पर आज पीली व नीली पत्रकारिता हमारे कुछ पत्रकारों के गुलाबी जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही है। भारतीय प्रेस परिषद ने अपनी रिपोर्ट में कहा भी है कि भारत में प्रेस ने ज्यादा गलतियां की है एंव अधिकारियों की तुलना में प्रेस के खिलाफ अधिक शिकायतें दर्ज हैं।

वर्तमान समय में पत्रकारिता का क्षेत्र व्यापक हो गया है। पत्रकारिता जन-जन तक सूचनात्मक, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजनात्मक संदेश पहुंचाने की कला एंव विधा है। समाचार पत्र एक ऐसी उत्तर पुस्तिका के समान है जिसके लाखों परीक्षक एवं अनगिनत समीक्षक होते हैं। अन्य माध्यमों के भी परीक्षक एंव समीक्षक उनके लक्षित जनसमूह ही होते हैं। तथ्यपरकता, यथार्थवादिता, संतुलन एंव वस्तुनिष्ठता इसके आधारभूत तत्व है। परन्तु इनकी कमियां आज पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत बड़ी त्रासदी साबित होने लगी हैं। पत्रकार चाहे प्रशिक्षित हो या गैर प्रशिक्षित, यह सबको पता है कि पत्रकारिता में तथ्यपरकता होनी चाहिए। परन्तु तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर, बढ़ा-चढ़ा कर या घटाकर सनसनी बनाने की प्रवृति आज पत्रकारिता में बढ़ने लगी है।

रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) के 2025 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में से 151वें स्थान पर है। यह साल 2024 में 159वें और 2023 में 161वें स्थान से थोड़ा बेहतर है। लेकिन भारत अभी भी बहुत गंभीर प्रेस स्वतंत्रता श्रेणी में है। भारत नेपाल (90वां), मालदीव (104वां), श्रीलंका (139वां) और बांग्लादेश (149वां) जैसे पड़ोसी देशों से नीचे है। नॉर्वे, एस्टोनिया और नीदरलैंड प्रेस स्वतंत्रता में वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन प्रदर्शनकारी हैं। पहली बार, वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता को आर्थिक दबावों के बढ़ने के कारण कठिन स्थिति में देखा जा रहा है।

भारत जैसे विकासशील देशों में मीडिया पर जातिवाद और सम्प्रदायवाद जैसे संकुचित विचारों के खिलाफ संघर्ष करने और गरीबी तथा अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई में लोगों की सहायता करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। क्योंकि लोगों का एक बहुत बड़ा वर्ग पिछड़ा और अनभिज्ञ है। इसलिये यह और भी जरूरी है कि आधुनिक विचार उन तक पहुंचाए जाएं और उनका पिछड़ापन दूर किया जाए ताकि वे सजग भारत का हिस्सा बन सकें। इस दृष्टि से मीडिया की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

आजादी से पहले पत्रकारिता एक मिशन थी। आजादी के बाद यह एक व्यवसाय बन गई। आपातकाल के दौरान जब प्रेस पर सेंसर लगा था, तब पत्रकारिता एक बार फिर थोड़े समय के लिए भ्रष्टाचार मिटाओं अभियान को लेकर मिशन बन गई थी। धीरे-धीरे पत्रकारिता प्रोडक्शन से सेन्सेशन एवं सेन्सेशन से कमीशन बन गई है। परन्तु इन तमाम सामाजिक बुराइयों के लिए सिर्फ मीडिया को दोषी ठहराना उचित नहीं है। समाज में हमेशा बदलाव आता रहता है। विकल्प उत्पन्न होते रहते हैं। ऐसी अवस्था में समाज असमंजस की स्थिति में आ जाता है। इस स्थिति में मीडिया समाज को नई दिशा देता है। मीडिया समाज को प्रभावित करता है, लेकिन कभी-कभी येन-केन प्रकारेण मीडिया समाज से प्रभावित होने लगता है।

हालांकि प्रेस जहां एक तरफ जनता का आईना होता है। वहीं दूसरी ओर प्रेस जनता को गुमराह करने में भी सक्षम होता है। इसीलिए प्रेस पर नियन्त्रण रखने के लिए हर देश में अपने कुछ नियम और संगठन होते हैं। जो प्रेस को एक दायरे में रहकर काम करते रहने की याद दिलाते हैं। प्रेस की आजादी को छीनना भी देश की आजादी को छीनने की तरह ही होता है। चीन, जापान, जर्मनी, पाकिस्तान जैसे देशों में प्रेस को पूर्णतः आजादी नहीं दी गई है। यहां की प्रेस पर सरकार का सीधा नियंत्रण है। इस लिहाज से हमारा देश भारत उनसे बहुत अधिक ठीक है। आज मीडिया के किसी भी अंग की बात कर लीजिये हर जगह दाव-पेंच का असर है। खबर से ज्यादा आज खबर देने वाले का महत्व हो चला है। पक्षपात होना मीडिया में भी कोई बड़ी बात नहीं है। जो लोग मीडिया से जुड़ते हैं, अधिकांश का उद्देश्य जन जागरूकता फैलाना न होकर अपनी धाक जमाना ही अधिक होता है।

कुछ लोग खुद को स्थापित करने लिए भी मीडिया का रास्ता चुनते हैं। कुछ लोग चंद पत्र-पत्रिकाओं में लिखकर अपने समाज के प्रति अपने दायित्व की इतिश्री कर लेते हैं। छद्म नाम से भी मीडिया में लोगों के आने का प्रचलन बढ़ा है। सत्य को स्वीकारना इतना आसान नहीं होता है और इसीलिए कुछ लोग सत्य उद्घाटित करने वाले से बैर रखते हैं। लेकिन फिर कुछ लोग मीडिया में अपना सबकुछ दांव पर लगाकर भी इस रास्ते को ही चुनते हैं और अफसोस की फिर भी उनकी वह पूछ नहीं होती जिसके की वे हकदार होते हैं।

दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों में कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के साथ प्रेस को चैथा खंभा माना जाता है। प्रेस इनको जोडने का काम करती है। प्रेस की स्वतंत्रता के कारण ही कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका को मजबूती के साथ आम आवाम की भावना को अभिव्यक्त करने का अवसर हासिल हुआ है। कभी कभी प्रेस पर तिल को ताड़ बनाने का आरोप लगाया जाता है हालाँकि यह पूरी तरह सच नहीं है। आजादी के बाद प्रेस पर बहुत जिम्मेदारी आ गई।

खबरों में पक्षधरता एवं असंतुलन भी प्रायः देखने को मिलता है। इस प्रकार खबरों में निहित स्वार्थ साफ झलकने लग जाता है। आज समाचारों में विचार को मिश्रित किया जा रहा है। समाचारों का सम्पादकीयकरण होने लगा है। विचारों पर आधारित समाचारों की संख्या बढ़ने लगी है। इससे पत्रकारिता में एक अस्वास्थ्यकर प्रवृति विकसित होने लगी है। समाचार विचारों की जननी होती है। इसलिए समाचारों पर आधारित विचार तो स्वागत योग्य हो सकते हैं, परन्तु विचारों पर आधारित समाचार अभिशाप की तरह होते हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

जापान मास्टर्स 2025: लक्ष्य सेन ने लो कियान यू को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

कुमामोटो सिटी। भारत के बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने पूर्व विश्व चैम्पियन सिंगापुर के लो कियान यू पर शानदार जीत दर्ज करते हुए जापान मास्टर्स 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में सातवीं वरीयता प्राप्त सेन ने दुनिया के नंबर 9 खिलाड़ी को 21-13, 21-17 से मात्र 39 मिनट में पराजित किया। कॉमनवेल्थ गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता सेन ने इस जीत के साथ लो कियान यू के खिलाफ अपने करियर रिकॉर्ड को 10 में सात जीत तक पहुंचा दिया। विश्व नंबर 15 सेन, जो सितंबर में हांगकांग ओपन के उपविजेता रहे थे, अब सेमीफाइनल में जापान के छठे वरीय खिलाड़ी और विश्व नंबर 13 केंटा निशिमोटो से भिड़ेंगे। मुकाबले में सेन ने शानदार ऑल-राउंड नियंत्रण दिखाया, जबकि लो लगातार खराब फॉर्म से जूझते नजर आए। पहला गेम 4-4 की बराबरी के बाद सेन ने बढ़त बनानी शुरू की और इंटरवल तक 11-8 से आगे रहे। ब्रेक के बाद लगातार छह अंक हासिल करते हुए वे 18-9 की मजबूत बढ़त पर पहुंचे और गेम आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम में लो कियान यू ने बेहतर प्रतिरोध दिखाया और स्कोर 9-9 तक बराबरी पर रखा, लेकिन सेन ने अपने जोरदार खेल से 15-9 की बढ़त बना ली। हालांकि लो ने अंतर घटाकर 17-18 तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन सेन ने शांत रहते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

चेस वर्ल्ड कप 2025: अर्जुन एरिगैसी और पी. हरिकृष्णा ने पांचवें दौर के शुरुआती मुकाबले में खेला ड्रॉ

पणजी। फिडे चेस वर्ल्ड कप 2025 में भारत के अर्जुन एरिगैसी और पी. हरिकृष्णा ने पांचवें दौर के पहले दिन अपने-अपने मुकाबले ड्रॉ खेले। खेले गए मुकाबलों में अर्जुन एरिगैसी ने लेवोन अरोनियन की मजबूत डिफेंस को भेदने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। सफेद मोहरों से खेलते हुए अर्जुन को डबल रुक एंडगेम में बढ़त मिली थी, लेकिन वह उसे जीत में बदल नहीं सके और 41 चालों के बाद दोनों खिलाड़ियों ने अंक बांटे। एक समय ऐसा लगा था कि दो बार के चैंपियन अरोनियन मुश्किल में हैं, जब उन्होंने अपनी 21वीं चाल चलने में करीब 30 मिनट लगा दिए थे। हालांकि, उन्होंने सटीक चालें खेलते हुए स्थिति संभाल ली और मुकाबले को सुरक्षित ड्रॉ की ओर ले गए। अब दूसरे गेम में अरोनियन सफेद मोहरों के साथ सैद्धांतिक बढ़त के साथ उतरेंगे। दूसरी ओर, पी. हरिकृष्णा ने काले मोहरों से बेहद ठोस खेल दिखाया और 'जाएंट किलर' कही जाने वाले जोस एडुआर्डो मार्टिनेज अलकांतारा को कोई मौका नहीं दिया। दोनों खिलाड़ी तेजी से रुक-पॉन एंडगेम में पहुंचे और 41 चालों में मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। 24 भारतीयों ने प्रतियोगिता की शुरुआत की थी, लेकिन चार दौर के बाद केवल दो भारतीय–अर्जुन और हरिकृष्णा–अब भी खिताब और कैंडिडेट्स स्पॉट की दौड़ में बने हुए हैं।

एशियन आर्चरी चैंपियनशिप: धीरज और अंकिता ने जीता पहला खिताब, पुरुष टीम ने फाइनल में कोरिया को हराकर रचा इतिहास

नई दिल्ली। ढाका में हुए एशियन आर्चरी चैंपियनशिप में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई ऐतिहासिक उपलब्धियां अपने नाम कीं। पेरिस ओलंपियन बी. धीरज और अंकिता भावक पहले भारतीय पुरुष और महिला रिकर्व तीरंदाज बने, जिन्होंने इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। महिला रिकर्व फाइनल में अंकिता ने कोरिया की पेरिस ओलंपिक पदक विजेता नाम सुह्योन को 7-3 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। वहीं पुरुष वर्ग के फाइनल में धीरज ने अपने ही साथी राहुल को 6-2 से मात देते हुए स्वर्ण पर कब्जा किया।

पुरुष टीम ने शूट-ऑफ में हराया कोरिया

इससे पहले भारत की पुरुष रिकर्व टीम–यशदीप भोघे, अतनु दास और राहुल–ने रोमांचक शूट-ऑफ में कोरिया की टीम को 5-4 से हराते हुए स्वर्ण जीता। मैच के शुरुआती दो सेट 56-56 की बराबरी पर रहे, जबकि तीसरे सेट में कोरिया 57-51 से आगे निकल गई। चौथे सेट में भारत ने 57-53 से जीत दर्ज कर मुकाबले को शूट-ऑफ तक पहुंचाया। शूट-ऑफ में दोनों टीमों ने 29-29 का स्कोर बनाया, लेकिन भारत को सेंटर के सबसे करीब तीर रहने का फायदा मिला और गोल्ड अपने नाम किया।

श्याम लाल कॉलेज बना दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर कॉलेज हॉकी चैंपियन

नई दिल्ली। श्याम लाल कॉलेज की टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर कॉलेज हॉकी के पुरुष वर्ग में सुपर लीग के तीनों मैच जीतकर खिताब अपने नाम किया। श्याम लाल कॉलेज ने अपने पहले मैच में श्रीराम कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स को 7-2 से हराया। दूसरे मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन को 7-1 से और तीसरे मैच में हंसराज कॉलेज को 5-0 से हराकर अपने तीनों मैच जीते।दूसरे स्थान पर इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज की टीम रही और तीसरा स्थान हंसराज कॉलेज को मिला। विजेता श्याम लाल कॉलेज की टीम: मोहम्मद कामिल (गोलकीपर), राहुल,के. रोहित, हिमांशु (कप्तान), मो. आसिफ, हर्ष शर्मा, नवीन बिधूड़ी, श्लोक तिवारी, प्रत्युष सिंह जग्गी, नंदकिशोर,पंकज, भूपेन्द्र, मनमोहन, आदित्य राघव, यश शर्मा, अभिषेक, शाहिद, रिशु।

ऋषभ पंत ने तोड़ा सहवाग का रिकॉर्ड, टेस्ट क्रिकेट में लगाए सबसे ज्यादा छक्के

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन ऋषभ पंत (Rishabh Pant) ने एक बड़ा उपलब्धि अपने नाम कर ली। टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ दिया।पंत ने सिर्फ 24 गेंदों में दो छक्के लगाकर यह माइलस्टोन हासिल किया और अब वह भारत की ओर से टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज़ बन गए हैं।

भारत के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के (Top 5)

ऋषभ पंत - 92 छक्के
वीरेंद्र सहवाग - 91
रोहित शर्मा - 88
रवींद्र जडेजा - 80
एमएस धोनी - 78

वैश्विक सूची में भी पंत अब 7वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में शीर्ष पर इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (136 छक्के) हैं।

रिकॉर्ड ऐसे टूटा...

साउथ अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज की गेंद पर पंत ने आते ही पांचवीं गेंद पर छक्का जड़कर सहवाग को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने महाराज को एक और बड़ा हिट लगाया, लेकिन जल्दी ही पेसर कॉर्बिन बॉश ने उन्हें 27 रन पर आउट कर दिया।

श्री हनुमान कप 2025 स्टेट लेवल प्राइजमनी मेंस हॉकी टूर्नामेंट लखनऊ में 17 नवंबर से

एजेंसी

लखनऊ। वीर शिवाजी हॉकी अकादमी लखनऊ की ओर से श्री हनुमान कप 2025 स्टेट लेवल प्राइजमनी मेंस हॉकी टूर्नामेंट (नाक आउट आधार पर) का आयोजन 17 नवंबर से 21 नवंबर तक पद्मश्री मोहम्मद शाहिद एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम विजयंत खंड गोमतीनगर लखनऊ में किया जा रहा है। इसका उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर करेंगे। उत्तर प्रदेश खेल निदेशक डॉक्टर आरपी सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। उप्र राज्य सेवा अधिकरण के सदस्य अनिल कुमार पाठक विशिष्ट अतिथि होंगे। उद्घाटन अपराह्न दो बजे होगा। अकादमी के अध्यक्ष गौरव अवस्थी ने बताया कि इस टूर्नामेंट में आठ टीमें प्रतिभाग करेंगी। इनमें स्टेट हास्टल बनारस, स्टेट हास्टल झांसी, स्टेट हास्टल लखनऊ , स्टेट हास्टल रामपुर, स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई, गुरु गोविंद सिंह स्पोर्टर्स कॉलेज लखनऊ, भारतीय खेल प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश पुलिस की टीमें शामिल हैं।

कोलकाता टेस्ट: भारतीय टीम की पहली पारी 189 पर ढेर, मिली 30 रन की बढ़त

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता में जारी भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय टीम की पहली पारी बेहद फीकी रही। कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। यहां तक कि 40 रन का आंकड़ा भी कोई पार नहीं कर सका। केएल राहुल ने संघर्ष करते हुए 39 रन जोड़े और टीम की तरफ से सर्वोच्च स्कोरर रहे। उनके अलावा वाशिंगटन सुंदर ने 82 गेंदों पर 29 रन, ऋषभ पंत ने 24 गेंदों पर 27 रन और रवींद्र जडेजा ने 45 गेंदों पर 27 रन बनाए। लगातार अंतराल पर गिरते विकेटों के चलते टीम इंडिया सिर्फ 62.2 ओवर में 189 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कप्तान शुभमन गिल गर्दन में चोट के कारण 4 रन पर रिटायर्ड हर्ट हुए और दोबारा बल्लेबाजी करने नहीं उतर सके। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से सिमरोन हार्मर ने 4, मार्को यानसन ने 3, केशव महाराज और कार्बिन बॉश ने 1-1 विकेट लिया। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 55 ओवर में 159 रन बनाए थे। उसके जवाब में भारत 189 तक पहुंचा और इस तरह भारत को पहली पारी के आधार पर 30 रनों की बढ़त हासिल हुई।

दक्षिण अफ्रीका की पारी भी रही कमजोर: टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरुआत भी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। शीर्ष क्रम पूरी तरह लड़खड़ा गया और टीम 159 पर सिमट गई। उनके लिए एडन मार्करम ने 31 रन की सबसे बड़ी पारी खेली। बाकी कोई भी बल्लेबाज़ 30 रन के पार नहीं जा सका और भारतीय गेंदबाजों ने उन्हें दबाव में रखते हुए जल्दी-जल्दी पवेलियन भेजा। भारत की तरफ से पहली पारी में जसप्रीत बुमराह ने 5, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने 2-2 और अक्षर पटेल ने 1 विकेट लिया।

पहला एशेज़ टेस्ट: ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, जोश हेज़लवुड बाहर

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की एशेज़ तैयारी को एक और बड़ा झटका लगा है। नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी के बाद अब अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ जोश हेज़लवुड भी पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। सप्ताह की शुरुआत में मामूली समस्या मानी जा रही उनकी चोट अब गंभीर साबित हुई है।

कराई गई दोबारा स्कैन रिपोर्ट में हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन की पुष्टि हुई। बुधवार को हुए शुरुआती स्कैन में मांसपेशियों में क्षति नहीं दिखी थी, लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार शुरुआती स्कैन अक्सर लो-ग्रेड चोटों को कम करके आंक सकते हैं। इसी कारण हेज़लवुड पर्थ नहीं जा पाएंगे।उनकी अनुपस्थिति में माइकल नेसर को पहले टेस्ट की टीम में शामिल किया गया है। क्वींसलैंड के इस सीमर को न सिर्फ हेजलवुड बल्कि शॉन एबॉट के कवरेज के रूप में बुलाया गया है, जो न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया के बीच शील्ड मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट से जूझ रहे हैं। नेसर, जिन्होंने 2021 एशेज़ में एडिलेड में अपना टेस्ट डेब्यू किया था और अब तक दो टेस्ट खेले हैं, अचानक तेज़ गेंदबाज़ी विभाग में आई कमी को पूरा करने के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं।ऑस्ट्रेलिया की तेज़ गेंदबाज़ी इकाई इस समय गंभीर रूप से चोटों से प्रभावित है। शॉन एबॉट, लांस मॉरिस, झाय रिचर्डसन,

स्पेंसर जॉनसन और कमिंस-हेज़लवुड सभी किसी न किसी चोट के कारण बाहर हैं। ऐसे में 31 वर्षीय ब्रेंडन डॉगेट के डेब्यू की संभावना बेहद मजबूत हो गई है। डॉगेट ने हाल ही में हैमस्ट्रिंग की हल्की चोट से उबरते हुए इस सीज़न में 13 शील्ड विकेट 14.69 की औसत से लेकर चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। उधर कप्तान पैट कमिंस एससीजी में पुनर्वास जारी रखे हुए हैं और उनका लक्ष्य 4 दिसंबर से गाबा में शुरू होने वाले दूसरे एशेज़ टेस्ट के लिए फिट होना है।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025: सूर्यवंशी का तूफानी शतक, भारत ए ने यूएई को 148 रन से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 के उद्घाटन मुकाबले में भारत ए के 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने इतिहास रचते हुए पुरुषों के टी20 क्रिकेट में किसी भारतीय की संयुक्त रूप से दूसरी सबसे तेज शतकीय पारी खेली। उन्होंने मात्र 42 गेंदों में 144 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 15 छक्के शामिल रहे। उनका शतक सिर्फ 32 गेंदों में पूरा हुआ, जो भारतीय क्रिकेट में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज टी20 शतक है। यह स्कोर पुरुषों के टी20 में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया चौथा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर भी है। इससे पहले उर्विल पटेल (28 गेंद), अभिषेक शर्मा (28 गेंद) और ऋषभ पंत (32 गेंद) ने तेज शतक लगाए थे। कुल मिलाकर सूर्यवंशी का शतक पुरुषों के टी20 क्रिकेट इतिहास में संयुक्त रूप से पांचवां सबसे तेज है। सिर्फ 14 साल 232 दिन की उम्र में बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम (16 साल 171 दिन) के नाम था।

पहली ही गेंद पर जीवनदान

मिलने के बाद सूर्यवंशी ने कोई गलती नहीं की और 342.85 की अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से रन बरसाए। यह टी20 में 100+ स्कोर के लिए चौथा सबसे ऊंचा स्ट्राइक रेट है। यह उनका दूसरा टी20 शतक है। इससे पहले उन्होंने IPL 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए 35 गेंदों में शतक जमाया था। सूर्यवंशी ने अपनी पारी के बाद कहा, यह मेरा नैचुरल गेम है। पहली गेंद पर ड्रॉप हुआ लेकिन इरादे में बदलाव नहीं किया। विकेट अच्छा था और बाउंड्री छोटी थी, इसलिए शॉट्स को बैक किया। उन्होंने अपने पिता को भी विशेष श्रेय दिया। भारत ए ने निर्धारित 20 ओवर में 297/4 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो पुरुषों के टी20 इतिहास का संयुक्त रूप से पांचवां सबसे बड़ा टीम स्कोर है। कप्तान जितेश शर्मा ने भी 32 गेंदों में नाबाद 83 रन बनाकर ताबड़तोड़ अंदाज में पारी का समापन किया। जवाब में, यूएई की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर सिर्फ 149 रन ही बना सकी और मुकाबला 148 रन से हार गई।

शुभमन गिल संदिग्ध गर्दन की मोच के कारण हुए रिटायर्ड हर्ट

एजेंसी

कोलकाता। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन में चल रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन सुबह के सत्र में भारतीय कप्तान शुभमन गिल संदिग्ध गर्दन की मोच के चलते मैदान छोड़ने पर मजबूर हो गए। वॉशिंगटन सुंदर के विकेट के तुरंत बाद गिल ड्रिंक्स ब्रेक के बाद बल्लेबाजी करने उतरे थे। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर ने दाएं हाथ के बल्लेबाज़ गिल के खिलाफ राउंड द विकेट गेंदबाज़ी जारी रखी। गिल ने पहली गेंद को रक्षात्मक रूप से खेला और दूसरी गेंद पर स्लॉग स्वीप शॉट लगाया, जिससे उन्हें चार रन भी मिले। हालांकि, शॉट खेलने के तुरंत बाद वह असहज नज़र आए।फिजियो मैदान पर आया और गिल ने अपनी गर्दन के पीछे दर्द की शिकायत की। उनकी गर्दन सामान्य रूप से नहीं हिल पा रही थी। त्वरित जांच के बाद गिल मैदान से बाहर चले गए और रिटायर्ड हर्ट घोषित किए गए। उनकी जगह ऋषभ पंत बल्लेबाज़ी करने उतरे।

संजू सैमसन सीएसके में ट्रेड, राजस्थान रॉयल्स में रवींद्र जडेजा की वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने अपने कोर ग्रुप में बड़ा बदलाव करते हुए इंडियन प्रीमियर लीग इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण ट्रेड्स में से एक को अंजाम दिया है। संजू सैमसन को 18 करोड़ रुपये में सीएसके ने ट्रेड किया, जबकि रवींद्र जडेजा 14 करोड़ रुपये में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) में वापस लौट आए। दो कमजोर सीज़न के बाद यह कदम उठाया गया है, जिसमें पांच बार की चैंपियन सीएसके प्लेऑफ़ तक नहीं पहुंच सकी और उसे उम्रदराज़ मिडिल ऑर्डर, सीमित हिटिंग पावर और सिकुड़ते स्पिन विभाग जैसी समस्याओं से जूझना पड़ा। संजू सैमसन का आगमन सीएसके की बैटिंग से जुड़ी कई चिंताओं को दूर करता है,

हालांकि यह सवाल बना हुआ है कि क्या एक खिलाड़ी दो साल से चल रही संरचनात्मक समस्या को पूरी तरह हल कर सकता है। राजस्थान के लिए 11 सीज़न में 4027 रन, 2022 में टीम को फाइनल तक ले जाना और 2024 में करियर-बेस्ट 531 रन–ये आंकड़े उनकी प्रभावशीलता साबित करते हैं। आईपीएल 2025 के बाद रिलीज़ की उनकी मांग ने यह ट्रेड लगभग तय कर दिया था, और धोनी-युग के बाद सही संतुलन तलाश रही सीएसके उनके लिए स्वाभाविक ठिकाना बनी। दूसरी ओर, जडेजा को छोड़ना सीएसके के लिए बड़ी चुनौती पैदा करता है। एक दशक से सीएसके की सफलता उसकी स्पिन रणनीति पर आधारित रही है और जडेजा उसके केंद्र में थे–143 विकेट, तीन खिताब और 2023 फाइनल में उनकी यादगार जीत। बावजूद इसके कि टीम के पास नूर अहमद और श्रेयस गोपाल जैसे विकल्प मौजूद हैं, जडेजा की जगह भरना आसान नहीं होगा। अब सीएसके को मिनी ऑक्शन में एक ऐसे भारतीय स्पिन-ऑलराउंडर की ज़रूरत होगी, जो बल्लेबाजी भी कर सके–जो बाजार में बेहद कम उपलब्ध है। राजस्थान के लिए जडेजा की घर वापसी भावनात्मक होने के साथ रणनीतिक भी है।

मेसी-लौतारो की बदौलत अर्जेंटीना ने अंगोला को 2-0 से हराया

एजेंसी

पेरिस। लियोनल मेसी ने एक गोल दागा और एक गोल में अहम योगदान दिया, जिसकी बदौलत विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने खेले गए अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना मैच में अंगोला को 2-0 से मात दी। मेसी ने 44वें मिनट में लौतारो मार्टिनेज को पास देकर टीम को बढ़त दिलाई। 82वें मिनट में भूमिकाएं बदलीं–इस बार मार्टिनेज ने शानदार असिस्ट दिया और मेसी ने गेंद को दूर कोने में शॉट लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया। दोनों खिलाड़ियों को दूसरे हाफ के अंतिम चरण में बदल दिया गया। विश्व रैंकिंग में स्पेन के बाद दूसरे स्थान पर मौजूद अर्जेंटीना और उससे 87 स्थान नीचे खड़ी अंगोला के बीच यह परिणाम अपेक्षित था। मुकाबला राजधानी लुआंडा के '11 नवंबर स्टेडियम' में

अंगोला की स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। अर्जेंटीना ने 2026 विश्व कप क्वालिफिकेशन में 12 मैच जीते, दो ड्रॉ खेले और चार में हार का सामना किया, कुल 38 अंकों के साथ शीर्ष पर रहते हुए क्वालिफाई किया। दूसरी ओर, अंगोला जिसने आखिरी बार 2006 जर्मनी विश्व कप खेला था, 2026 क्वालिफायर में केवल दो मैच जीत सकी और ग्रुप विजेता केप वर्डे से 11 अंक पीछे रहकर बाहर हो गई।

जूनियर विश्वकप के लिए झांसी के सौरभ ने भारतीय हॉकी टीम में बनाई जगह

एजेंसी

झांसी। हॉकी इंडिया ने तमिलनाडु में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होने वाले एफआईएच जूनियर विश्वकप के लिए 18 सदस्यीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित की गई है। जिसमें झांसी नगर के युवा हॉकी सनसनी सौरभ अनान्द कुशवाहा को भी जगह मिली है। सौरभ अनान्द ने इससे पूर्व भी एशिया कप में भारत का प्रतिनधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीता था। टीम का कप्तान ड्रेग फिल्कर रोहित को बनाया गया है। सौरभ ने कुछ दिन पहले झांसी प्रवास के दौरान खेल विश्लेषक बृजेंद्र यादव से बात करते हुए बताया था कि टीम की विश्वकप को लेकर हमारे कोच श्रीजेश सर के दिशानिर्देशों के तहत टीम के सभी खिलाड़ियों ने कैंप में कड़ी मेहनत की है। भारत में आयोजित हो रहे जूनियर विश्व कप को लेकर टीम का हर सदस्य उत्साहित है। दिग्गज पीआर श्रीजेश की कोचिंग में अभ्यास कर रही भारतीय टीम को पूल बी में चिली, स्विट्जरलैंड और ओमान के साथ रखा गया है। ओमान को पाकिस्तान द्वारा सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर हटने के बाद विश्व कप में शामिल किया गया है। भारतीय जूनियर पुरुष टीम में -गोलकीपर: बिक्रमजीत सिंह, प्रिंसदीप सिंह। डिफेंडर: रोहित, आमिर अली, अनमोल एक्का, तालेम प्रियोबार्ता, सुनील पलाक्षप्पा बेन्नूर, शारदानंद तिवारी।

आईपीएल 2026 ट्रेड अपडेट: कई बड़े खिलाड़ियों की टीम बदली

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल 2026) से पहले फ्रेंचाइजियों ने बड़े पैमाने पर ट्रेड किए हैं। लीग के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने अपनी पुरानी टीमों को अलविदा कहकर नए रंग में उतरने की तैयारी कर ली है। आइए जानते हैं किस खिलाड़ी का हुआ क्या भविष्य–

रवींद्र जडेजा अब राजस्थान रॉयल्स में सीनियर ऑलराउंडर और पूर्व चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) कप्तान रविंद्र जडेजा अब आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स की जर्सी में नजर आएंगे। 12 सीजन तक सीएसके के लिए खेलने वाले जडेजा का लीग शुल्क 18 करोड़ से घटाकर 14 करोड़ कर दिया गया है। संजू सैमसन का सीएसके में बड़ा मूव राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान और स्टार विकेटकीपर-बैटर संजू सैमसन अब चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा बन गए हैं। वे अपने मौजूदा शुल्क 18 करोड़ रुपये पर ही सीएसके से जुड़ेंगे। सैमसन अब तक 177 मैच खेल चुके हैं और सीएसके उनके करियर की तीसरी फ्रेंचाइज़ी होगी।

सैम करन भी पहुंचे राजस्थान: इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन को सीएसके से ट्रेड कर राजस्थान रॉयल्स ने अपने साथ जोड़ा है। उनका शुल्क 2.4 करोड़ रुपये ही रहेगा। करन अब तक 64 आईपीएल मैच खेल चुके हैं।

मोहम्मद शमी अब एलएसजी के लिए खेलेंगे

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को सनराइजर्स हैदराबाद से ट्रेड कर लखनऊ सुपर जायंट्स ने शामिल किया है। 10 करोड़ रुपये शुल्क पर खरीदे गए शमी अब लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से जुड़ेंगे। शमी 2023 में पर्पल कैप जीत चुके हैं और 119 मैच खेल चुके हैं।

मयंक मार्कंडेय की मुंबई इंडियंस में वापसी: लेग स्पिनर मयंक मार्कंडेय एक बार फिर मुंबई इंडियंस की जर्सी पहनेंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने उन्हें 30 लाख रुपये में खरीदा था और अब वे उसी शुल्क पर मुंबई इंडियंस (एमआई) से जुड़ेंगे। मार्कंडेय अब तक 37 विकेट झटक चुके हैं।

अर्जुन तेंदुलकर अब एलएसजी में: युवा ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर को मुंबई इंडियंस से ट्रेड कर लखनऊ सुपर जायंट्स ने शामिल किया है। वे 30 लाख रुपये के शुल्क पर ही एलएसजी से खेलेंगे।

नितीश राणा दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ेंगे: बाएं हाथ के बल्लेबाज नितीश राणा को राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड कर दिल्ली कैपिटल्स ने अपने साथ जोड़ा है। उनका मौजूदा शुल्क 4.2 करोड़ रुपये ही रहेगा। राणा 100 से अधिक मैच खेल चुके हैं और केकेआर की कप्तानी भी कर चुके हैं।

डोनोवन फरेरा की आरआर में वापसी :ऑलराउंडर डोनोवन फरेरा को दिल्ली कैपिटल्स से ट्रेड कर राजस्थान रॉयल्स ने दोबारा अपने साथ जोड़ा है। उनका शुल्क 75 लाख से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये कर दिया गया है। आईपीएल 2026 से पहले इन बड़े बदलावों ने नए सीजन की रोमांचक तस्वीर पहले ही दिखा दी है।

किसानों के लिए बायर ने लॉन्च किया मौसम जोखिम से बचाव का नया कवच 'अलिवियो'

एजेंसी

नई दिल्ली। बायर ने अपना डिजिटल समाधान 'अलिवियो' लॉन्च किया है। यह स्पेनिश शब्द है, जिसका अर्थ है 'राहत'। कंपनी ने इसमें नुकसान को कम करने की प्रक्रिया को नए सिरे से डिजाइन किया है। किसानों को 'अलिवियो' मोबाइल ऐप के जरिए इंटीग्रेटेड, वैल्यू-एडिंग सेवा के रूप में ऐसी जानकारियां प्रदान की जाएगी, जिनके आधार पर वे तत्काल कदम उठा सकते हैं। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि किसानों को केंद्र में रखकर तैयार हो रहा है, जो डिजिटल युग का सशक्त कृषि मॉडल है। बायर ने पारंपरिक बीमा उत्पादों से अलग इंश्योरेंस इकोसिस्टम एवं सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के साथ मिलकर लॉन्च किए गए 'अलिवियो' में हाई-रेजॉल्यूशन सैटेलाइट डेटा और एडवांस्ड क्रॉप मॉडलिंग का प्रयोग किया है। इससे फसल की वृद्धि अवस्था और स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप सुरक्षा मिलती है। बायर के मुताबिक इसमें प्लॉट-बेस्ड एग्रोनॉमिक पैरामीटर के हिसाब से 'एश्योरेंस बेनिफिट' मिलता है, जिसे किसान नजदीकी बायर चैनल पार्टनर के पास जाकर तुरंत रिडीम कर सकते हैं। इससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण बीज और फसल सुरक्षा के लिए आवश्यक उत्पाद तुरंत मिल जाते हैं, जिससे फसल चक्र के दौरान आने वाली चुनौतियों से बचाव करना संभव होता है। यह पारंपरिक बीमा में पारदर्शिता की कमी को भी दूर करता है। इंस्टेंट, डेटा-आधारित ट्रिगर्स और स्पष्ट संचार के माध्यम से किसानों को यह पता होता है कि कब वे संरक्षित हैं और कब लाभ सक्रिय है। इससे सीजन के दौरान चिंता कम होती है।

डीएफएस सचिव ने अस्पतालों तथा बीमा कंपनियों के बीच अधिक सहयोग पर जोर दिया

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) सचिव ने लागत नियंत्रण और मानकीकरण के माध्यम से अस्पतालों तथा बीमा कंपनियों के बीच अधिक सहयोग पर जोर दिया। सचिव ने बीमा कंपनियों से आग्रह किया कि वे पॉलिसीधारकों को विशेष रूप से अस्पताल में भर्ती होने और दावों के निपटान के दौरान, उच्चतम स्तर की सेवाएं तथा समयबद्ध सुविधा प्रदान करें। वित्त मंत्रालय के मुताबिक देश में महंगी होती चिकित्सा और बढ़ती प्रीमियम लागत के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 13 नवंबर को वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम नागराजू की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। बैठक में सचिव ने सलाह दी कि स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक किफायती व सुलभ बनाने के लिए बीमा कंपनियां और अस्पताल राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज में शामिल होने की प्रक्रिया तेज करें। उपचार प्रोटोकॉल को मानकीकृत करें, सामान्य पैनल मानदंड अपनाएं तथा कैशलेस दावा प्रसंस्करण को अधिक सरल एवं निर्बाध बनाएं।

बॉल कॉर्पोरेशन अपने आंध्र प्रदेश कारखाने में 60 मिलियन डॉलर का करेगी निवेश

नई दिल्ली। सस्टेनेबल एल्युमीनियम पैकेजिंग के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी बॉल कॉरपोरेशन ने भारत में रणनीतिक निवेश करने की घोषणा की है। बॉल कॉरपोरेशन ने महाराष्ट्र में मुंबई के नजदीक स्थित तालोजा केन मैन्यूफैक्चरिंग कारखाने में 2024 में 55 मिलियन डॉलर का निवेश किया था। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए कंपनी अब आंध्र प्रदेश में अपने श्री सिटी मैन्यूफैक्चरिंग कारखाने में करीब 60 मिलियन डॉलर का निवेश करने जा रही है। बॉल कॉरपोरेशन ने एक बयान में कहा कि यह कदम एशिया के सबसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता बाजारों में से एक में अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और ग्राहकों की बढ़ती माँग को पूरा करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंपनी की इस घोषणा से एशिया के सबसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता बाजार में अपनी सप्लाई चेन को मजबूत करने और ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूती मिली है। बॉल बेवरेज पैकेजिंग ईएमईए एंड एशिया के प्रेसिडेंट मैंडी ग्ल्यू ने एक बयान में कहा कि भारत हमारी वैश्विक रणनीति का प्रमुख केंद्र है। यह निवेश उच्च विकास वाले बाजारों में परिचालन विस्तार और लंबी अवधि में प्रतिस्पर्धा में आगे बने रहने की हमारी केंद्रित रणनीति (फोकस्ड एप्रोच) को दर्शाता है। तालोजा और श्री सिटी में अपने विस्तार की दिशा में आगे बढ़ते हुए हम भारतीय बाजार में विकास के लिए निवेश की अन्य संभावनाओं पर भी काम कर रहे हैं, क्योंकि ज्यादा से ज्यादा ब्रांड एवं उपभोक्ता एल्युमीनियम पैकेजिंग का विकल्प चुन रहे हैं।

भारत मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला शुरू, 19 नवंबर से जा सकेंगे आम लोग

नई दिल्ली। दिल्ली के भारत मंडपम में 44वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला शुरू हो गया। मेले उद्घाटन केंद्रीय वाणिज्य एवं व्यापार राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने किया। हर साल 14 नवंबर से शुरू होने वाले इस मेले में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ विदेशों से भी व्यापारी आये हुए हैं। पहले पांच दिन व्यापारियों और थोक खरीददारों के लिए है जबकि आम लोग 19 से 27 नवंबर तक जा सकेंगे। पहले पांच दिन मेले में प्रवेश के लिए वयस्कों के लिए टिकट की दर 150 रुपये और बच्चों के लिए 60 रुपये रखी गयी है। वहीं, 19 नवंबर से 27 नवंबर तक वयस्कों के लिए टिकट 80 रुपये और बच्चों के लिए 40 रुपये का होगा। वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांगजन के लिए टिकट की आवश्यकता नहीं है। ऐसे लोग वैध पहचान पत्र के साथ निःशुल्क प्रवेश कर सकते हैं। मेले का थीम है - 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत '। इसमें 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और 12 देशों के कारोबारी और कंपनियां हिस्सा ले रही हैं।

इंडिगो, अकासा एयर 25 दिसंबर से नवी मुंबई हवाई अड्डे से उड़ानें शुरू करेंगी

एजेंसी

मुंबई। बजट एयरलाइन इंडिगो और अकासा एयर 25 दिसंबर से नवनिर्मित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपने उड़ानों का संचालन शुरू करेगी। एयरलाइन ने शनिवार को एक बयान में कहा कि वह 25 दिसंबर से नवनिर्मित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 10 शहरों के लिए घरेलू हवाई सेवाओं के साथ उड़ान संचालन शुरू करेगी।

इसके तहत घरेलू हवाई सेवाओं के जरिये 10 शहरों को जोड़ा जाएगा। वहीं, अकासा एयर ने कहा कि वह 25 दिसंबर से चरणबद्ध तरीके से नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से परिचालन शुरू करेगी। इंडिगो ने कहा कि वह 25 दिसंबर से भविष्य के लिए तैयार एयरपोर्ट को दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ, उत्तरी गोवा (मोपा), जयपुर, नागपुर, कोचीन

और मंगलुरु सहित भारत के 10 शहरों से जोड़ेगा। कंपनी ने कहा कि वह मुंबई महानगर क्षेत्र के दूसरे हवाई अड्डे से अपने परिचालन का विस्तार करने की योजना बना रही है। इसमें समय के साथ और अधिक गंतव्यों को जोड़ा जाएगा। एयरलाइन ने कहा कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को मौजूदा मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पूरक के रूप में डिजाइन किया गया है तथा यह भारत की वित्तीय राजधानी से हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। रणनीतिक रूप से स्थित एनएमआईए से क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और पश्चिमी भारत में आर्थिक विकास को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि 1,160 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के पहले चरण में एक टर्मिनल और एक रनवे होगा, जिसकी वार्षिक यात्री क्षमता 2 करोड़ होगी। इस हवाई अड्डे के पहले चरण का निर्माण 19,650 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। इस सुविधा का उद्घाटन इस वर्ष 8 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था।

रुपया पांच पैसे मजबूत

एजेंसी

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 4.75 पैसे की मजबूती के साथ 88.66 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले लगातार दो कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा कमजोर हुई थी। यह 8.25 पैसे टूटकर

88.7075 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया आज करीब एक पैसे की बढ़त में 88.70 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और पूरे दिन सीमित दायरे में रहा। यह नीचे 88.7575 रुपये प्रति डॉलर और ऊपर 88.66 रुपये प्रति डॉलर तक गया। घरेलू शेयर बाजारों की तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में लिवाली से रुपये को मजबूती मिली है। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर में रही नरमी से भी रुपये को बल मिला। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में रही तेजी ने रुपये की बढ़त को सीमित रखने का काम किया।

फ्लिपकार्ट ने 1,000 रुपये से कम मूल्य के उत्पादों के लिए लॉन्च किया जीरो कमीशन मॉडल

एजेंसी

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फ्लिपकार्ट ने 1,000 रुपये से कम कीमत वाले सभी उत्पादों के लिए शून्य कमीशन मॉडल पेश किया है। इसके साथ ही कंपनी ने अपने सेलर रेट कार्ड में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। यह नया मॉडल फ्लिपकार्ट के किफायती दामों पर सामान उपलब्ध कराने वाले मंच शॉप्सी पर भी लागू किया गया है। अब शॉप्सी पर सभी उत्पादों पर, चाहे कीमत कुछ भी हो, कमीशन नहीं लगेगा। इस नई व्यवस्था के तहत 1,000 रुपये से कम मूल्य वाले उत्पाद सूचीबद्ध करने वाले सभी योग्य विक्रेताओं से कमीशन शुल्क नहीं लिया जाएगा। कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस. चौधरी ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 30 फीसदी योगदान देता है और फ्लिपकार्ट का उद्देश्य इस क्षेत्र का समर्थन करना, बाधाओं को दूर करना और अधिक क्षेत्रीय व उभरते ब्रांडों को डिजिटल अर्थव्यवस्था में भरोसे के साथ प्रवेश करने में सक्षम बनाना है। फ्लिपकार्ट के रेट कार्ड में रणनीतिक बदलाव से फ्लिपकार्ट के हाइपरवैल्यू प्लेटफॉर्म शॉप्सी पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। शॉप्सी पर सभी उत्पादों पर जीरो कमीशन

मॉडल लागू किया गया है, चाहे उत्पाद की कीमत कुछ भी हो। इससे हाइपरवैल्यू सेगमेंट को लक्ष्य बनाकर काम करने वाले सेलर्स की स्थिति मजबूत होगी और ग्राहकों के लिए उत्पाद ज्यादा किफायती बनेंगे। कंपनी ने कहा कि सेलर डैशबोर्ड और सर्विस टचपॉइंट्स के माध्यम से उचित मार्गदर्शन के साथ शुरू की गई इस पहल से सेलर्स के लिए इनका लाभ लेना आसान होगा। इन बदलावों से सभी को बराबरी का मौका देने, परिचालन में पारदर्शिता लाने, सतत विकास को बढ़ावा देने, एमएसएमई को सशक्त करने और भारत के समावेशी डिजिटल रिटेल ट्रांसफॉर्मेशन को गति देने की फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता को मजबूती मिली है।

जी. किशन रेड्डी ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में खान मंत्रालय के पैवेलियन का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने नई दिल्ली में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में भारत मंडपम के हॉल संख्या-5 में खान मंत्रालय के पैवेलियन का उद्घाटन किया। समारोह की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सामूहिक गायन हुआ।

इस कार्यक्रम में खान मंत्रालय के सचिव, वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग प्रतिनिधि और आगंतुक उपस्थित थे। मंत्रालय के मुताबिक पैवेलियन में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीपीएसई)-नाल्को, एचसीएल, जीएसआई, एमईसीएल, जेएनएआरडीसी, एनआईआरएम - के साथ-साथ हिंडाल्को, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) जैसे साझेदार और एनएफटीडीसी जैसे संस्थान सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं। रेड्डी ने मंडप का अवलोकन किया और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के साथ बातचीत की। साथ ही उन?होंने वर्चुअल रियलिटी (वीआर) क्षेत्र का अवलोकन किया और मंत्रालय एवं उससे संबद्ध संगठनों द्वारा स्थापित प्रदर्शनों का अवलोकन किया। उन्होंने देखा कि कैसे प्रत्येक संस्थान देश के खनिज पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करने के लिए नई तकनीकों, टिकाऊ खनन समाधानों और नवाचार-संचालित पद्धतियों का लाभ उठा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने मंडप का दौरा करने के बाद मंत्रालय के व्यापक प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह मंडप खनन क्षेत्र के जिम्मेदार, प्रौद्योगिकी-सक्षम और सतत विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को प्रभावी ढंग से दर्शाता है। यह राष्ट्रीय विकास के लिए भारत के खनिज संसाधनों के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करता है। इस मंडप की मुख्य विशेषताएं राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन, सतत खनन पद्धतियों, उन्नत अन्वेषण तकनीकों और खनिजों एवं धातुओं के क्षेत्र में भारत के भविष्य को आकार देने वाले नवाचारों पर केंद्रित हैं। आगंतुक इमर्सिव वीआर-आधारित खनन सिमुलेशन, डिजिटल खनन तकनीकों और इंटरैक्टिव ज्ञान क्षेत्रों का अनुभव कर सकते हैं। खान मंत्रालय ने कहा कि छात्रों और युवा आगंतुकों के लिए मंडप में परस्पर संवादात्मक प्रश्नोत्तरी, शिक्षण मॉड्यूल और महत्वपूर्ण खनिजों, भूवैज्ञानिक अन्वेषण और स्थिरता-संचालित नवाचारों को समझाने वाले गतिशील प्रदर्शन किये जाएंगे। मंत्रालय ने मंडप का अवलोकन करने और आईआईटीएफ की इस समृद्ध यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है।

मामूली बढ़त के साथ हरे निशान बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 84 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव नतीजे और विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स 84 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी में 31 अंक की तेजी रही। शेयर बाजार दिनभर के उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच शुरुआती गिरावट से उबर कर मामूली बढ़त के साथ बंद होने में कामयाब रहा। बॉम?बे स?टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 84.11 अंक यानी 0.100 फीसदी उछल कर 84,562.78 पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 30.90 अंक यानी 0.12 फीसदी बढ़ कर 25,910.05 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले कारोबार की शुरुआत में 30 शेयरों वाला बीएसई का सेंसेक्स 449.35 अंक यानी 0.53 फीसदी की गिरावट के साथ 84,029.32 के स्तर पर खुला, जबकि एनएसई

का निफ्टी 138.35 अंक यानी 0.53 फीसदी फिसल कर 25,740.80 पर खुला था। हालांकि, दोनों प्रमुख सूचकांकों ने बाद में सुधार दर्ज किया और लगातार चौथे दिन बढ़त के साथ शेयर बाजार बंद हुआ। कारोबार के दौरान निवेशकों ने निचले स्तर पर प्रमुख कंपनियों के शेयरों में खरीदारी की, जिससे बाजार बढ़त में रहा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इटर्नल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, ट्रेंट, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, सन फार्मास्युटिकल्स, एशियन पेंट्स, अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, पावरग्रिड और बजाज फिनसर्व के शेयरों बढ़ कर बंद हुए। वहीं, इंफोसिस, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी इंडिया और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर नुकसान में बंद हुए।

एक दिन पहले उतार-चढ़ाव के कारोबार के बीच सेंसेक्स 12.16 अंक यानी 0.014 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 84,478.67 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी 3.35 अंक यानी 0.013 फीसदी बढ़ कर 25,879.15 के स्तर पर बंद होने में कामयाब रहा था।

आइटेल ने पेश किया 128 जीबी स्टोरेज वैरिएंट के साथ ए90 लिमिटेड एडिशन स्मार्टफोन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी ब्रांड आइटेल ने अपने लोकप्रिय ए90 लिमिटेड एडिशन का नया 128जीबी स्टोरेज वाला वेरिएंट पेश किया है। कंपनी ने बताया कि यह स्मार्टफोन भारतीय उपभोक्ताओं के लिए 'पावर और प्राइस' का आदर्श संतुलन प्रस्तुत करता है। आइटेल ए90 लिमिटेड एडिशन को धूल, पानी और गिरने से सुरक्षित बताते हुए पेश किया गया है। डिवाइस को आईपी54 रेटिंग प्राप्त है। ए90 लिमिटेड एडिशन की कीमत 7,299 रुपये रखी गयी है। यह रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, आइटेल इस मॉडल पर 100 दिन के भीतर निःशुल्क स्क्रीन बदलने की सुविधा भी प्रदान कर रहा है। इसमें 128जीबी इंटरनल स्टोरेज है। इसका रैम 12जीबी (4जीबी 8जीबी) है। इसमें 6.6 इंच का 90 हर्ट्ज वाला एचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है जो डीटीएस साउंड टेक्नोलॉजी से लैस है। इसमें 13 मेगा पिक्सल का रियर कैमरा है।

सीबीआईसी के अध्यक्ष ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में 'जीएसटी एवं सीमा शुल्क मंडप' का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में 44वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में जीएसटी एवं सीमा शुल्क पैवेलियन का उद्घाटन किया। इस पैवेलियन का विषय नेक्स्ट-जेन जीएसटीः सरल कर, समृद्ध राष्ट्र है। मेले की पूरी अवधि में यह पैवेलियन खुला रहेगा, जिससे आगंतुकों को अप्रत्यक्ष कराधान के उभरते परिदृश्य का अनुभव करने का एक अनूठा अवसर प्राप्त होगा।

इस अवसर पर संजय कुमार अग्रवाल ने जीएसटी एवं सीमा शुल्क प्रशासन की डिजिटलीकरण, पारदर्शिता एवं 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की दिशा में परिवर्तनकारी यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नेक्स्ट-जेन जीएसटी सुधार संरचनात्मक सुधार, दरों का तर्कसंगत पुनरीक्षण एवं ईज ऑफ लिविंग तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित हैं। इसका उद्देश्य आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं को जनता के लिए ज्यादा वहनीय बनाना है, जबकि कर प्रक्रियाओं को करदाताओं एवं व्यवसायों दोनों के लिए सरल, तेज एवं ज्यादा सुलभ बनाना है।उन्होंने आगे कहा कि इस मंडप को जीएसटी बचत उत्सव के अंतर्गत इन सुधारों को प्रभावी रूप से फैलाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे आगंतुकों को लाभों को समझने एवं नई पहलों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली अधिकतम बचत एवं राहत का लाभ उठाने में मदद मिलेगी। सीबीआईसी अध्यक्ष ने आगंतुकों को अनधिकृत व्यक्तियों के साथ अपनी पहचान दस्तावेजों को साझा करने से बचने, जीएसटी या सीमा शुल्क के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी का शिकार होने से बचने के लिए सतर्क रहने का आग्रह किया। मंत्रालय ने कहा कि जीएसटी एवं सीमा शुल्क मंडप करदाताओं, उद्योग प्रतिनिधियों, छात्रों एवं आम लोगों के लिए सीबीआईसी की नवीनतम पहलों से जुड़ने के लिए एक संवादात्मक मंच के रूप में कार्य करता है। इस मंडप को हाल ही में जीएसटी एवं सीमा शुल्क के अंतर्गत किए गए जनहित एवं उद्योग-हितैषी सुधारों पर जागरूकता फैलाने तथा करदाताओं की सुविधा एवं सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। साइट पर सहायता के लिए हेल्पडेस्कः इस मंडप में आठ समर्पित हेल्पडेस्क हैं, जहां जीएसटी, सीमा शुल्क, जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन), आइसगेट और सीपीजीआरएएमएस के विशेषज्ञ तैनात हैं। ये हेल्पडेस्क आगंतुकों को पंजीकरण, रिफंड, रिटर्न दाखिल करने, शिकायत निवारण एवं आयात-निर्यात संबंधी प्रक्रियाओं पर रियल टाइम सहायता प्रदान करते हैं। आगंतुक उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर सकते हैं, अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं और कर अनुपालन के सर्वोत्तम तरीकों की जानकारी ले सकते हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.7 अरब डॉलर घटकर 687 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। पिछले कुछ हफ्तों से विदेशी मद्रा भंडार में गिरावट का सिलसिला जारी है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7 नवंबर को समाप्त हफ्ते में 2.69 अरब डॉलर घटकर 687.03 अरब डॉलर रहा।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 7 नवंबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 687.03 अरब डॉलर रह गया है। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 5.62 अरब डॉलर घटकर 689.73 अरब डॉलर रह गया था। आंकड़ों के अनुसार 7 नवंबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.45 अरब डॉलर घटकर 562.14 अरब डॉलर रह गई।

आरबीआई ने बताया कि इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 19.5 करोड़ डॉलर घटकर 101.53 अरब डॉलर रहा। इसके अलावा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 5.1 करोड़ डॉलर घटकर 18.59 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 4.77 अरब डॉलर पर अपरिवर्तित बना रहा।

एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज का आईपीओ 19 नवंबर को खुलेगा

एजेंसी

अहमदाबाद। एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 19 नवंबर को खुलेगा। कंपनी की ओर से यहां जारी बयान में कहा इसका आईपीओ बुधवार को खुलेगा। एंकर निवेशक बोली लगाने की तिथि बोली/प्रस्ताव खुलने की तिथि से एक कार्य

दिवस पहले, मंगलवार है। बोली/प्रस्ताव की समाप्ति तिथि है। प्रस्ताव का प्राइस बैंड 10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए 114 से 120 रुपये तक निर्धारित किया गया है। न्यूनतम 125 इक्विटी शेयरों के लिए बोलियां लगायी जा सकती हैं और उसके बाद 125 इक्विटी शेयरों के गुणजों के लिए बोलियां लगाई जा सकती हैं, जिनका अंकित मूल्य 10 रुपये प्रति शेयर है। आरंभिक सार्वजनिक पेशकश में 180 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम और पेदांता टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 320 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है।

जितिन प्रसाद ने 44वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित भारतीय संस्कृति, व्यापार, नवाचार और वैश्विक सहभागिता के अद्वितीय मंच 44वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 'आईआईटीएफ-2025' का उद्घाटन किया। जितिन प्रसाद ने आईआईटीएफ-2025 उद्घाटन समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते कहा कि भारत मंडपम में अयोजित यह कार्यक्रम बताता है कि भारत का दुनिया में डंका बज रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश आज उद्योग-अनुकूल नीतियों, सुदृढ़ शासन, समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों और विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के बल पर विश्व के सर्वाधिक आशाजनक निवेश स्थलों में से एक के रूप में उभर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग ने कहा कि इसी कारण से इस बार का आईआईटीएफ पहले से अधिक विस्तृत और बेहतर हुआ है, जहां संपूर्ण विश्व के प्रतिभागी अपने उत्तम उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन?होंने कहा कि यहां एमएसएमई की प्रदर्शनी देखने को मिलेगी...और लोगों से जुड़ाव भी ये सभी इस मेले में देखने को मिलेगा। प्रसाद ने

कहा कि सेमी कंडक्टर जैसे भारत की ट्रेड स्टोरी भी है। उन्होंने कहा कि एक छोटा व्यापारी हो या बड़ा।

उन्होंने कहा कि आप सभी से इस भारत श्रेष्ठ भारत यही दर्शाता है कि सभी लोगों को साथ लेकर चलना है...चाहे वह उत्सव का हिस्सा बनने का आग्रह है। जितिन प्रसाद ने कहा कि पहली बार गूगल नेविगेशन लॉजिस्टिक्स और विभिन्न स्टालों के भारत मंडपम ऐप जैसी ग्राउंड प्रस्तुति ने हमारे व्यापार के लिए अनुभव को मूड और उत्पादक बनाने के लिए काम किया है, यह समझते हुए कि व्यापार मेला भी केवल वाणिज्यिक यात्रा नोट बनाता है। आइए मिलकर अपने देश की समृद्धि और विविधता का जश्न मनाएं। इससे पहले भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार नितिन कुमार यादव ने कहा कि नए भारत के आत्मविश्वास और क्षमता ने जी-20 बैठकों, प्रधानमंत्रियों के कार्यक्रमों, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, विशेष एवं औपचारिक आयोजनों, फैशन शो और व्यापक उत्पाद लॉन्च का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। यह भारत के निर्माण का एक जीवंत और विविधतापूर्ण चित्रण है। इसमें 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ-साथ भारत सहित विभिन्न देशों की विदेशी भागीदारी भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि इस मेले का आयोजन भारत व्यापार संवर्धन संगठन द्वारा किया गया है। इसके आयोजन में इस साल के भागीदार राज्य उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और बिहार हैं। इस बार झारखंड 'फोकस स्टेट' है। इसके अलावा राज्य दिवस समारोह, सम्मेलन, कार्यशालाएं, सेमिनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किए जाएंगे। आईआईटीएफ-2025 14-18 नवंबर तक है, जबकि सामान्य दिनों के लिए भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 19-27 नवंबर तक चलेगा, जिसका समयः सुबह 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक (आम जनता के लिए) है।

यूके ने ग्लोबल हेल्थ फंड में की 15 फीसदी कटौती, स्वास्थ्य संगठन बोले- अफ्रीकी देशों पर पड़ेगा असर

एजेंसी

यूके। यूके ने ग्लोबल हेल्थ फंड में 15 फीसदी कटौती करने के फैसले ने दुनिया के कई प्रमुख स्वास्थ्य संगठनों को चिंता में डाल दिया है। 'ग्लोबल फंड', 'यूएनएड्स', 'डब्ल्यूएचओ' (विश्व स्वास्थ्य संगठन), 'एमएसएफ' और 'मलेरिया नो मोर यूके' जैसे संगठनों ने साफ कहा है कि इस कदम का सबसे ज्यादा नुकसान अफ्रीकी देशों को होगा, जहां पहले से ही संसाधन सीमित हैं और बड़ी आबादी एचआईवी, टीबी और मलेरिया जैसी बीमारियों से जूझ रही है। यूके पहले ग्लोबल फंड में लगभग 1 अरब पाउंड स्टर्लिंग का योगदान करता था, लेकिन अब यह घटकर 850 मिलियन पाउंड स्टर्लिंग रह गया है। ग्लोबल फंड ने कहा कि यह कटौती अफ्रीका के लिए 'सीधा झटका' है, क्योंकि इन बीमारियों से लड़ने के लिए सबसे ज्यादा निर्भरता इसी फंड पर है। यूएनएड्स ने चेतावनी दी कि इससे कई देशों में एचआईवी रोकथाम कार्यक्रम धीमे पड़ जाएंगे और कई लोग समय पर दवा न मिलने की वजह से खतरे में आ सकते हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि अफ्रीका जैसे महाद्वीप, जहां स्वास्थ्य ढांचा पहले ही कमजोर है, वहां यह कटौती 'जिंदगियों की कीमत' पर पड़ेगी। अक्टूबर में प्रकाशित एक शोध के अनुसार ग्लोबल फंड में 20 फीसदी की कटौती से 2040 तक अकेले मलेरिया से 3,30,000 अतिरिक्त मौतें होंगी। यह कोष मलेरिया के लिए 59 फीसदी अंतर्राष्ट्रीय फंड प्रदान करता है।

जमैका में मेलिसा तूफान से हुई तबाही के बाद भारत ने बढ़ाया मदद का हाथ, भेजी राहत सामग्री

किंग्स्टन । जमैका में मेलिसा तूफान की वजह से हुई भारी तबाही से उबरने के लिए भारत ने मदद का हाथ आगे बढ़ाया। इसके साथ ही किंग्स्टन में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने कैरेबियाई राष्ट्र के सेंट एलिजाबेथ पैरिश में प्रभावित समुदायों का दौरा किया। जमैका के साथ भारत ने एकजुटता की पुष्टि की। किंग्स्टन स्थित भारतीय उच्चायोग ने तत्काल राहत के लिए भारतीय समुदाय की ओर से किए गए प्रयासों की सराहना की। भारतीय समुदाय ने 32 लाख डॉलर से अधिक की राशि जुटाई और सेंट एलिजाबेथ, वेस्टमोरलैंड और ब्लैक रिवर के प्रभावित परिवारों के लिए 550 केयर पैकेज, स्टोव, कपड़े, बैग और स्वच्छता किट आदि तैयार किए और वितरित किए। किंग्स्टन स्थित भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'भारत राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण प्रयासों में जमैका के साथ एकजुटता में खड़ा है। भारतीय समुदाय द्वारा दिखाई गई करुणा और एकजुटता 'वसुधैव कुटुम्बकम,' यानी दुनिया एक परिवार है, के भारतीय दर्शन को दर्शाती है। ' मेलिसा तूफान से हुई तबाही के बाद राहत के लिए मदद कर रही भारतीय समुदाय की टीम में जमैका में भारतीय उच्चायुक्त मयंक जोशी और जमैका के कृषि, मत्स्य पालन एवं खनन मंत्री फ्लॉयड ग्रीन भी शामिल हुए। इसका नेतृत्व गुल मनसुखानी ने किया।

तालिबान के खिलाफ प्रतिबंधों को लेकर भारत ने पाकिस्तान की लगाई क्लास, सुरक्षा परिषद समिति की अध्यक्षता को लेकर घेरा

संयुक्त राष्ट्र । भारत ने तालिबान के खिलाफ प्रतिबंधों पर सुरक्षा परिषद की समिति का नेतृत्व करने और आतंकवाद विरोधी पैनल की सह-अध्यक्षता करने वाले पाकिस्तान की जमकर आलोचना की। पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने परिषद की कार्यप्रणाली पर हुई बहस में कहा कि परिषद के सदस्यों को निहित स्वार्थ वाली समितियों की अध्यक्षता करने से रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिषद में हितों के टकराव के लिए कोई जगह नहीं हो सकती है। बता दें, पाकिस्तान परिषद का दो साल का निर्वाचित सदस्य है। पी. हरीश ने पाकिस्तान या तालिबान प्रतिबंध समिति या आतंकवाद-रोधी समिति का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा। बता दें, समिति के गठन के प्रस्ताव के क्रमांक के आधार पर इसे 1988 समिति के रूप में जाना जाता है। इस समिति के पास तालिबान सदस्यों की यात्रा पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार है। इसी समिति की वजह से अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की भारत यात्रा में देरी हुई थी। गौरतलब है कि फिलहाल पाकिस्तान तालिबान के नेतृत्व वाले अफगानिस्तान के साथ संघर्ष में उलझा हुआ है। सीमा पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच झड़पें हुई हैं।

भारत, पैराग्वे ने पहली संयुक्त आयोग बैठक की, द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने पर हुई चर्चा

असुनसियन । भारत और पैराग्वे ने पैराग्वे की राजधानी असुनसियन में संयुक्त आयोग तंत्र (जेसीएम) की पहली बैठक आयोजित की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बताया कि बैठक की सह-अध्यक्षता पराग्वे सरकार की ओर से वहां के उप विदेश मंत्री, राजदूत विक्टर वर्दुन और भारत की ओर से विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) पेरियासामी कुमारन ने की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पलासियोस की हालिया भारत राजकीय यात्रा से प्रेरित द्विपक्षीय संबंधों में आई नई गतिशीलता पर प्रकाश डाला। राष्ट्रपति पेना का ये दौरा राजनीतिक संवाद को मजबूत करने और साझा हितों के विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

चीन के यात्रा परामर्श पर जापान को कड़ा एतराज

एजेंसी

टोक्यो। जापान ने चीन द्वारा अपने नागरिकों को जापान ना जाने संबंध में जारी परामर्श पर गहरी आपत्ति व्यक्त की है और चीन सरकार से इस पर पुनर्विचार करने को कहा है। जापान के मुख्य मंत्रिमंडल सचिव मिनोरू किहरा ने शनिवार को यहां कहा कि जापान ने चीन को संदेश भेजा है और 'उचित कदम उठाने' के लिए अनुरोध किया है।

किहरा ने कहा, 'हमने चीन को संदेश दिया है और उनसे उचित कार्रवाइयों के लिए दृढ़ता से अनुरोध किया है।' हालांकि उन्होंने इस मुद्दे पर विस्तार से टिप्पणी नहीं की, लेकिन जोर दिया कि दोनों देशों के बीच मतभेद हैं जिसके लिए संवाद बनाए रखना आवश्यक है। चीन ने यह परामर्श जापानी प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के उस हालिया बयान के बाद जारी किया है, जिसमे उन्होंने ताइवान पर

संभावित चीनी हमले को 'अस्तित्व के लिए खतरा' करार दिया था। ताकाइची ने पिछले सप्ताह कहा था कि ताइवान पर चीनी हमला 'जीवन-भर के खतरे' के समान होगा, जो जापान को सैन्य प्रतिक्रिया के लिए प्रेरित कर सकता है। यह बयान जापान की पारंपरिक रणनीतिक नीति से अलग है, जो अमेरिका के साथ जुड़ी है और ताइवान का सार्वजनिक उल्लेख से बचती रही है। चीन ताइवान को अपना अभिन्न अंग मानता है और द्वीप पर नियंत्रण के लिए बल प्रयोग की संभावना से इनकार नहीं करता। ताइवान जापान के तट से मात्र 110 किलोमीटर दूर स्थित है, और ताइवानी सरकार चीन के दावों को खारिज करती रही है।

चीन के साथ रिश्तों में यह तनातनी इसलिए भी उपजी है क्योंकि जापान और अमेरिका ताइवान को समर्थन देते हैं। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चीन का यात्रा परामर्शआर्थिक दबाव का माध्यम हो सकता है, क्योंकि जापान चीनी पर्यटकों पर निर्भर है। इस बीच जापान ने बातचीत की वकालत की है, लेकिन यदि चीन ने परामर्श वापस नहीं लिया तो द्विपक्षीय संबंध और खराब हो सकते हैं। हालांकि इस समय अमेरिका ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी है, लेकिन यह तनाव एशियाई शांति को प्रभावित कर सकता है।

रूस का कीव पर 'बड़ा' हमलाः 4 की मौत, 26 घायल

एजेंसी

कीव। रूस के तड़के यूक्रेन की राजधानी कीव पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल से किए गए हमलों में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई और 26 से अधिक घायल हो गए। राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने इसे ' दुश्मन का एक बड़ा भारी हमला' करार देते हुए कहा है कि हमले में आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं हैं। हालांकि कई मिसाइलें मार गिराई गई हैं। मीडिया खबरों के अनुसार, हमलों में शहर के कई जिलों में इमारते ध्वस्त हुई हैं जिसके कारण कम से कम चार लोगों के मारे जाने की खबर है।हमलों में घायल कम से कम 27 लोगों को अपातकालीन चिकित्सा के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इस बीच राष्ट्रपति जेलेंस्की के मुताबिक समूचे देश पर कम से कम 430 ड्रोनों और 18 मिसाइलों से हमला किया गया जिसका प्रमुख निशाना राजधानी कीव थी। उन्होंने टेलीग्राम पर अपने एक संदेश मेंकहा , यह एक बेहद नपातुला आक्रमण था जों लोगों और आम नागरिकों को अधिकतम नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि हमले में अजरबैजान के दूतावास को क्षति पहुंची है। कीव के मेयर विटाली क्लित्स्को ने बताया कि शहर के बीचोबीच विस्फोट हुए , और एक गर्भवती महिला सहित कई नागरिक घायल हुए। बचाव दल मलबे हटाने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुटे हैं। हमलों के कारण णाहर में बिजली और पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है।यह हमला रूस-यूक्रेन संघर्ष के 1000वें दिन के करीब आया, जहां यूक्रेन संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। उधर यूक्रेनी वायु सेना ने दावा किया कि कई रूसी ड्रोन मार गिराए गए हैं, लेकिन कीव में नागरिक क्षेत्र निशाना बने हैं।

बांग्लादेश में अवैध वीओआईपी केंद्र पर छापा, दो चीनी नागरिक समेत तीन गिरफ्तार

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में रामगढ़ थाना पुलिस ने दूरसंचार नियामक प्राधिकरण के प्रवर्तन अधिकारियों के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध वायस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल (वीओआईपी) संचालन का भंडाफोड़ किया। इसमें दो चीनी नागरिकों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर 14 नवम्बर की रात लगभग 8:45 बजे रामगढ़ नगर के वार्ड संख्या चार स्थित खान कॉम्प्लेक्स के चौथे तल पर बने एक कमरे में यह छापेमारी की गई। एक बयान में बताया गया है अधिकारियों को मौके पर सीम बॉक्स और कई नेटवर्क उपकरणों के माध्यम से संचालित अवैध कॉल रूटिंग केंद्र के स्पष्ट प्रमाण मिले। इस दौरान दो चीनी नागरिकों सहित तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए विदेशी नागरिकों में जियांग छेंगतोंग (33 वर्ष, पासपोर्ट संख्या श्च1378738) तथा तांग तोंगवु (32 वर्ष, पासपोर्ट संख्या

EHw768724) शामिल हैं। दोनों वर्तमान में चटगांव शहर के उत्तर खुलशी क्षेत्र में रह रहे थे। ये दोनों चीन के रहने वाले हैं। तीसरा आरोपित मो. आसिफ उद्दीन (25 वर्ष), चटगांव के फकीराखली का रहने वाला है। छापेमारी के दौरान 31 पोर्ट वाले पांच सीम बॉक्स, 256 पोर्ट वाला एक सीम बॉक्स, छह मल्टी सर्विस राउटर पैनल, छह पावर पैनल, एक एनवीआर, एक पीओई स्विच, एक ओएनयू, एक वाईफाई राउटर, विभिन्न एंटिना, केबल और अन्य तकनीकी सामग्री बरामद की गई। अधिकारियों के अनुसार, इन उपकरणों का उपयोग अंतरराष्ट्रीय कॉल को अवैध रूप से स्थानीय नेटवर्क पर मोड़ने में किया जा रहा था, जिससे सरकारी राजस्व को भारी क्षति पहुंच रही थी। बाद में दूरसंचार प्रवर्तन निदेशालय के उप-सहायक निदेशक मोशर्रफ हुसैन की शिकायत पर 15 नवम्बर को संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। तीनों आरोपितों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद न्यायालय भेज दिया गया है।

संदिग्ध गतिविधि के आरोप में 4 चीनी नागरिक गिरफ्तार, सभी व्यावसायिक वीज़ा पर आए

एजेंसी

काठमांडू। व्यावसायिक वीज़ा पर नेपाल में रहते संदिग्ध गतिविधि संचालित करने के आरोप में चार चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। अध्यागमन विभाग के प्रवक्ता टीकाराम ढकाल के अनुसार, एक महिला तथा तीन पुरुषों को गिरफ्तार किया गया। उन्हें काठमांडू के सोह्रखुट्टे क्षेत्र से नियंत्रण में लिया गया। यह स्थान बड़ी संख्या में चीनी नागरिकों के रहने के कारण 'चाइनीज हाउजिंग' नाम से भी जाना जाता है। गिरफ्तार चीनी नागरिकों के पास व्यावसायिक वीज़ा होने के बावजूद वे अपने व्यवसाय, कंपनी के नाम और उससे संबंधित किसी भी जानकारी का विवरण प्रस्तुत करने में असमर्थ पाए गए। प्रारंभिक जाँच में यह खुलासा हुआ है कि ये लोग आर्थिक रूप से कमजोर नेपाली युवतियों को नौकरी का प्रलोभन देकर सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म टिकटक पर वीडियो बनाने के लिए प्रेरित करते थे तथा टिकटक के माध्यम से अन्य चीनी नागरिकों से मित्रता कर विवाह करवाने की

कोशिश करते थे। अध्यागमन विभाग ने जानकारी दी कि कुछ युवतियों को चीन ले जाकर विवाह कराने के बहाने चीन भी भेजा गया था। इसके अतिरिक्त, घर किराए पर लेकर नेपाली युवतियों को रखा जाता था और उन्हें विभिन्न देशों में ले जाया जाता था। नियंत्रण में लिए गए दो व्यक्तियों के बारे में यह भी पता चला है कि वे पिछले 10 वर्षों से नेपाल में पर्यटक, छात्र और व्यावसायिक वीज़ा पर रह रहे थे। वीज़ा जाँच के दौरान वे पासपोर्ट और वीज़ा प्रस्तुत करने में विफल रहे तथा अध्यागमन और सुरक्षा अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार भी किया।

नेपाल के अध्यागमन कानून के अनुसार, विदेशियों के प्रवेश, उपस्थिति और प्रस्थान से संबंधित कागजातों की जाँच किसी भी समय और स्थान पर की जा सकती है तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें हिरासत में लिया जा सकता है। अध्यागमन नियमावली के तहत विदेशी नागरिक जिस उद्देश्य के लिए वीज़ा प्राप्त करता है, उसके अतिरिक्त किसी अन्य गतिविधि में संलग्न नहीं हो सकता। अवैध रूप से नेपाल में रहने वाले ऐसे विदेशी नागरिकों पर जाँच उपरांत महानिदेशक द्वारा 50 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है तथा अवधि निर्धारित कर या बिना अवधि निर्धारित किए निष्कासन किया जा सकता है, जिससे उन्हें नेपाल में पुनः प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

पानी की कमी से जूझते किर्गिज़स्तान, ताजिकिस्तान में छाया 'ऊर्जा संकट'

एजेंसी

बिश्केक/ दुशान्बे। मध्य एशिया के दो पड़ोसी देशों, किर्गिज़स्तान और ताजिकिस्तान में सूखे और जलवायु परिवर्तन के कारण जल स्तर में आ रही भारी गिरावट के गंभीर ऊर्जा संकट पैदा हो गया है। दोनों देशों की अधिकांश बिजली की आपूर्ति जलविद्युत संयंत्रों पर निर्भर है, जो सोवियत काल में बने हैं, लेकिन अब जलाशयों में पानी की कमी से ये संयंत्र ठप हो रहे हैं।

स्थानीय मीडिया में एक रिपोर्ट में बताया गया कि ताजिकिस्तान के नुरेक बिजली संयत्र के जलाशय का जल स्तर पिछले एक साल में 2.47 मीटर (लगभग 8.1 फुट) गिर चुका है, जिसे ताजिक ऊर्जा एवं जल संसाधन मंत्रालय ने 'चिंताजनक' करार दिया है। सरकारी 'उपयोगिता' कंपनी ने पुष्टि की है कि नुरेक जलाशय का जल स्तर गिरने से बिजली उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक मध्य एशिया के प्रमुख जल स्रोत इन दोनों देशों की पहाड़ियों में बसे लगभग 20,000 हिमनद यानी ग्लेशियर हैं, लेकिन सूखे और हिमनदों के पिघलने की धीमी गति ने जल भराव की प्रक्रिया को बुरी तरह से प्रभावित किया है। सोवियत संघ के विघटन के बाद से दोनों देशों में जनसंख्या में भारी वृद्धि हुई है, जिससे पानी के 'नेटवर्क' पर दबाव बढ़ गया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक सर्दियों में बिजली कटौती की घटनाएं आम रही हैं, लेकिन अब साल भर ही यह संकट रहता है। बिजली संकट के कारण किर्गिज़स्तान में ऊर्जा संरक्षण के लिए कड़े उपाय लागू कर दिए गए हैं। रेस्तरां और होटलों को रात 10 बजे तक बंद करने का आदेश जारी किया गया है, जबकि सार्वजनिक स्थानों पर शाम 6 बजे के बाद लाइटें बंद रखने की सख्ती बरती जा रही है। वहीं, ताजिकिस्तान में अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बिजली के 'अनावश्यक' उपयोग को रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों को नौकरी से बर्खास्त किया जाएगा।

हालांकि इन कदमों से आम जनता का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। घरों में घंटों बिजली गुल रह रही है, उद्योग ठप पड़ रहे हैं और आर्थिक नुकसान बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जल स्तर और गिरा, तो संकट और गहरा सकता है। इस बीच ताजिक ऊर्जा एवं जल संसाधन मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, 'नुरेक जलाशय की स्थिति चिंताजनक है। पानी का गिरता स्तर पिछले साल की तुलना में असामान्य रूप से तेज है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि जल स्तर में 2.47 मीटर की कमी ने पनबिजली उत्पादन को 'सीमित' कर दिया है। किर्गिज़स्तान के अधिकारियों ने भी स्वीकार किया है कि मौजूदा बुनियादी ढांचा जनसंख्या वृद्धि और जलवायु परिवर्तन के दबाव को झेलने में असमर्थ साबित हो रहा है।

दोनों देश नवीन ऊर्जा संयत्रों के निर्माण के अलावा जल संसाधनों के बेहतर उपयोग और जन भंडारण सुनिश्चित करने पर जोर दे रहे हैं। नई परियोजनाओं के पूरा होने पर न केवल घरेलू जरूरतें पूरी होंगी, बल्कि बिजली का निर्यात भी पड़ोसी देशों, अफगानिस्तान और पाकिस्तान को किया जा सकेगा। हालांकि, जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों का निपटान किए बिना ये उपाय अस्थायी ही साबित होंगे।

नेपाल-चीन व्यापारिक नाकों पर कड़ाईः नेपाली व्यापारी परेशान

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-चीन व्यापारिक नाकों पर चीन की कड़ाई के कारण नेपाली कंटेनर समय पर नेपाल वापस न आ पाने के कारण नेपाली व्यवसायी परेशान हैं। एक नाका बंद होने और चीन से भी आने वाले कंटेनरों की संख्या में कमी आने की वजह से भी व्यापार प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रहा है। नेपाल के व्यवासियों ने यह शिकायत की है। उल्लेखनीय है कि गत जुलाई की बाढ़ के बाद से रसुवागढ़ी नाका पूर्ण रूप से बंद है, जबकि तातोपानी नाका को लंबे समय बाद संचालन में लाया गया है। मुस्तांग स्थित कोरला नाका खुलने के बावजूद, व्यापारी प्रमुख रूप से खाद्यान्न, वस्त्र, फलफूल सहित अन्य सामग्री रसुवागढ़ी व तातोपानी नाकों से ही आयात करते रहे हैं। कोरला नाका खुलने के साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का आयात भी शुरू हुआ है। व्यवसायियों का कहना है कि वर्तमान स्थिति में तातोपानी नाका से अपेक्षित संख्या में कंटेनर नेपाल नहीं आ पा रहे। उनके अनुसार रसुवागढ़ी नाका बंद होने के चलते तातोपानी नाका पर अत्यधिक भीड़भाड़ हो रही है, जिससे और समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। एक व्यापारी ने बताया कि पहले दो नाके चालू थे। एक दिन में एक नाके से 25-30 कंटेनर आते थे, यानी दोनों से मिलकर 60-70 कंटेनर आते थे। अब केवल एक नाका चलने के कारण भीड़ बढ़ी है और संभवतः इसी वजह से देरी हो रही है। आयात में देरी से परिवहन लागत और किराया भी बढ़ गया है। उधर, तातोपानी भंसार कार्यालय के अधिकारी एवं सूचना अधिकारी रमेश बहादुर शाह ने कहा कि हाल ही में चीन की ओर से बहुत कम संख्या में कंटेनर नेपाल में प्रवेश कर रहे हैं।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में पहला बड़ा रक्षा सौदा, ताइवान के लिए 33 करोड़ डालर का हथियार सौदा

एजेंसी

वाशिंगटन/ताइपे। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने ताइवान के लिए 33 करोड़ डालर के महत्वपूर्ण हथियार सौदे को मंजूरी दे दी। यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में पहला बड़ा रक्षा सौदा है। यह सौदा एफ-16 लड़ाकू जेट के लिए स्पेयर पार्ट्स, मरम्मत और सहायक उपकरणों से जुड़ा है, जो ताइवान की वायु रक्षा क्षमता को मजबूत करेगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह जानकारी दी। डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी (डीएससीए) के मुताबिक यह सौदा ताइवान की 'रक्षा स्वतंत्रता' को बढ़ावा देगा। यह अनुमोदन ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अक्टूबर 2025 में दक्षिण कोरिया में हुई मुलाकात के बाद आया है, जहां

व्यापार सौदे पर चर्चा हुई थी।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन के मुताबिक , 'यह सौदा ताइवान जलडमरूमध्य में क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करेगा।' ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने इसे 'महत्वपूर्ण कदम' बताते हुए कहा कि इससे एफ -16 ए/बी विमानों के रखरखाव की क्षमता में बढ़ोतरी होगी। हालांकि, चीन ने इस सौदे की कड़ी निंदा की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, 'यह सौदा चीन की संप्रभुता का घोर उल्लंघन है और इससे ताइवान जलडमरूमध्य में तनाव बढ़ेगा।

' चीन ने अमेरिका को चेतावनी दी कि यह 'एक चीन' नीति के विरुद्ध है। ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के तहत यह सौदा एशिया-प्रशांत में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने का प्रयास है। यह सौदा पिछले साल ताइवान के लिए मंजूर दो अरब डालर के एफ-16 विमानों की बिक्री के बाद आया है, जो ताइवान की वायुसेना को आधुनिक बनाएगा।

पाकिस्तानी संसद ने सेना प्रमुख को दीं अकूत शक्तियां

एजेंसी

इस्लामाबाद,। पाकिस्तान की संसद ने राष्ट्रपति के साथ-साथ वर्तमान सेना प्रमुख असीम मुनीर को आजीवन वैधानिक प्रतिरक्षा प्रदान करने वाले एक व्यापक संवैधानिक संशोधन को मंजूरी दे दी। हालांकि एक बड़े वर्ग ने पाकिस्तानी संसद के इस कदम को लोकतांत्रिक संप्रभुता और न्यायिक स्वतंत्रता को नष्ट करने वाला आत्मघाती फैसला बताया है।

राष्ट्रीय असेंबली में दो-तिहाई बहुमत से पारित 27वां संशोधन, जनरल असीम मुनीर को 'फील्ड मार्शल' की भूमिका के तहत असीम सैन्य शक्तियां प्रदान करता है और एक संघीय संवैधानिक न्यायालय की स्थापना करता है। यह संशोधन पाकिस्तान के सैन्य और न्यायिक ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा।विधेयक के तहत सेना प्रमुख को रक्षा बलों के प्रमुख 'चीफ आफ डिफेंस फोर्सेज' का पद दिया जाएगा जो पांच सितारा रैंक का होगा। वह और अन्य शीर्ष सैन्य अधिकारियों आजीवन वैधानिक सुरक्षा हासिल करेंगे। उन्हें अब पदों से हटाने के लिए संसद के दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार 27वें संशोधन के तहत, फील्ड मार्शल, वायु सेना के मार्शल, या बेड़े के एडमिरल में पदोन्नत कोई भी अधिकारी अब जीवन भर के लिए रैंक और विशेषाधिकार बनाए रखेगा, वर्दी में रहेगा और उसके पास आपराधिक कार्यवाही से प्रतिरक्षा रहेगी। इस तरह की सुरक्षा पहले केवल राष्ट्र के प्रमुख यानी राष्ट्रपति के लिए आरक्षित थी। इसके अलावा इसमें सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियों को सीमित करने का प्रावधान भी शामिल है, जिससे न्यायपालिका पर सैन्य प्रभाव बढ़ेगा। नेशनल असेंबली में इस विधेयक को मंगलवार को मंजूरी मिल गई थी जबकि सीनेट ने इसे ही स्वीकार किया।

हालांकि देश के कानूनविदों का कहना है कि यह संवैधानिक संशोधन अधिनायकवाद को बढ़ाएगा और देश में लोकतंत्र की जो भी छोटी सी झलक मौजूद थी, वह खत्म हो जाएगी। यह न केवल सेना की गतिविधियों पर लोकतांत्रिक अंकुश हटा देगा बल्कि यह सैन्य पदानुक्रम को भी पूरी तरह से नष्ट कर देगा जहां संयुक्त मुख्य प्रणाली के तहत सभी सेवा प्रमुखों को समान माना जाता था। विपक्षी दलों ने इसे तानाशाही की ओर कम बताते हुए संसद में हंगामा भी किया। हालांकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज के नेतृत्ववाली गठबंधन सरकार ने बहुमत का लाभ उठाते हुए इसे पारित करवाने में सफलता हासिल कर ली।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने न्यूयॉर्क में की भारत-अमेरिका संबंधों की समीक्षा, भारतीय राजदूतों से हुई मुलाकात

एजेंसी

वाशिंगटन । भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका में भारतीय महावाणिज्य दूतों के एक सम्मेलन की अध्यक्षता की। सम्मेलन में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय सहयोग और भारतीय प्रवासियों से जुड़ाव की समीक्षा के लिए देशभर के मिशनों के वरिष्ठ भारतीय राजनयिकों को बुलाया गया। शुक्रवार को न्यूयॉर्क में आयोजित इस बैठक में वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास के अलावा न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को, शिकागो, अटलांटा, ह्यूस्टन, बोस्टन, लॉस एंजिल्स और सिएटल स्थित वाणिज्य दूतावासों के वरिष्ठ राजनयिक शामिल हुए। बैठक को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लिखा, 'न्यूयॉर्क में महावाणिज्य दूतों के सम्मेलन की अध्यक्षता की। हमारे द्विपक्षीय संबंधों और प्रवासी गतिविधियों के लिए समर्थन की समीक्षा की। भारत-अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने के लिए हमारे दूतावास और वाणिज्य दूतावासों की प्रतिबद्धता और प्रयासों की सराहना करता हूं। ' इस बैठक में संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा भी शामिल हुए। इससे पहले भारत के विदेश मंत्री ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से वर्तमान वैश्विक स्थिति और बहुपक्षवाद पर व्यापक चर्चा की।

चीन-जापान में बढ़ती तनातनीः पीएम ताकाइची की ताइवान टिप्पणी पर गहराया विवाद, बीजिंग ने जारी की यात्रा-चेतावनी

एजेंसी

बीजिंग/टोक्यो। पूर्वी एशिया में सामरिक तनाव ने एक नया मोड़ लिया है। चीन ने जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची की हालिया टिप्पणी के बाद अपने नागरिकों को जापान की यात्रा से बचने की सलाह जारी कर दी है। ताकाइची ने कहा था कि ताइवान पर किसी संभावित संघर्ष की स्थिति में जापान 'सैनिकों की तैनाती पर विचार कर सकता है।' बीजिंग ने इस बयान को 'उकसावे वाला' और 'अत्यंत आपत्तिजनक' बताया है। इसके बाद दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है, और क्षेत्र में नई अस्थिरता की आशंका बढ़ गई है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि जापानी पीएम की यह टिप्पणी उचित नहीं है। बीजिंग ने दावा किया कि यह बयान एशिया-प्रशांत क्षेत्र की शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचाता है। इसके बाद चीन ने अपने नागरिकों से कहा कि वे जापान की यात्रा योजना पर पुनर्विचार करें, भीड़भाड़ वाले स्थानों से बचें, और सुरक्षा को प्राथमिकता दें। यह सलाह ऐसे वक्त आई है जब दोनों देशों के बीच व्यापार, तकनीक, और समुद्री सुरक्षा को लेकर पहले से ही कई मतभेद मौजूद हैं। दरअसल, 7 नवंबर को पीएम ताकाइची ने संसद में जो कहा उस पर ही क्रिया और प्रतिक्रिया का दौर जारी है। जापानी पीएम के बयान को लेकर ओसाका में चीनी महावाणिज्य दूत जू जियान ने एक 'अनुचित' (और अब हटा दी गई) ऑनलाइन पोस्ट की थी। इसके बाद चीन के राजदूत को तलब किया गया था। सोशल मीडिया पर अब हटाए जा चुके बयान में, जू ने 'उस गंदी गर्दन को (काटने)' के बारे में पोस्ट किया था, जो स्पष्ट रूप से ताकाइची के संदर्भ में था। जापान की सत्तारूढ़ पार्टी ने तब से एक प्रस्ताव पारित कर राजदूत को अवांछित व्यक्ति घोषित करने का आह्वान किया।

वहीं, बीजिंग इस बात पर बल देता आया है कि ताइवान उसका हिस्सा है और उसने नियंत्रण हासिल करने के लिए बल प्रयोग से इनकार नहीं किया है। चीन और जापान प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं, लेकिन क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता और सैन्य खर्च को लेकर ऐतिहासिक अविश्वास और टकराव अक्सर इन संबंधों की परीक्षा लेते हैं। एक रूढ़िवादी और चीन समर्थक ताकाइची ने पिछले महीने पदभार ग्रहण करने के बाद से अपनी बयानबाजी में नरमी बरती है, लेकिन पिछले हफ्ते उनकी टिप्पणी ने दोनों देशों के बीच मतभेद पैदा कर दिए हैं।

जापान ने इस चेतावनी को 'अनुचित और राजनीतिक रूप से प्रेरित' बताया है। टोक्यो का कहना है कि पीएम ताकाइची का बयान सिर्फ जापान की रक्षा रणनीति को समझाने के लिए था, जिसकी पृष्ठभूमि ताइवान स्ट्रेट में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियां हैं। जापान यह भी बार-बार कहता रहा है कि उसके लिए ताइवान स्ट्रेट की स्थिरता अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यहीं से उसकी व्यापारिक समुद्री लाइनें गुजरती हैं।

विवाद की तीव्रता इस बात से भी बढ़ी है कि जापान हाल के वर्षों में अमेरिका के साथ अपने सुरक्षा गठजोड़ को मजबूत कर रहा है, जबकि चीन इसे क्षेत्रीय 'घेराबंदी' के रूप में देखता है।

इस कूटनीतिक टकराव के बीच दोनों देशों ने अपने दूतावासों के माध्यम से आपसी आरोप-प्रत्यारोप भी तेज कर दिए हैं। चीन का कहना है कि जापान इतिहास और संधियों की अनदेखी कर ताइवान मामले में 'हस्तक्षेप' कर रहा है, जबकि जापान का आरोप है कि चीन 'तथ्य तोड़-मरोड़' कर स्थिति को गलत ढंग से पेश कर रहा है।

हालांकि संवाद के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से अमेरिका और आसियान देशों, ने दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। लेकिन स्पष्ट है कि ताइवान मुद्दा अब फिर से पूर्वी एशिया की राजनीति के केंद्र में आ गया है।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/15/2025 10:31 PM Page 2

आधुनिक कृषि प्रणाली

बेहतर बीजों का प्रयोग

उचित सिंचाई तथा रासायनिक खादों के प्रयोग से पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों की आपूर्ति, व

कीटनाशकों के प्रयोग से पौधों को लगने वाली बीमारियों व कीटाणुओं का नियंत्रण।

आधुनिक कृषि में ट्रैक्टर, कम्बाइन हार्वेस्टर व सिंचाई के लिये ट्यूबवेलों द्वारा आधुनिक जोताई (खेती) की विधियों का प्रयोग।

उच्च उत्पादकता वाले बीजों के माध्यम से खाद्य-उत्पादन में भारी वृद्धि को हरित क्रांति कहा गया है।

आधुनिक कृषि का मुख्य उद्देश्य अच्छी फसल के साथ-साथ वायु, जल, भूमि व मानवीय स्वास्थ्य का संरक्षण भी होना चाहिए।

आधुनिक कृषि प्रणाली ने समूचे देश में अनाज के उत्पादन की वृद्धि में भारी योगदान दिया है। आधुनिक कृषि प्रणाली के प्रयोग से देश अनाज के उत्पादन में पर्याप्तता प्राप्त कर सकता है। कृषि कार्य में उपयोगी आधुनिक विधियाँ हैं

⏩ हरित क्रांति क्या है

'हरित क्रांति' शब्द का अर्थ है नए पौधों की किस्मों के विकास द्वारा उत्पादन को कई गुना बढ़ाने के उपाय। उच्च उत्पादन वाली धान व गेहूँ की किस्में हरित क्रांति के मुख्य तत्व रहे हैं। मार्च 1968 में अमेरिकी अन्तरराष्ट्रीय विकास एजेंसी के संचालक विलियम गैंड ने पहली बार ''हरित क्रांति'' शब्दों का प्रयोग किया था। इस शब्द का प्रयोग नई तकनीकों द्वारा चावल, गैहूँ, मक्के और अन्य पौधों की कई गुना विकसित हुई उत्पादकता के संदर्भ में किया गया था। हालाँकि 'हरित क्रांति' नामक शब्दों का प्रयोग मुख्यत: गेहूँ और धान के संदर्भ में किया जाता है, परन्तु कुछ कृषि विशेषज्ञों ने मक्का, सोयाबीन व गन्ने जैसे उन अन्य अनाजों को भी इस श्रेणी में शामिल किया है, जिनके उत्पादन में, नई तकनीकों के प्रयोगों द्वारा, कई गुणा वृद्धि हुई है।

⏩ जिनके द्वारा हरित क्रांति संभव हुई है, वे इस प्रकार है

- फसलों के उच्च उत्पादकता वाले पौधों का प्रवेशन।

- बहु-कृषि (सम्मिलित रूप से पौधे उगाने की प्रक्रिया), बेहतर सिंचाई व पर्याप्त मात्रा में खादों की आपूर्ति।

- बीमारियों व कीटाणुओं के विरुद्ध पौधों के संरक्षण की विधियों का प्रयोग।

- वैज्ञानिक कृषि की तकनीकों का अनुसंधान व उनका खेतों से ग्रामीण कृषकों तक स्थानान्तरण।

- खेतों से बाजार तक फसल के यातायात की बेहतर व्यवस्था करना।

आधुनिक तकनीकों के प्रयोग द्वारा पौधों (विशेषकर अनाज) के उत्पादन में महत्त्वपूर्ण वृद्धि को हरित क्रांति नाम दिया गया है। उदाहरण के लिये, जब एक मेक्सिकन गेहूँ की किस्म (ऊँची उत्पादकता एवं अच्छी तरह सिंचाई किए हुए) का उतने ही अच्छे स्तर की भारत गेहूँ की किस्म (रोग की प्रतिरोधक क्षमता एवं अच्छी गुणवत्ता वाला अनाज) से आधुनिक तकनीक द्वारा संकरण किया गया तब एक उच्च उत्पादकता वाले और बीमारी से लड़ने में सक्षम गेहूँ की किस्म की उत्पत्ति हुई। कुछ मुख्य 'क्रांतिकारी' किस्मों के नाम हैं- 'कल्याण सोना', 'सोनालिका', और 'शर्बती सोनोरा' इत्यादि।

⏩ भारत में उच्च उत्पादन की किस्मों के प्रयोग का आरम्भ

कृषि के क्षेत्र में विकसित देशों के मुकाबले, हमारी औसत राष्ट्रीय उत्पादकता की दर केवल 800 किलो प्रति हेक्टेयर के स्तर की ही थी, जो कि विकसित देशों की तुलना में बहुत कम थी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्राक्तन डायरेक्टर जनरल एम एस स्वामीनाथन ने पौधों की उत्पादकता के ठहराव व पौधों के उत्पादन की अस्थिरता का गहरा विश्लेषण किया तथा उन कारणों की तह तक पहुँचने की कोशिश की, जिनके कारणवश यह स्थिति विद्यमान थी। उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला कि उस समय प्रयोग में आने वाली लम्बी किस्मों की शारीरिक बनावट ही अधिक उत्पादन के मार्ग में एक बाधा सिद्ध हो रही थी। उन्होंने उक्त पौधों की किस्मों की उत्पत्ति की प्रक्रिया की ही जननिक कार्यशैलियों के पुन:निर्देशन पर जोर दिया।

सन 1970-80 के दशक के दौरान, गेहूँ की जननिक प्रक्रियाओं के माध्यम से नए किस्म के बीजों वाले, उच्च उत्पादकता के छोटे आकार के गेहूँ की किस्मों का विकास किया गया। इसी दौरान कुछ महत्त्वपूर्ण किस्में, 'कल्याण सोना', 'शर्बती सोनारा', 'सोनालिका' जैसी ऊँची उत्पादकता की किस्मों का विकास हुआ जिन्होंने खादों और सिंचाई की ओर अच्छा रुख अपनाया।

भारतीय जननिक वैज्ञानिकों के अनुरोध पर, सन 1963 में भारत सरकार ने मैक्सिको देश से प्रोफेसर नॉर्मन-ई-बोरलौग को आमंत्रित किया ताकि पौधों की बौनी (कम आकार) किस्मों के उत्पादन की संभावनाओं का वे भारत वर्ष में मूल्यांकन करें। भारत के कई क्षेत्रों का दौरा करने के पश्चात, उन्होंने भारत में मैक्सिकी उद्भव के ही छोटे आकार के गेहूँ की किस्मों को बोने का प्रस्ताव रखा। वे इस निष्कर्ष पर इस कारणवश पहुँचे क्योंकि मैक्सिको का मौसम व भूमि दोनों तुलनात्मक रूप से एक समान थीं। उनके सुझाव पर, लेरमा-राजो व सोनोरा-64 नामक दो किस्मों का चयन किया गया और उन्हें हमारे सींचे गए खेतों में बोने के लिये प्रयुक्त किया गया। इन किस्मों के प्रयोग से गेहूँ की उत्पादकता कई गुना बढ़ गयी और हमारे गेहूँ के निर्यात में क्रांति आ गई।

डॉ. बोरलॉग, मैक्सिको सरकार तथा रॉकफेलेर फाउंडेशन की सहकारी योजना के अन्तर्गत गेहूँ अनुसंधान व विकास कार्यक्रम के मुखिया के रूप में जुड़े। सन 1966 में उनकी गेहूँ के विकास की गुपचुप क्रांति ने संसार भर का ध्यान आकर्षित किया तथा मैक्सिको में ही 'अन्तरराष्ट्रीय गेहूँ व मक्के के विकास का केन्द्र' स्थापित किया गया। सन 1970 में उन्हें 'हरित क्रांति' लाने के लिये नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी हरित क्रांति ने भारत की इतनी मदद की थी।

डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन एक बेहतरीन उत्परिवर्तन जननिक वैज्ञानिक रहे हैं। इन्होंने सन 1967 में उगाने के लिये 'शर्बती सोनारा' नामक किस्म को निर्मित किया। उत्परिवर्तन जनन के कार्यक्रम में सोनारा 64 को अल्ट्रावायलेट किरणों से पारित करके उन्होंने इस 'किस्म' का निर्माण किया।

⏩ कार्बनिक खाद

कार्बनिक खाद, पौधों और पशुओं द्वारा छोड़े गए अपशिष्ट पदार्थों पर सूक्ष्म जीवों द्वारा की गई जैविक प्रक्रिया से उत्पन्न हो जाती है। इसको खाद या कम्पोस्ट भी कहा जाता है। ये मवेशियों के गोबर, अन्य किस्म के पशुओं द्वारा छोड़े गए अपशिष्ट तथा भूमि पर गिरे हुए पत्तों, टहनियों, इत्यादि पर सूक्ष्मजीवों की प्रक्रिया के उपरांत उत्पन्न होती हैं। कार्बनिक खाद पर्यावरण भूमि और जल को किसी प्रकार से प्रदूषित नहीं करती। प्राकृतिक खाद भूमि को पोषक तत्वों से परिपूर्ण करती है तथा मृदा की संरचना, भूमि के गुणों की उन्नति व भूमि के जल को बांधने की क्षमता में विकास करती है।

⏩ कीटाणुनाशक/पीड़क नाशक

कीटाणुनाशक वे रासायनिक पदार्थ हैं जिनका उन जीवों को मारने व नियंत्रित करने के लिये विकास किया गया है जो कृषि के लिये हानिकारक सिद्ध होते हैं।

आधुनिक कीटाणुनाशक खाद्यान्नों की आपूर्ति में वृद्धि करते हैं, कृषकों के मुनाफे की वृद्धि करते हैं और सही प्रयोग करने पर सुरक्षा भी प्रदान करते हैं।

कीटाणुनाशक न केवल अधिकतर कीटाणुओं का जल्द ही नियंत्रण कर लेते हैं, बल्कि लम्बे समय तक प्रयोग-योग्य रहते हैं। इसके अतिरिक्त इनका यातायात और लागूकरण सरल है। यदि पौधों की ओर से जननिक विरोध होता है, तब कृषक या तो इन दवाओं को अधिक खुराक में प्रयुक्त कर सकते हैं, अथवा अन्य कीटनाशकों का प्रयोग कर सकते हैं। नियंत्रित रूप से प्रयोग की स्थिति में, ये कीटनाशक कृषक, श्रमिक या उपभोक्ताओं के लिये किसी भी तरह से हानिकारक नहीं है। दिल्लीवासियों के शरीर के ऊतकों में डीडीटी (क्लोरीन युक्त हाइड्रोकार्बन) का स्तर विश्व में सबसे ऊँचा है।

⏩ अधिक गुणवत्ता के बीजों के प्रयोग की आवश्यकता

सीमित भूमि क्षेत्र में अधिक उत्पादन के लिये उत्तम स्तर के बीजों का प्रयोग अतिआवश्यक हैं। जननिक विज्ञान के माध्यम से बीजों की गुणवत्ता में विकास अब एक आम बात हो गई है। जैविक तकनीक के ज्ञान के उपयोग से, अब बेहतर स्तर के बीजों का उत्पादन हो रहा है।

बीजों की गुणवत्ता का विकास निम्नलिखित निर्माण के लिये हो रहा है-

- उच्च उत्पादकता वाली किस्मों का निर्माण।

- बेहतर स्तर के पोषक तत्वों से युक्त बीजों के निर्माण में जिनमें दालों में प्रोटीन की गुणवत्ता, गेहूँ के बेहतर पकने की गुणवत्ता, फलों और सब्जियों की संरक्षण की गुणवत्ता तथा तेल का निर्माण करने वाले पौधों की अधिक गुणवत्ता व मात्रा सम्मिलित हैं।-

कुछ ऐसी किस्मों का निर्माण जो कि बीमारियों व पीड़कों, दोनों का मुकाबला कर सके।- ऐसी किस्मों का निर्माण जो कि गर्मी, सर्दी, खारेपन, बर्फ, सूखे इत्यादि से जूझने में सक्षम हों।

रोग प्रतिरोधक एवं पीड़क प्रतिरोधक क्षमता वाले जीवों को अधिक कीटनाशकों की आवश्यकता नहीं होती- इससे न केवल पर्यावरण के प्रदूषण से बचाव होता है, कीटनाशकों की खरीददारी में जो पैसा खर्च होता है, उसे भी रोका जा सकता है।

पौधों को विभिन्न प्रकार की कठिनाई-युक्त स्थितियों में भी उगाया जा सकता है। इससे जोताई (बुवाई) के क्षेत्र का फैलाव होता है। उदाहरणत: सूखे, खारे या जलीय क्षेत्रों की जोताई के लिये इन किस्मों का प्रयोग किया जा सकता है।

⏩ कृषि का मशीनीकरण

विशाल क्षेत्रों पर उत्पादन की वृद्धि के लिये कृषि के क्षेत्र में मशीनीकरण का प्रारम्भ हुआ। विशाल भूमि के क्षेत्रों पर कृषि से सम्बन्धित सब प्रक्रियाएँ, थोड़े समय की अवधि में ही मशीनीकरण द्वारा संभव हो सकती है।

साथ ही साथ मशीनों की सहायता से फसल जल्दी से जल्दी बाजार में भी पहुँच जाती है। विकासशील देशों में कृषि मजदूरों के कार्य पर निर्भर रहती थी, परन्तु बड़ी संख्या में ग्रामीण लोगों का शहरों में स्थानान्तरण के कारण, खेतों पर श्रमिकों की संख्या कम हो गयी। इस नई स्थिति से निपटने के लिये, कृषि-सम्बन्धी कार्यों को पूरा करने में कृषि के मशीनीकरण के अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प नहीं रह गया। खेतों पर कार्यरत कुछ मशीनों के नाम इस प्रकार हैं

पानी के पम्प, जोत, कम्बाइन हार्वेस्टर, भूमि को समतल बनाने वाली मशीनें, जोतक, ऊर्जा द्वारा संचालित ट्रैक्टरों द्वारा छिड़काव के उपकरण, बुवाई करने वाली मशीनें, ट्रॉलियां, इत्यादि।

कम्बाइन हार्वेस्टर इनको 'कम्बाइन' के नाम से भी जाना जाता है। यह एक बड़े आकार की मशीन है जो न केवल मक्के की कटाई करती है, बल्कि पौधों के बालों से अनाज को भी अलग करती हैं। इसमें पौधों के काटने व फसलीकरण के कार्य शामिल हैं। ये मशीनें खेतों के अंदर ही बालों से अनाज को अलग करती हैं।

हल खेतों की जोताई या मशीनीकृत के लिये कई किस्म के मृदा की यांत्रिकीकरण द्वारा गुड़ाई, मिट्टी को ऊपर-नीचे करने के हल आजकल उपलब्ध हैं।

भूमि समतलक यंत्र ये यंत्र भूमि के बड़े भागों को तोड़कर, भूमि को समतल बनाते हैं तथा इस तरह भूमि को बीज बोने के लिये तैयार करते हैं।

बॉक्स-ड्रिल (वपित्र) ये ट्रैक्टरों से जुड़े यंत्र होते हैं, जो बीजों को बोने के प्रयोग में आते हैं।

ऊर्जा द्वारा संचालित ट्रैक्टर स्प्रे ये यंत्र पौधों की कतारों के बीच होकर खेत में फसलों के दोनों ओर कीटनाशकों या पीड़कनाशकों का छिड़काव करते हैं।

पम्प ये साधारण बिजली द्वारा चलने वाले उपकरण हैं जो सिंचाई के पानी को खेतों तक पहुँचाते हैं।

थ्रेशर वे मशीनें हैं जो कि मक्के, धान व गेहूँ के पौधों की बालों या शेष पौधों में से अनाज को पृथक करने के काम आती हैं।

मशीनीकृत पिकरये वे यंत्र हैं जो चूषण के सिद्धांत पर चलते हैं तथा रुई की फसल से रुई को अलग करने के प्रयोग में आते हैं। रुई उतारने के लिये रसायनों द्वारा पौधों का निष्पत्रण किया जाता है।

⏩ नवीन कृषि प्रणालियाँ

आधुनिक कृषि में पशुपालन, मुर्गीपालन, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन एवं मशरूम संवर्धन इत्यादि शामिल हैं जो भोजन के अन्य उत्पाद जैसे दूध, मांस, मछली, अंडे, मशरूम इत्यादि प्रदान करते हैं। पोषक भोजन की आपूर्ति करने के साथ-साथ ये दालों के उपभोग को भी कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस प्रकार आधुनिक किसान फसल उगाने के साथ-साथ उपरिलिखित कृषिकल्पों में से किसी को भी अपना सकता है।

⏩ मधुमक्खी पालन

एपीकल्चर (मधुमक्खी पालन) को मधुमक्खी रखरखाव/पालन के नाम से जाना जाता है। 'एपिस' का अर्थ है- 'मधुमक्खी'। मधुमक्खी-पालन, बड़ी मात्रा में मधुमक्खियों से निकाले गए मधु के निर्यात के लिये, मधुमक्खियों के समूहों (कॉलोनियों) की देख-रेख व नियंत्रण है। प्राचीन काल में मधुमक्खी पालन लोग घर में ही कर लेते थे। परन्तु अब यह एक महत्त्वपूर्ण उद्योग का रूप ले चुका है।

मधुमक्खी-पालन के तीन मुख्य लाभ हैं

(1) मधु (शहद) जैसे मूल्यवान खाद्य पदार्थ को प्राप्त करना।

(2) मधुमक्खी मोम प्रदान करती है, जिसका उद्योग में बहुत प्रयोग होता है

(3) मधुमक्खियाँ परागण के बहुत अच्छे एजेन्ट (कारक) हैं, जिनकी परागण प्रक्रिया से कृषि-उत्पादन बढ़ता है।

मधुमक्खियाँ, मधु व मोम, दोनों को निर्मित करती हैं, जिनकी बाजार में बहुत मांग है। परन्तु, कृषि में, परागण के एजन्टों के रूप में इनका कार्य प्रमुख है। फूलों से निकाला गया मधुरस (मकरंद) व पराग, शहद के निर्माण में प्रयोग होते हैं। मधुरस फूलों से निकला हुआ एक मीठा स्राव है। यह शहद के लिये कच्चा माल है। पराग कण भ्रूण (निषेचित अण्डों) के लिये, भोजन के रूप में काम आते हैं।

⏩ मछली-पालन और जलीय कृषि

दुनिया के बहुत से भागों में मछलियाँ प्रोटीनयुक्त खाद्य रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मछली पालन (मत्स्य पालन) का विकास अब एक अधिक संभावना वाला उद्योग बन चुका है। भारत का एक लम्बा समुद्र तट है, जो कि समुद्री मछलियों का एक बड़ा उत्पादक है।

ऐसे जलीय क्षेत्र जहाँ मछलीपालन व्यावसायिक रूप से होता है, उन्हें 'कृत्रिम मात्स्यकी' का नाम दिया जाता है। यहाँ पर मछलियों की उत्पत्ति, पालन-पोषण व अंत में इनको 'फसल' के रूप में प्राप्त किया जाता है।

मत्स्य उद्योग या तो एक प्राकृतिक जलीय क्षेत्र में, अथवा एक कृत्रिम जलीय क्षेत्र में सम्भव है। कई प्रकार की मछलियों का एक साथ पालन-पोषण भी किया जा सकता है। जिस किस्म के जल में उनका पालन होता है, उसके आधार पर मात्स्यकी को निम्न श्रेणियों में बांटा जा सकता है:-

1. समुद्री मात्स्यकी- यानि जहाँ समुद्र तट पर मछली पकड़ी जाती है उदाहरण मैकरेल, सार्डीन, कैटफिश।

कृषि कार्य में उपयोगी आधुनिक विधियाँ

उर्वरक और पीड़क नाशक खादें

उर्वरक वे पदार्थ हैं जिन्हें पौधों के स्वस्थ विकास के लिये मृदा में मिलाया जाता है। ये उर्वरक मृदा के खोए हुए पोषक तत्वों को पुन:स्थापित कर देते हैं। कृषक आमतौर से कार्बनिक खादें जो पौधों और पशुओं के अपशिष्ट पदार्थों इत्यादि से बनाई हुई प्राकृतिक खाद है तथा रासायनिक खाद, दोनों का प्रयोग करते हैं।

खादों को भूमि में मुख्यत: इसलिये डाला जाता है ताकि पेड़-पौधों की जड़ें उन्हें सोख लें। इन्हें छिड़काव के रूप में भी प्रयोग किया जा सकता है। रासायनिक खादें, मुख्यत: निम्नलिखित प्रकार की हैं-

(a) नाइट्रोजन-युक्त खाद: ऐसे उर्वरक जिनमें नाइट्रोजन पायी जाती है। उदाहरण: अमोनियम सल्फेट, अमोनियम नाइट्रेट तथा यूरिया।

(b) फॉस्फेट युक्त खाद: ऐसे उर्वरक जिनमें फॉसफेट पायी जाती है, उदाहरण: अमोनियम फॉस्फेट, कैल्शियम डाइहाइड्रोजन फॉस्फेट (सुपरफॉस्फेट)

(c) पोटेशियम युक्त खाद- ऐसे उर्वरक जिनमें पोटेशियम पाया जाता है। उदाहरण: पोटेशियम सल्फेट व पोटेशियम नाइट्रेट।

नाइट्रोजनयुक्त खादें पौधों को विकसित करने में सहायक हैं तथा खाद्य उत्पादन में अनिवार्य है। परन्तु इनका प्रयोग बुद्धिमत्ता से

होना चाहिए। पौधों द्वारा अकुशल अवशोषण व गैर-जिम्मेदारी से उर्वरक का प्रयोग पर्यावरण के प्रदूषण के मुख्य कारण हैं। बिना प्रयोग में लाए गए उर्वरक तब नदियों, तालाबों के सतही जल व भूमि के नीचे के जल में प्रवेश करते हैं। उर्वरक का प्रयोग जब बिना सोचे समझे किया जाता है, तब वे न केवल पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं बल्कि खर्च किया हुआ पैसा भी नष्ट होता है।

मुर्गीपालन की कृषि

मुर्गीपालन शब्द का प्रयोग बत्तख व मुर्गियों जैसे पक्षियों को, उनसे अण्डे व मांस पाने के लिये उनकी देखरेख और पालन की कृषि है। मुर्गीपालन थोड़े ही समय में इसलिये लोकप्रिय हुआ है क्योंकि इसका प्रारम्भ व संचालन की प्रक्रिया सरल है। मुर्गीपालन पर खर्च शीघ्र ही एक से छह महीनों में धनराशि लौटाता है। यह सरल रूप से संचालित और कम स्थान व श्रम से सम्भव है। मुर्गियों जैसे पक्षी व उनके अण्डे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

भारतीय मुर्गियों से अच्छी गुणवत्ता का माँस पाया जा सकता है। परन्तु इनके अण्डे छोटे आकार के होते हैं। बाहर के कुछ देशों की विशिष्टतम किस्मों के मुकाबले में इनकी साधारण बीमारियों से लड़ने की स्वाभाविक क्षमता कम है।

विदेशीय पक्षियों के कुछ साधारण किस्में इस प्रकार हैं- लेग हॉर्न, रोड आइलैण्ड रेड, कॉर्निश।

साधारण भारतीय किस्में इस प्रकार हैं- असील, चिट्टागौंग, बसरा।

मशरूम (खुम्भी) की कृषि

मशरूम की कृषि न सिर्फ धन कमाने का एक आकर्षक तरीका है, बल्कि वह पोषक तत्वों से भी भरपूर खाद्य पदार्थ है। मशरूम एक प्रकार के कवक हैं जो कि छोटे आकार की सफेद गेदों के रूप में दिखायी देते हैं। इनमें एक छोटी शाखा और टोपी होती है, जो कि एक छतरी के समान ऊपर को खुलती हैं। इनमें क्लोरोफिल नामक तत्व की कमी होती है और ये खेतों व कारखानों के अपशिष्ट पदार्थों या कार्बनिक पदार्थों व कूड़ा-करकट पर उगते हैं। मानवीय उपभोग के लिये बेकार पदार्थों, कूड़ा-करकट को माध्यम बनाकर खुम्बी उगाई जा सकती है। इस प्रकार अपशिष्ट पदार्थों को पुन: प्रयोग में लाया जा सकता है। मशरूमों की अनेक किस्मों में से केवल कुछ ही खाने के योग्य हैं। भारत में उगने वाले कुछ खाने योग्य मशरूमों के नाम इस प्रकार हैं- - सफेद बटन मशरूम (ऐगेरीकस बाइस्पोरस), धान के रेशे की मशरूम व ऑयस्टर मशरूम। मशरूम ऊँचे स्तर के प्रोटीनों का एक अच्छा स्रोत हैं। इसके अतिरिक्त ये विटामिनों एवं खनिजों जैसे पोषक तत्वों से भी भरपूर है। फल और सब्जियों की तरह मशरूम भी जल्दी सड़ने वाले पदार्थ हैं तथा संरक्षण व व्यवसायीकरण की प्रक्रियाओं के दौरान उन पर बहुत ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

गुलदाउदी की उन्नत खेती

गुलदाउदी को सर्दी के मौसम की रानी कहा जाता है क्योकि सर्दियों में उगाए जाने वाले फूलों में यह बहुत लोकप्रिय है इसको सेवन्ती व चंद्रमाल्लिका के नाम से भी जानते है । गुलदाउदी के फूलो की बनावट आकार प्रकार तथा रंग में इतनी अधिक विविधता है कि शायद ही किसी अन्य फूल में हो । उसके फूलने का समय बहुत कम होता है , फिर भी लोकप्रियता में यह गुलाब के बाद दूसरे स्थान पर है

व्यावसायिक स्तर पर इसकी खेती मुख्य रूप से कटे (डंठल रहित) और लूज़ (बिना डंठल के फूल के उत्पादन क लिये की जाती है ।

फूलो का इस्तेमाल , मेज़ की सजावट, मालाओ वेणी, गुलदस्ते बनाने में गजरा व कंगन बनाने में होता है गमलो में तैयार किए गए पौधे जिन से बड़े आकार के फूल लिए जाते है । वे फूल प्रदर्शनी में लोगो को ज्यादा आकर्षक लगते है आकार व रंग के आधार पर गुलदाउदी की अलग-अलग किस्मे है, जो गमलो व क्यारियों में लगाने के लिए ठीक रहती है । इसकी खेती महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, बिहार, दिल्ली, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में की जाती है। मध्यप्रदेश में यह फूल प्रमुख रूप से इंदौर, रतलाम, व उज्जैन जिलो में पाया जाता है, जम्मू-कश्मीर में भी यह बड़े शौक से उगाई जाती है।

गुलदाउदी की वृद्धि एवं उत्पादन पर जलवायु का बहुत प्रभाव पड़ता है। भारत के मैदानी क्षेत्रो में सर्वोत्तम फूल नवम्बर के उपरांत ही प्राप्त होते गुलदाउदी की समुचित बढवार व पुष्प उत्पादन के लिये लगभग 60 डिग्री फेरनहाइट तापमान गुलदाउदी में दिन की अवधि 14.5 घंटे से अधिक होने पर फूल की कली नहीं बनती है तथा 13.5-14.5 घंटे के बीच होने पर कली तो बन सकती है किन्तु उसका विकास नहीं हो पता है हालांकि कुछ किस्मे ऐसी भी विकसित हो चुकी है जिन पर प्रकाश अवधि का प्रभाव नही पड़ता है। खेती के लिये बलुई दोमट मिटटी सर्वोत्तम होती है। अम्लीय मिटटी में इसे सफलतापूर्वक नहीं उगाया जा सकता है। इसके लिये उचित जल निकास वाली भूमि होनी चाहिए। गुलदाउदी के लिए ज्यादा कार्बन युक्त मिटटी अच्छी होती है, रेतेली मिटटी व कम नमी धारण करने वाली मिटटी अच्छी नहीं होती है ।

गुलदाउदी की अब तक हजारो किस्मे विकसित की गई है। जिनके गुण फूल के आकार-प्रकार और रंग के अनुसार कुछ मुख्य किस्मे इस प्रकार है

1.बड़े आकार के फूल वाली किस्मे

प्रदर्शनी और भीतरी सज्जा के लिए- फ्रेड यूले (तांबे जैसा रंग), स्नोबाल (सफ़ेद) , सुपर जायंट(पीला), राज (बैगनी), डायमंड, (लाल), पिंक जायंट (बैगनी), स्टार यलो (पीला), टेम्पटेशन(हल्का बैगनी), अन्दर की तरफ और बाहर की तरफ चाँदी जैसा सन राइज (पीला) 7

2.छोटे फूलो वाली किस्मे = माला ,वेणी , पूला क्यारी और गमले के लिए- फ्लीर्टलाल, लिलिथ सफ़ेद, सोनाली तारापीला, शरद शोभासफ़ेद, बैगी सफ़ेद, हिमानी सफ़ेद,ज्योत्सना, अर्चना पीला बसंती पीला, कुंदन(पीला)।

गुलदाउदी की एक वर्षीय किस्मो को पौध शाला में बीज बो कर पौध तैयार करें7इसमें बीजों को फरवरी के महीने में लगाये सिंगल और कोरियन वर्ग की किस्मो को बीज द्वारा ही तैयार किया जाता है

सकर/कल्लो द्वारा` गुलदाउदी के पौधे को जब उसका फूल मुरझाने लगता है जमीन से लगभग 15-20 से.मी. ऊपर से काटे इसके बाद जनवरी-फरवरी में पौधे की जड़ के पास से बहुत से संकर कल्ले निकलना प्रारंभ हो जाते है, जिन्हें सावधानीपूर्वक निकालकर 10 इंच आकार के गमले में लगाये 7 कल्ले में जड़ रहती है, इसलिये किसी तरह का हारमोन आदि जड़ निकालने के लिए लगाने की आवश्यकता नहीं होती है, लेकिन कल्लो को लगाने के बाद गमले को हल्की छायादार जगह पर रखे

इसके लिये भी प्रथम फूल समाप्त होने के बाद उपरोक्त विधि की तरह ही पौधे की ऊपरी भाग को काटें जिससे कल्ले तो निकलते ही है साथ ही तने की गांठो पर से शाखाये निकलती है। इन नयी शाखाओं को ऊपर से लगभग 5-8 से.मी. लंबाई में गांठ के ठीक ऊपर से काटें। इसके बाद शाखाओ के निचले भाग से जड़ निकलने के लिए कुछ पत्तियों हटाकर जड़ वृद्धि कारक जैसे- सेराडिक्स, केराडिक्स, रूटाडिक्स, आदि से उपचारित करे ।